THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

आचार संहिता की वजह से नहीं हुआ पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर देशभर में चुनाव आयोग की तरफ से आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू कर दी गई है। जिसकी वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का रविवार को प्रसारण नहीं हुआ। पिछले मन की बात कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने इस बात का जिक्र भी किया था। बता दें कि मन की बात प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश की उपलब्धियों को समर्पित एक मासिक रेडियो कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम हर महीने के अंतिम रविवार को सुबह 11 बजे प्रसारित किया जाता है।

वर्ष-28 अंक : 374 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.7 2080 सोमवार, 1 अप्रैल-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भ्रष्टाचारियों पर एक्शन होकर रहेगा

ये है मोदी की गारंटी : मेरठ से पीएम मोदी की चेतावनी

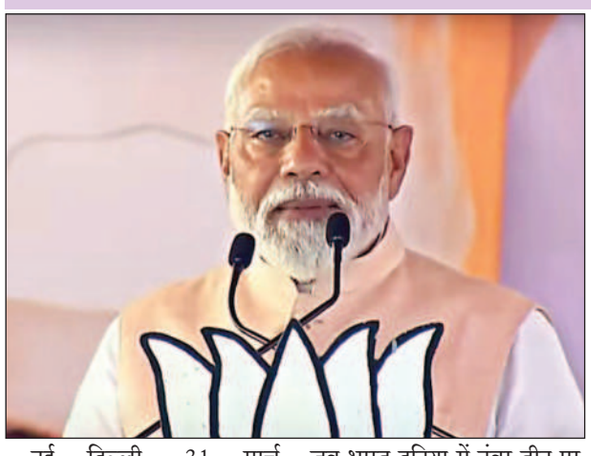

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर आज इंडिया गठबंधन ने दिल्ली में एक रैली की और मोदी सरकार समेत बीजेपी पर जमकर निशाना साधा है। दूसरी ओर पीएम मोदी ने भी आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरेठ से एनडीए के चुनावी कैंपेन की शुरूआत कर दी है। इस रैली में एनडीए के सभी घटक दलों के नेता मौजूद रहे। वहीं रैली में यूपी के सीएम योगी आदित्यननाथ से लेकर हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी भी मंच पर थे। सीएम योगी ने इस दौरान बड़ा बयान दिया है और कहा है कि इस चुनाव में नेशन फर्स्ट का मुकाबला फैमिली फर्स्ट के एजेंडे से होगा।

वहीं इस रैली के दौरान पीएम मोदी ने मंच से चौधरी चरणसिंह को याद कर भाषण की शुरूआत की और कहा कि मेरठ से मेरा खास रिश्ता है। पिछली बार भी औघड़नाथ की इसी धरती से रैली का आगाज करने का सौभाग्य मिला था। पीएम मोदी ने कहा कि जब भारत दुनिया में नंबर तीन पर पहुंचेगा, तो देश में गरीबी तो दूर होगी ही, और साथ-साथ एक सामर्थ्यवान, एक सशक्त देश बनेगा।

पीएम मोदी ने कहा है कि साथियों मैं लाल किले से कहा था, कि यही समय है सही समय है भारत का समय आ गया है भारत चल पड़ा है आज भारत में तेजी से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बन रहा है। आज भारत इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर अभूतपूर्व निवेश कर रहा है।

नई ऊंचाई पर भारत की साख

पीएम मोदी ने नौजवानों को मिले फायदे को लेकर कहा कि आज हर सेक्टर में नौजवानों के लिए अनगिनत नए अवसर बन रहे हैं, आज देश की नारी शक्ति नए संकल्पों के साथ आगे आ रही है आज भारत की साख दुनिया भर में भारत की साख नई ऊंचाई पर है। पीएम मोदी ने कहा कि कभी अयोध्या में राम मंदिर बनेगा, ये लोगों को मुश्किल लगता था, लेकिन राम मंदिर बना और इस बार अवध में रामलला ने भी खूब होली खेला।

पीएम ने गिनाया अपना कामकाज :

इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि साथियों आर्टिकल 370 भी हटा है और जम्मू कश्मीर का विकास भी हो रहा है।

ये मोदी गरीबी से टक्कर लेकर यहां पहुंचा है इसलिए हर गरीब का दुख, हर गरीब की तकलीफ मोदी भली भांति समझता है। अपने कामकाज का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमने गरीब की चिंता दूर करने के लिए योजनाएं बनाई। गरीब को इलाज की चिंता ने हो इसलिए पांच लाख वाली आयुष्मान योजना बनाई। हमारी सरकार मुफ्त राशन दे रही है। जिसको किसी ने नहीं बूझा, उसका सम्मान हमने लौटाया है।

कांग्रेस ने कच्चाथीवू द्वीप श्रीलंका को दिया : मोदी

कहा- 75 साल से देश की अखंडता कमजोर कर रहे, उन पर भरोसा नहीं कर सकते

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि कांग्रेस ने भारत के रामेश्वरम के पास मौजूद कच्चाथीवू द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया था। हर भारतीय इससे नाराज है और यह तय हो गया है कि कांग्रेस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। पीएम ने कच्चाथीवू पर एक आरटीआई रिपोर्ट का हवाला देकर सोशल मीडिया पर यह बात कही।

इस आरटीआई रिपोर्ट में बताया गया है कि 1974 में इंदिरा गांधी की सरकार ने इस द्वीप को श्रीलंका को गिफ्ट कर दिया था। प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में कहा कि कांग्रेस पिछले 75 साल से भारत की एकता और अखंडता को कमजोर करने का काम करती आ रही है।

तमिलनाडु भाजपा चीफ अन्नामलाई ने आरटीआई दाखिल की, रिपोर्ट के 4 पॉइंट

> तमिलनाडु भाजपा चीफ के.अन्नामलाई ने कच्चाथीवू के बारे में जानकारी को लेकर आरटीआई दायर की थी। इसमें लिखा है कि साल 1974 में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और श्रीलंका की राष्ट्रपति श्रीमावो भंडारनायके ने एक समझौता किया था। इसके तहत कच्चाथीवू द्वीप को श्रीलंका को औपचारिक रूप से सौंप दिया गया था।

> रिपोर्ट के मुताबिक, इंदिरा ने तमिलनाडु में लोकसभा कैंपेन को देखते हुए यह समझौता किया था। 1974 में इंदिरा गांधी की सरकार ने इस द्वीप को श्रीलंका को गिफ्ट कर दिया था।

> 1974 में दोनों देशों के बीच दो बैठक हुई थी। पहली बैठक 26 जून को कोलंबो में और दूसरी 28 जून को दिल्ली में हुई। दोनों बैठकों में द्वीप श्रीलंका को देने पर सहमति बनी।

> रिपोर्ट में कहा गया कि समझौते में कुछ शर्तें रखी गईं जैसे- भारतीय मछुआरे अपना जाल सुखाने के लिए इस द्वीप पर जा सकेंगे। द्वीप पर बने चर्च में भारतीय लोगों की बिना वीजा एंट्री होगी।

मोदी कच्चाथीवू का मुद्दा संसद में भी उठा चुके हैं :

10 अगस्त 2023 को पीएम मोदी ने सदन में भी अविश्वास प्रस्ताव पर कच्चाथीवू को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा कि ये विपक्ष के लोग जो सदन से बाहर गए हैं, उनको जरा पूछिए। ये कच्चाथीवू क्या और कहा है? ये डीएमके वाले और उनकी सरकार मुझे चिट्ठी लिखती है कि मोदी जी कच्चाथीवू को वापस ले आइए। तमिलनाडु से आगे और श्रीलंका से पीछे एक टापू किसने किसी दूसरे को दिया था। क्या यह क्षेत्र मां भारती का अंग नहीं था। इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने इसे भी भारत से अलग करने का काम किया था।

द्वीप को लेकर भाजपा-कांग्रेस का बयान :

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ समस्या यह है कि वो बिना किसी आधार के बयान देते हैं। अगर ऐसा कोई एग्रीमेंट हुआ होता, तो हमें पता होता कि क्या हुआ था।

राष्ट्रपति ने आडवाणी को घर जाकर भारत रत्न दिया

पीएम मोदी, उपराष्ट्रपति धनखड़ मौजूद रहे

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को आज देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके घर जाकर उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायुडू भी मौजूद थे।

न्यूज एजेंसी ने बताया कि आडवाणी के खराब स्वास्थ्य के कारण ये फैसला लिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 3 फरवरी को उन्हें भारत रत्न देने की घोषणा की थी।

वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और भाजपा के संस्थापक सदस्य नाना जी देशमुख के बाद ये सम्मान पाने वाले भाजपा और आरएसएस से जुड़े तीसरे नेता हैं।

केंद्र ने इस साल 5 हस्तियों को भारत रत्न सम्मान देने का ऐलान किया था। 2014 में सत्ता संभालने के बाद से मोदी के कार्यकाल में मदन मोहन मालवीय, अटल बिहारी वाजपेयी, प्रणव मुखर्जी, भूपेन हजारिका और नानाजी देशमुख को यह सम्मान मिल चुका है।

2024 के 5 हस्तियों को मिलाकर इस सम्मान को अब तक हासिल करने वालों की संख्या 53 हो गई है।

लॉरेंस बिश्नोई के करीबी की 17.82 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हरियाणा के गैंगस्टर सुरेंद्र उर्फ चीकू और उसके परिवार की 17.82 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति अटैच कर ली है.। इन संपत्तियों में कैश और जमीन है। यह जमीन हरियाणा के नारनौल और राजस्थान के जयपुर में है। ईडी ने ये करवाई हरियाणा में दर्ज कई एफआईआर को आधार बनाते हुए की है। हरियाणा पुलिस ने सुरेंद्र और उसके साले विकास पर हत्या और अपहरण जैसे कई मुकदमे दर्ज किए थे।

ईडी की जांच में साफ हुआ कि सुरेंद्र का कनेक्शन लॉरेंस बिश्नोई और दूसरे गैंगों के साथ है। जांच में यह भी साफ हुआ कि सुरेंद्र लॉरेंस बिश्नोई के पैसों का हिसाब रखता है। वह इस पैसे से अपने परिवार के नाम जमीन खरीदता था। सुरेंद्र नारनौल में एक कंपनी निमावत ग्रेनाइट के जरिए अवैध माइनिंग के धंधे से जुड़ा हुआ था। विकास ने बिना कारोबार किए 2.84 करोड़ रुपये की जबरन वसूली की।

जांच में यह बात भी सामने आई कि विकास कई माइनिंग कारोबारियों से जबरन वसूली करता था और यह पैसे लीगल चैनल के जरिए बैंक खातों में जमा किए जा रहे थे।

इसके बाद इन पैसों से जमीन और दूसरी संपत्तियां खरीदी जा रही थीं। इन लोगों ने अवैध माइनिंग के जरिए एक लाख मीट्रिक टन पत्थर खोद डाला।

ईडी ने 5 दिसंबर 2023 को हरियाणा और राजस्थान में इन गैंगस्टरों के ठिकानों पर रेड की थी।

ममता बनर्जी की भाजपा को चुनौती

कहा- पहले 200 सीटें जीतकर दिखाएं, महुआ पर कही बड़ी बात

कोलकाता, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में सभी पार्टियां अपनी-अपनी जीत सुनिश्चित करने में लगी हुई हैं। वहीं भाजपा लगातार 400 से अधिक सीट पर जीत दर्ज करने का दावा कर रही है। इस पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को निशाना साधा। उन्होंने भगवा खेमे को कम से कम 200 सीटें जीतने की चुनौती दी।

बनर्जी ने यह भी कहा कि वह राज्य में नागरिकता संशोधन कानून लागू नहीं होने देंगी। उन्होंने एक रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, सीएए वैध नागरिकों को विदेशी बनाने का एक जाल है। पश्चिम बंगाल में न ही सीएए और न ही एनआरसी लागू होने देंगे।

हमारी सांसद का अपमान किया गया :

टीएमसी प्रमुख बनर्जी ने कृष्णानगर में तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार महुआ मोइत्रा के समर्थन में एक चुनावी रैली संबोधित की। उन्होंने विपक्षी गठबंधन इंडिया के सहयोगियों माकपा और कांग्रेस पर भाजपा से हाथ मिलाने का आरोप लगाया। कहा कि पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन नहीं है। माकपा और कांग्रेस बंगाल में भाजपा के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, हमारी सांसद महुआ मोइत्रा का अपमान किया गया और उन्हें लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया क्योंकि वह भाजपा के खिलाफ मुखर थीं।

400 पार का दे रही नारा :

उन्होंने आगे कहा, भाजपा नारा दे रही है इस बार 400 पार। मैं उन्हें चुनौती देती हूं कि वह पहले 200 सीटों के मानदंड को ही पार कर लें। साल 2021 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने 200 से अधिक सीटों का आह्वान किया था, लेकिन 77 पर ही संतोष करना पड़ा।

विदेशी बनाने का जाल :

लोगों को आगाह किया कि सीएए के लिए आवेदन करने वाले विदेशी बन जाएंगे। इसलिए इसके लिए आवेदन नहीं करें।

कांग्रेस को 1745 करोड़ का नया टैक्स नोटिस

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने नया नोटिस दिया है। इसमें 2014 से 2017 के लिए 1745 करोड़ रुपये के टैक्स की डिमांड की गई है। इस नए नोटिस के साथ कांग्रेस पर टैक्स डिमांड बढ़कर 3567 करोड़ रुपये हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक 2014-15 के लिए 663 करोड़ रुपये, 2015-16 के लिए 664 करोड़ रुपये और 2016-17 के लिए 417 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस कांग्रेस को भेजा गया है। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों का दावा है कि आईटी विभाग ने राजनीतिक दलों को मिलने वाली टैक्स रिबेट खत्म कर दी है और पूरे कलेक्शन के लिए पार्टी पर टैक्स लगा दिया है। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि जांच एजेंसी ने छापे में कांग्रेसी नेताओं से जब्त डायरियों की थर्ड पार्टी को लेकर हुई एंट्रीज पर भी टैक्स लगाया है। कांग्रेस को 2 दिन पहले यानी 29 मार्च को ही शुक्रवार को आयकर विभाग से पहला नोटिस मिला था।

'370 के लक्ष्य तक पहुंचाएगा दक्षिण'

गडकरी का विपक्ष पर निशाना, दी नसीहत

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। देशभर में लोकसभा चुनाव की बयार चल रही है। सत्तारूढ़ भाजपा और इंडी गठबंधन के नेताओं के बीच बयानबाजी और आरोपों का सिलसिला भी तेज हो गया है। एक तरफ विपक्ष चुनावी चंदा समेत नेताओं की गिरफ्तारी पर सवाल उठा रहा है, तो दूसरी तरफ भाजपा भी विरोधी नेताओं को भ्रष्टाचार में लिप्त बता रही है।

370 के लक्ष्य तक पहुंचाएगा दक्षिण :

अब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 370 सीटों के लक्ष्य पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा 288 सीटों में अतिरिक्त सीटें दक्षिण भारत में बढ़त से मिलेंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि बीते दस सालों में भारतीय जनता पार्टी ने अपने काम से लोगों को दिल जीता है। इस बार चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 400 सीटें पार करेगा।

उन्होंने कहा आगे कहा कि इसके लिए राज्यवार विश्लेषण करने की जरूरत नहीं है। इस बार हम दक्षिण में सफलता का स्वाद चखेंगे। केंद्रीय मंत्री के अनुसार भाजपा ने तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में कड़ी मेहनत की है।

चुनाव से पहले मोदी मैच फिक्सिंग कर रहे : राहुल

दिल्ली में इंडिया की रैली : मान ने कहा- देश किसी की जागीर नहीं

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार 31 मार्च को इंडिया ब्लॉक की लोकतंत्र बचाओ महारैली हुई। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन की ये पहली बड़ी रैली है। इसमें सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, सीताराम येचुरी, महबूबा मुफ्ती, फारूक अब्दुल्ला के अलावा अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता और हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना पहुंचीं।

रैली को सबसे पहले उद्धव ठाकरे ने संबोधित किया। उद्धव ने कहा, कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल हमारी बहन हैं। जब इस तानाशाही सरकार के खिलाफ हमारी बहनें लड़ रही हैं तो हमारे जैसे भाई पीछे कैसे रह सकते हैं। मैं भाजपा को चुनौती देता हूं कि आप अपने बैनर पर लगा दो कि भाजपा के साथ जो पार्टी है वो ईडी, सीबीआई और आईटी है।

केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने रैली को संबोधित करते हुए कहा, मोदी जी ने मेरे पति को जेल में डाल दिया, क्या उन्होंने ठीक किया? आपके केजरीवाल को ज्यादा दिन तक ये जेल में नहीं रख पाएंगे। आपके केजरीवाल शेर हैं। करोड़ों लोगों के मन में बसते हैं।

सुनीता केजरीवाल ने अरविंद का जेल से भेजा गया मैसेज भी पढ़ा। उन्होंने केजरीवाल की 6 गारंटियां पढ़ीं। पहला- पूरे देश में 24 घंटे बिजली। दूसरा- गरीबों को बिजली फ्री। तीसरी- हर गांव-मोहल्ले में शानदार सरकारी स्कूल। चौथा- हर गांव और मोहल्ले में क्लिनिक, जिले में मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल। पांचवीं- किसानों को एमएसपी और छठी- दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा।

वहीं भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा, आज यहां उमड़ा जन सैलाब इस बात की गवाही दे रहा है कि लोकतंत्र को खत्म करने के लिए तानाशाही ताकतों ने अपने कदम बढ़ाए हैं, उसका अंत जनता इस चुनाव में कर देगी।

यूपी में नया गठबंधन पीडीएम, ओवैसी-पल्लवी ने हाथ मिलाया

ओवैसी ने कहा-सिर्फ चुनाव तक नहीं रुकना, सवाल पर पल्लवी ने सुनाई दिनकर की कविता

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए यूपी में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम की एंट्री हो गई है। एआईएमआईएम ने पल्लवी पटेल की पार्टी अपना दल (कमेरावादी) से गठबंधन किया है। चर्चा है कि 35 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी है। लखनऊ में 2 बजे पल्लवी और असदुद्दीन ओवैसी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान असदुद्दीन ओवैसी ने कहा,अखिलेश यादव कहते हैं कि ओवैसी बीजेपी की बी टीम हैं, इसलिए बार-बार यूपी में आकर चुनाव लड़ते हैं। वो ये बताएं कि क्या इसीलिए डॉ. एसटी हसन का टिकट कटवा दिया, रामपुर के लिए हमी जिम्मेदार है, उनकी कोई जिम्मेदारी है ही नहीं है। उन्होंने कहा,हमें इस चुनाव तक रुकना नहीं चाहिए। उसे आगे लेकर जाना चाहिए। हमें यकीन है कि यूपी की जनता पीडीएम को सहयोग करोगी। पल्लवी पटेल ने कहा,हम कृष्ण के अनुयायी हैं। सुई की नोक बराबर भी जमीन नहीं देंगे आप। हठधर्मिता का मतलब महाभारत होगा। इसके बाद पल्लवी ने रामधारी सिंह दिनकर की कविता सुनाई। दे दो केवल 5 ग्राम, रक्खो अपनी धरती तमाम। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के पीडीए के मुकाबले में पल्लवी पिछड़ा, दलित और मुस्लिम नेताओं यानी पीडीएम को एक मंच पर लाने की कोशिश कर रही हैं। इसके लिए उन्होंने यूपी में साइलेंट चल रहे असदुद्दीन ओवैसी से हाथ मिलाया है। जब पल्लवी पटेल से पूछा गया कि आप कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगी? उन्होंने कहा,इसके लिए दोबारा आपके सामने आएंगे। अभी सिर्फ गठबंधन की घोषणा कर रहे हैं। हमारी रणनीति में मिर्जापुर और बनारस है। पल्लवी पटेल ने कहा,देश में मौजूदा वक्त अस्थिरिता का है। पिछड़े, दलित और मुस्लिमों का शोषण हो रहा है। दमन की नीति के लिए हम सरकार का विरोध करते हैं। आज हम आपके बीच पीडीएम के साथ आए हैं। आज हम सरकार और मुख्य विपक्ष के खिलाफ पीडीएम के खिलाफ हो रहे अत्याचार के लिए आवाज उठा रहे हैं। समाज का एक तबका ऐसा है, जिनके प्रति सरकार और विपक्ष का रवैया ठीक नहीं है। उन्होंने कहा,ये वो तबका है, जो सरकार बनाता है और गिराता भी है। आज हम पीडीए के आरक्षण, राजनीतिक भागीदारी और उनके हित को लेकर आपके बीच में हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश ने आजमगढ़, रामपुर, मुरादाबाद, संभल समेत 5 सीटों पर जीत हासिल की थी। उन्हें मुस्लिम वोटर्स का साथ मिला था। अब ओवैसी के साथ अपना दल (कमेरावादी) के आने से मुस्लिम वोटर्स को नए विकल्प मिलेंगे। ध्रुवीकरण की इस सियासत में अखिलेश को पश्चिम की सीटों पर नुकसान हो सकता है। 20 मार्च को अखिलेश यादव को बिना बताए पल्लवी पटेल ने अपनी पंसद की 3 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया था। ये सीटें- फूलपुर, मिर्जापुर और कौशांबी थीं। पल्लवी के ऐलान के 3 घंटे बाद ही सपा ने मिर्जापुर से राजेंद्र एस बिंद को टिकट दे दिया था। दरअसल, हुआ यूं कि 20 मार्च को पार्टी की केंद्रीय कार्य समिति की बैठक हुई। मीटिंग के बाद पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने कहा कि हम इंडी गठबंधन में लंबे समय से हैं।

बीजेपी दफ्तर में नवनीत राणा का शानदार स्वागत

कहा-मैं नए घर में आई हूं, मुझे स्वीकार करो

अमरावती, 31 मार्च (एजेंसियां)। अमरावती से भारतीय जनता पार्टी का टिकट मिलने के बाद पहली बार पार्टी कार्यालय में पहुंची नवनीत राणा का पार्टी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। भाजपा कार्यालय में आज इतनी भीड़ थी कि वहां पांव रखने तक की जगह नहीं थी। उनकी उम्मीदवारी का विरोध करनेवाले भी उनका स्वागत करते नजर आए। नवनीत राणा ने इस अवसर पर सबका आभार जताया और अपने भाषण से सबका मन मोह लिया। उन्होंने कहा- मैं नए घर में आई हूं।।मोदी जी का हाथ मजबूत करने आई हूं। मुझे संभाल लेना पिछला जो कुछ भी है वह सब भूलकर अब नहीं जिंदगी की शुरुआत करनी है। नवनीत राणा के इस भाषण पर जमकर तालियां बजीं।

विरोध करनेवालों ने भी किया स्वागत

नवनीत राणा का विरोध करनेवालों ने भी बुके देकर उनका स्वागत किया और अपने भाषण में कहा कि कल जो कुछ भी मन में था वैसा आज कुछ भी नहीं है। अमरावती में पहली बार कमल चिह्न पर लोकसभा के लिए भाजपा का उम्मीदवार आया है तो उसे जिताना जरूरी है। हमारे पास पहले कोई उम्मीदवार भी नहीं था। उनका तहे दिल से स्वागत। विधायक प्रवीण पोटे ने आभार मानते हुए उनकी जीत के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को जोर-शोर से प्रचार कार्य में लगने का आह्वान किया।

दलाई लामा: असम राइफल्स ने 6 दशक से दलाई लामा के साथ अपने जुड़ाव को किया याद, मिला था सुरक्षित निकासी का जिम्मा

गुवाहाटी, 31 मार्च (एजेंसियां)। आध्यात्मिक गुरु 14वें दलाई लामा के अपनी मातृभूमि तिब्बत से भारत भागने के 65 साल पूरे होने पर असम राइफल्स ने अपने छह दशक के उनके जुड़ाव को याद किया। असम राइफल्स को उनकी सुरक्षित निकासी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। बल की 5वीं बटालियन को दलाई लामा और उनके दल को अरुणाचल प्रदेश के माध्यम से असम में सुरक्षित लाने का काम सौंपा गया था। लामा ने 31 मार्च, 1959 को भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया था। अर्धसैनिक बल ने कहा, 1959 में 5वीं असम राइफल्स की ओर से दलाई लामा की भारत में सुरक्षित पहुंच भारत और तिब्बत के साझा इतिहास में एक हृदयस्पर्शी अध्याय है, जो दोस्ती, समर्थन और मानवतावाद की स्थायी भावना का प्रतीक है। दलाई लामा के साथ संबंध वर्षों से जारी हैं। उन्हें सुरक्षित भारत लाने वाले बल के दल को 'दलाई लामा बटालियन' कहा जाता है।

ममता के पूर्व सांसद पर ईडी का बड़ा एक्शन

विमान-फ्लैट समेत तीन राज्यों में करोड़ों की संपत्ति जब्त

कोलकाता, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले ईडी का एक्शन जारी है। केंद्रीय एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के पूर्व सांसद के.डी। सिंह की चिटफंड कंपनी अल्केमिस्ट ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई की है।

ईडी ने कहा कि शनिवार को पूर्व टीएमसी सांसद केडी सिंह की अध्यक्षता वाले अल्केमिस्ट ग्रुप के 29 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के बीचक्राफ्ट विमान, फ्लैट और हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और मध्य प्रदेश में संपत्तियों को मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के तहत कुर्क किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह जांच सीबीआई, यूपी पुलिस और पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा दर्ज की गई कई प्राथमिकियों से संबंधित है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि समूह ने अपनी कंपनियों जैसे अल्केमिस्ट होल्डिंग्स लिमिटेड और अल्केमिस्ट टाउनशिप इंडिया लिमिटेड में आम जनता से 1,800 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि झूठ बोलकर एकत्रित की। ग्रुप ने उच्च रिटर्न प्रदान करने और अपने निवेश पर उच्च ब्याज दर के अलावा फ्लैट, विला, प्लॉट देने का वादा भी किया। ईडी ने एक बयान में कहा कि संपत्तियों को पीएमएलए के तहत कुर्क किया गया है। ईडी ने एक बयान में कहा कि इनमें एक किंग एयर सी90ए विमान, हिमाचल प्रदेश के शिमला और सिरमौर जिलों और मध्य प्रदेश के कटनी जिले में फ्लैट और जमीन शामिल है।

एजेंसी ने कहा कि हरियाणा के पंचकुला में पार्श्वनाथ रॉयल प्रोजेक्ट में अलकेमिस्ट रियल्टी लिमिटेड द्वारा खरीदे गए कुल 18 फ्लैट और शिमला (ग्रामीण) और सिरमौर के क्योंथल में लगभग 250 बीघा और 78 बीघा जमीन भी कुर्क की गई है। अलकेमिस्ट ग्रुप का नेतृत्व टीएमसी के पूर्व राज्यसभा सदस्य कंवर दीप सिंह कर रहे हैं। कुर्क की गई संपत्तियों की कुल कीमत 29.45 करोड़ रुपये है। ईडी ने दावा किया कि जांच के अनुसार, सार्वजनिक निवेशकों को कभी भी उनका पैसा नहीं लौटाया गया और धन को अलकेमिस्ट समूह की विभिन्न कंपनियों में "छीन लिया गया और डायवर्ट" कर दिया गया।

केडी सिंह कौन?

केडी सिंह का पूरा नाम कंवर दीप सिंह है। सिंह ममता बनर्जी की पाटी टीएमसी से पूर्व राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। ईडी इससे पहले भी केडी सिंह के ठिकानों पर छापेमारी में कई जरूरी कागजात, विदेशी करेंसी और कैश मिला था। 2018 में ही केडी सिंह पर पीएमएलए के तहत केस शुरू किया गया था। अल्केमिस्ट इन्फ्रा रियलटी लिमिटेड पर ईडी ने 2016 में केस दर्ज किया था। पहले केडी सिंह की करीब 239 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई थी, जिसमें रिजॉर्ट, शोरूम और बैंक खाते भी शामिल थे।

'सावरकर को उन्होंने पढ़ा नहीं

इसलिए वे बिना सिर-पैर की बातें करते हैं', राहुल गांधी को डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दिया ये ऑफर

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। स्वतंत्र्य वीर सावरकर' की स्क्रीनिंग में 30 मार्च की देर शाम महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए। इस दौरान डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से अपील करते हुए कहा कि वे भी सावरकर पर बनी इस फिल्म को देखें। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, 'चूंकि राहुल गांधी ने न तो सावरकर को पढ़ा है और न ही सावरकर को समझा है इसलिए वे बिना सर-पैर की बातें करते हैं। मैं उनसे अपील करता हूं कि वे भी सावरकर पर बनी इस फिल्म को देखें, अगर वे इसे देखना चाहेंगे तो मैं अपने खर्चे पर पूरा सिनेमा हॉल उनके लिए बूक करूंगा।' डिप्टी सीएम ने आगे कहा कि इस फिल्म को देखने के बाद वो (राहुल गांधी) जिस तरह की बेसिर-पैर की बातें सावरकर के बारे में करते हैं, वो करना बंद कर देंगे।

दरअसल, राहुल गांधी कई बार वीर सावरकर के खिलाफ टिप्पणी कर चुके हैं। उन्होंने अपनी 'भारत जोड़ो' के दौरान भी वीर सावरकर के खिलाफ बयानबाजी की थी। राहुल गांधी की इसी बयानबाजी पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की प्रतिक्रिया सामने आई है। आपको बता दें कि हिन्दू महासभा के अध्यक्ष रहे सावरकर का जन्म महाराष्ट्र के नासिक जिले के भागुर गांव में 28 मई 1883 को हुआ था। उनका निधन 26 फरवरी, 1966 को मुंबई में हुआ था।

विश्व भारती यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर पर यौन शोषण का आरोप

लड़कियों को मैसेज भेजे लिखा- रात गुजारो तो एग्जाम पास करवा दूंगा

कोलकाता, 31 मार्च (एजेंसियां)। कोलकाता में विश्वभारती यूनिवर्सिटी की तीन छात्राओं ने एक गेस्ट प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इनका आरोप है कि इस प्रोफेसर ने सेमेस्टर परीक्षा में पास कराने के बदले में शारीरिक संबंध बनाने की मांग की। यूनिवर्सिटी के फारसी, उर्दू और इस्लामिक स्टडी डिपार्टमेंट में पढ़ने वाली तीनों स्टूडेंट्स ने आरोप लगाया कि प्रोफेसर ने उन्हें वॉट्सएप पर अश्लील मैसेज भी भेजे और कई बार उन्हें गलत तरीके से छुआ। छात्राओं ने 28 मार्च को शांतिनिकेतन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने बताया कि परीक्षा में फेल होने का डर दिखाकर उन्हें प्रताड़ित किया गया। छात्राएं सबूत लेकर थाने पहुंचीं। उन्होंने पुलिस को प्रोफेसर के भेजे मैसेज दिखाए। जिनमें उसने छात्राओं से अलग से मिलने और रात गुजारने की भी बात लिखी थी। हालांकि, आरोपी प्रोफेसर ने विश्व भारती के छात्राओं की शिकायत को खारिज कर दिया। प्रोफेसर ने कहा- "मैं इस वक्त बोलपुर में नहीं हूं। बाहर हूं। मैं इस बारे में कुछ नहीं जानता। मुझे फंसाया जा रहा है।वॉट्सएप पर अगर किसी छात्र को कोई मैसेज भेजा जाता है तो वह पढ़ाई को लेकर होता है। उनका किसी और से कोई रिश्ता नहीं है। मैं यहां इतने लंबे समय से पढ़ा रहा हूं। पहले कभी भी मेरे खिलाफ इस तरह के आरोप नहीं लगे।" यह पहला मौका नहीं है, जब विश्व भारती का नाम विवादों में आया है।

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में स्थित शांतिनिकेतन को सितंबर 2023 में यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल किया गया। नवंबर में यूनिवर्सिटी में एक शिलापट्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वाइस चांसलर का नाम लिखी पट्टिका लगाई गई, जिस पर जमकर विवाद हुआ था। 7 दिसंबर को विवादित पट्टिका को बदल दिया गया। विश्व भारती यूनिवर्सिटी फैकल्टी एसोसिएशन के प्रवक्ता सुदीप्त भट्टाचार्य ने कहा कि आरोपों की जल्द से जल्द उचित जांच की जानी चाहिए।

कर्नाटक लोकसभा चुनाव में येदियुरप्पा की भूमिका अहम, पीएम मोदी ने जमकर की तारीफ

बेंगलूरू, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अनुभवी नेता बीएस। येदियुरप्पा सत्ता और चुनावी राजनीति से बेशक बाहर हो गए हैं, लेकिन कर्नाटक में पार्टी के मामलों में उनका दबदबा अब भी कायम है और केंद्रीय नेतृत्व लोकसभा चुनावों में पार्टी की स्थिति को मजबूत करने के लिए उन्हीं पर भरोसा कर रहा है। चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन से लेकर निर्वाचन क्षेत्रों में असंतोष को शांत करने तक हर मामले में पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य येदियुरप्पा की अहम भूमिका है। येदियुरप्पा के लिए चुनाव काफी अहम भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य येदियुरप्पा के लिए यह चुनाव काफी अहम है

क्योंकि उन्हें इन चुनावों के जरिए यह सुनिश्चित करना होगा कि पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के रूप में उनके बेटे बीआई। विजयेंद्र की स्थिति मजबूत हो और इस पद पर उनके बेटे के चयन को लेकर सवाल उठाने वाले आलोचकों को शांत किया जा सके। येदियुरप्पा

चुनावी राजनीति से बाहर होने की पहले ही घोषणा कर चुके हैं। भाजपा के केंद्रीय नेता, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ येदियुरप्पा की राज्य के चुनाव प्रचार अभियान में अहम भूमिका मान रहे हैं।

जमीनी स्तर पर पार्टी को खड़ा किया चार बार मुख्यमंत्री रहे येदियुरप्पा ने राज्य में जमीनी स्तर पर पार्टी को खड़ा करने में अहम योगदान दिया है। वह लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। खास तौर पर राजनीतिक रूप से अहम माने जाने वाले लिंगायत समुदाय के बीच उनकी अच्छी पकड़ है। भाजपा 'येदियुरप्पा फैक्टर' को भुनाना चाहती है। खुद प्रधानमंत्री ने भी इस महीने की शुरुआत में येदियुरप्पा के गृह जिले शिवमोगा में आयोजित जनसभा के दौरान उनकी जमकर प्रशंसा की थी। मोदी ने कहा था, ''शिवमोगा एक विशेष स्थान है।

जनसंघ के दिनों में हमें कोई नहीं जानता था, उस समय स्थानीय निकाय स्तर पर भी हमारा कोई सदस्य नहीं था। ऐसे समय में येदियुरप्पा जी ने अपना जीवन यहीं बिताया। येदियुरप्पा की तपोभूमि है यह उनकी 'तपोभूमि' है।" कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षकों और भाजपा के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने पिछले साल मई में विधानसभा चुनाव में येदियुरप्पा को किनारे करने की कोशिश की थी। इन चुनावों में कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया था और पार्टी 224 सदस्यीय विधानसभा में केवल 66 सीट ही जीत पाई थी।

भ्रष्टाचार का मुद्दा, अल्पसंख्यकों के मत कांग्रेस के पक्ष में जाना और लिंगायतों के एक वर्ग का भाजपा से दूरी बनाना पार्टी की हार के प्रमुख कारण में शामिल रहे। भाजपा ने एक बार फिर येदियुरप्पा पर भरोसा जताते हुए पिछले साल नवंबर में विजयेंद्र को राज्य इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया था। लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन में येदियुरप्पा का प्रभाव साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। शिमोगा से उनके बड़े बेटे बी।वाई। राघवेंद्र को चुनावी मैदान में उतारे जाने के अलावा बेंगलुरु उत्तर से शोभा करंदलाजे, दावणगेरे से गायत्री सिद्धेश्वर, हावेरी से पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और चित्रदुर्ग से गोविंद एम करजोल सहित उनके कई वफादार नेताओं को टिकट मिले हैं।

गुजरात के द्वारका में बड़ा हादसा, घर में आग लगने से परिवार के चार लोगों की मौत

अहमदाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के द्वारका में एक बड़ा हादसा हुआ है। द्वारका में घर में आग लगने से परिवार के चार लोगों की मौत हुई है। बताया जा रहा है कि दम घुटने से परिवार के 4 लोगों की मौत हुई है। इस घटना में पति-पत्नी, एक छोटी बच्ची और माता की मौत और दादी को जींदा बहार निकाला गया है। द्वारका के आदित्य रोड के एक घर में सुबह करीब चार बजे यह घटना घटी है। जब परिवार सो रहा था तभी अचानक घर में आग लग गई और सब का दम घुंटने लगा। परिवार के चार सदस्य की दम घुंटने से मौके पर ही मौत हो गई जबकी 83 वर्षीय दादी को बचाने में फायर विभाग की टीम को सफलता मिली है। बताया जा रहा है कि ये आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। हालांकि आग कैसे लगी जांच के बाद ही इसका सही कारण सामने आएगा। फिलहाल वृद्ध दादी को अस्पताल ले जाया गया है जबकी चारों शव को पोस्टमोर्टम के लीए ले जाया गया है। मृतक के नाम - पावन कमलेश उपाध्याय (उम्र 32 साल), तिथि उपाध्याय (उम्र 28 साल), ध्याना (सात माह), भामिनी कमलेश उपाध्याय (उम्र 57 साल) हैं। पुलिस ने कहा कि गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले में रविवार को एक घर में आग लगने के बाद एक शिशु सहित एक परिवार के चार सदस्यों की दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस निरीक्षक टीसी पटेल ने बताया कि द्वारका शहर के आदित्य रोड पर स्थित घर की पहली मंजिल पर सुबह करीब साढ़े तीन बजे आग लग गई, जब परिवार के पांच सदस्य सो रहे थे।

जब नोटबंदी के निर्णय की घोषणा की गई थी तब मुझे असहमति दिखानी पड़ी: नोटबंदी पर न्यायमूर्ति नागरत्ना

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश बीवी नागरत्ना ने पंजाब के राज्यपाल से जुड़े मामले का जिक्र करते हुए निर्वाचित विधायिकाओं द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपालों द्वारा रोक लगाए जाने की आलोचना की है और साथ ही इसके प्रति आगहा भी किया है। यहां एनएएलएसएआर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ में आयोजित न्यायालयों और संविधान सम्मेलन के पांचवें संस्करण के उद्घाटन सत्र में अपने मुख्य भाषण में, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने एक अन्य उदाहरण में महाराष्ट्र विधानसभा मामले के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यहां राज्यपाल के पास फ्लोर टेस्ट की घोषणा करने के लिए पर्याप्त सामग्री की कमी थी। उन्होंने कहा, किसी राज्य के राज्यपाल के कार्यों या चूक को संवैधानिक अदालतों के समक्ष विचार के लिए लाना संविधान के तहत एक स्वस्थ प्रवृत्ति नहीं है। मुझे लगता है कि मुझे अपील करनी चाहिए कि राज्यपाल का पद, एक गंभीर संवैधानिक पद है। राज्यपालों को संविधान के तहत अपने कर्तव्यों का निर्वहन संविधान के अनुसार करना चाहिए ताकि कोर्ट में इस तरह की मुकदमेबाजी से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि राज्यपालों को कोई काम करने या न करने के लिए कहा जाना काफी शर्मनाक है। उन्होंने कहा, इसलिए अब समय आ गया है जब उन्हें संविधान के अनुसार अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए कहा जाएगा।

न्यायमूर्ति नागरत्ना की यह टिप्पणी भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ द्वारा डीएमके नेता के पोनमुडी को राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में फिर से शामिल करने से इनकार करने पर तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के आचरण पर गंभीर चिंता व्यक्त करने के कुछ दिनों बाद आई है। जस्टिस नागरत्ना ने नोटबंदी मामले पर अपनी असहमति पर भी बात की।

उन्होंने कहा कि उन्हें केंद्र सरकार के इस कदम के खिलाफ असहमत होना पड़ा क्योंकि 2016 में, जब निर्णय की घोषणा की गई थी, 500 रुपये और 1,000 रुपये के नोट बंद कर दिए गए थे जो कुल मुद्रा नोटों का 86 प्रतिशत थे और इसमें से 98 प्रतिशत नोटबंदी के बाद वापस आ गए थे। अक्टूबर 2016 में, भारत सरकार ने कथित तौर पर काले धन के खिलाफ 500 रुपये और 1,000 रुपये के बैंक नोटों का विमुद्रीकरण कर दिया था।

न्यायाधीश बीवी नागरत्ना ने कहा, मैंने सोचा कि यह नोटबंदी पैसे को सफेद धन में बदलने का एक तरीका है क्योंकि सबसे पहले, 86 प्रतिशत मुद्रा का विमुद्रीकरण किया गया और 98 प्रतिशत मुद्रा वापस आ गई और सफेद धन बन गई। सभी बेहिसाब धन बैंक में वापस चले गए। न्यायाधीश ने कहा, ₹इसलिए, मैंने सोचा कि यह बेहिसाब नकदी का हिसाब-किताब करने का एक अच्छा तरीका है। इसलिए, आम आदमी की इस परेशानी ने मुझे वास्तव में उत्तेजित कर दिया। इसलिए, मुझे असहमति जतानी पड़ी।

महाराष्ट्र में बागी नेता बढ़ाएंगे बीजेपी की टेंशन? इस नेता ने किया निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव का बिगुल बच चुका है। राज्य में पांच चरणों में मतदान होंगे। चुनाव से पहले महाराष्ट्र में सियासी हलचल देखी जा रही है। चुनाव से पहले बीजेपी के नेता हरिश्चंद्र चव्हाण ने बगावत कर दी है, उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। बीजेपी ने शिंदे गुट के साथ मिलकर महाराष्ट्र में सरकार बनाई। इसके बाद गठबंधन में अजित पवार की एनसीपी भी शामिल हो गई। हालांकि लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी को बगावत का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि अजित पवार और एकनाथ शिंदे की पार्टी को कम सीटें मिलीं हैं। इसलिए दोनों पार्टियों के निर्दलीय नेताओं के साथ-साथ बीजेपी में मौका न मिलने से नाराज नेताओं के भी बगावत करने की आशंका है। इसकी शुरुआत डिंडोरी लोकसभा क्षेत्र से हो गई है। बीजेपी के पूर्व सांसद हरिश्चंद्र चव्हाण बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने जा रहे हैं।

वह डिंडोरी लोकसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। बीजेपी द्वारा केंद्रीय राज्य मंत्री भारती पवार को उम्मीदवार बनाए जाने से हरिश्चंद्र चव्हाण नाराज हो गए। हालांकि, आज शरद पवार की एनसीपी ने डिंडोरी लोकसभा क्षेत्र से भास्कर भगारे की उम्मीदवारी की घोषणा की। इसलिए हरिश्चंद्र चव्हाण की पार्टी से चुनाव लड़ने की इच्छा टूट गई है। हरिश्चंद्र चव्हाण एक स्वतंत्र नामांकन पत्र दाखिल करने जा रहे हैं क्योंकि भास्कर भगारे को भी एनसीपी शरद पवार समूह द्वारा नामित किया गया है।

अगर हरिश्चंद्र चव्हाण डिंडोरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ते हैं तो इससे बीजेपी की भारती पवार का सिरदर्द बढ़ने की संभावना है। इससे अप्रत्यक्ष रूप से शरद पवार की पार्टी एनसीपी को फायदा हो सकता है। हरिश्चंद्र चव्हाण लगातार दो बार डिंडोरी लोकसभा क्षेत्र से चुने गए हैं। 2019 में उनके पास हैट्रिक बनाने का मौका था। हालांकि, बीजेपी ने उन्हें उम्मीदवार के रूप में खारिज कर दिया।

कॉलेज छात्र के पैन कार्ड से बना ली फर्जी कंपनी 40 करोड़ रुपये से ज्यादा लेनदेन भी किया

ग्वालियर, 31 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से हैरान करने वाला मामला सामने आ रहा है। यहां कॉलेज में पढ़ने वाले एक छात्र के पैन कार्ड से 40 करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन का मामला सामने आया है। छात्र को इस बात का पता तब लगा जब उसे इश भारी-भरकम लेनदेन पर आयकर विभाग का नोटिस मिल गया।

घटना की जानकारी मिलते ही छात्र घबराकर भागा-भागा पुलिस के पास पहुंचा और उन्हें इस बात की जानकारी दी। आइए जानते हैं ये पूरा मामला। ग्वालियर के जीवाजी विश्वविद्यालय के छात्र प्रमोद दंडोतिया के पैन कार्ड का इस्तेमाल कर के धोखाधड़ी से बनाई गई एक कंपनी के जरिए 40 करोड़ रुपये का लेन-देन किया गया है। अज्ञात व्यक्तियों द्वारा बनाई गई कंपनी ने माल और सेवा कर (जीएसटी) का भी भुगतान नहीं किया है। पुलिस ने कहा है कि वह इस मामले की जांच कर रही है। पैन कार्ड धारकों को अपने कार्ड का दुरुपयोग रोकने के लिए कई तरह की निगरानी रखनी चाहिए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

शांत मन में लिया गया हर निर्णय आपको सही परिणाम देता है।

बीआरएस प्रमुख केसीआर ने सूखे खेतों का निरीक्षण किया

पालकुर्ती, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने रविवार को जनगांव जिले के पालकुर्ती विधानसभा क्षेत्र के धारावथ थांडा में पर्याप्त पानी की आपूर्ति की कमी और सूखे की स्थिति के कारण सूख गई धान की फसलों का निरीक्षण किया। बीआरएस अध्यक्ष ने परेशान किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने किसानों को सांत्वना दी और उनमें विश्वास जगाया। केसीआर, जो अपने एर्रावेली फार्महाउस से क्षेत्र के दौरे के लिए निकले, सीधे जनगांव जिले के धारावथ थांडा पहुंचे। इस अवसर पर, एक महिला किसान अंगोथु सथेम्मा, जिन्होंने चार बोरवेल खोदने के बावजूद पर्याप्त पानी की कमी के कारण चार एकड़ धान की फसल खो दी थी, ने केसीआर के साथ अपना दर्द साझा किया। उसने दुख जताया कि चार बोरवेल खोदने के बावजूद उसकी धान की फसल सूख गई और उस पर लगभग पांच लाख का कर्ज हो गया।

सथेम्मा ने कहा कि धान की फसल सूखने के कारण वह अपने बेटे की प्रस्तावित शादी करने की स्थिति में नहीं थी और संकट में थी। केसीआर ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए उनके परिवार को 5 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की। धरावथ थांडा के रास्ते में केसीआर का पार्टी कार्यकर्ताओं ने हर कदम पर गर्मजोशी से स्वागत किया। बाद में, केसीआर ने सूर्यापेट जिले के तुंगतुर्थी मंडल के वेलुगुपल्ली गांव में सूखी फसलों का निरीक्षण किया। इस बीच, पुलिस ने चुनाव आचार संहिता के तहत ईदुला पार्रे गांव थांडा में स्थापित चेक पोस्ट पर बीआरएस अध्यक्ष के.चंद्रशेखर राव की बस की जांच की।

राजेंद्रनगर में पांच लोगों ने युवक को लूटा

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लुटेरों के एक गिरोह ने राजेंद्रनगर में राहगीरों को चौंका दिया, जहां अपरपल्ली एक्स रोड में एक युवक पर हमला किया गया और उसे लूट लिया गया। पांच सदस्यों वाले गिरोह ने कार में यात्रा कर रहे युवक का पीछा किया, उस पर हेलमेट से हमला किया और मौके से भागने से पहले उसके गले से 10 तोले की चेन छीन ली। यह घटना पीवीएनआर एक्सप्रेसवे के खंभा नंबर 182 पर दिनदहाड़े हुई, जिससे मोटर चालकों और दर्शकों में दहशत फैल गई। राजेंद्रनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने चेन स्नेचरों की तलाश के लिए अभियान शुरू कर दिया है।

जल संसाधनों के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जाएं : रोनाल्ड रोज

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज ने अधिकारियों को शहर में जल संसाधनों के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास करने का निर्देश दिया है। शनिवार की सुबह कमिश्नर ने अधिकारियों के साथ सेरिलिंगमपल्ली जोन में नलगंडला झील का निरीक्षण किया। इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि चूंकि नलगंदला तालाब को सीएसआर पद्धति से लिया गया है, इसलिए उन्होंने झील अधिकारियों के साथ जोनल कमिश्नर को उनसे बात करने और इसे जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कदम उठाने का आदेश दिया है। इस मौके पर आयुक्त ने सीएसआर द्वारा किये गये कार्यों की जांच की. चूंकि स्लुइस कार्य और रिंग बांध निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, उन्होंने अधिकारियों से तालाब के चारों ओर बाड़ लगाने, सीवेज डायवर्जन, पैदल चलने, साइकिल ट्रैकिंग, बिजली, सीसी टीवी, भूनिर्माण और सौंदर्यीकरण कार्यों जैसे अन्य कार्यों को तुरंत पूरा करने के लिए कदम उठाने को कहा। इसके अलावा इस मौके पर अधिकारियों को शहर के तालाबों को अतिक्रमण से बचाने के लिए कड़े कदम उठाने और तालाबों के विकास के लिए प्रस्ताव तैयार करने का आदेश दिया गया। कमिश्नर के साथ जोनल कमिश्नर स्नेहा सबरीश, लेकस एडिशनल कमिश्नर शिव कुमार नायुडू, लेक ईई नागराजू, अपर्णा इफ्रा के प्रतिनिधि व अन्य शामिल हुए।

'अहिंसा रन फॉर पीस एंड अहिंसा' आयोजित

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईएफएल जीतो 'अहिंसा रन फॉर पीस एंड अहिंसा' का दूसरा संस्करण रविवार को जाला विहार, पीवी नरसिम्हा राव मार्ग, हैदराबाद में आयोजित किया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विकास राज ने हरी झंडी दिखा कर दौड़ को रवाना किया। जैन समुदाय और उनके समुदाय के बाहर के लगभग 2000 धावकों ने दौड़ में भाग लिया। दौड़ को तीन श्रेणियों जैसे 3के, 5 के और 10के में आयोजित किया गया था। कुल पुरस्कार राशि 90 हजार रुपये दी गई।

दौड़ का रूट जल विहार से संजीवैया पार्क की ओर था। 10 किमी दौड़ में 15 से 35 वर्ष पुरुष वर्ग में नवीन प्रथम स्थान पर रहे। उन्होंने 32.09 सेकंड का समय निकाला। रमेश चंद्र 33.07 के साथ दूसरे और मानवेंद्र सिंह 33.21 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग (15 से 35 वर्ष) में नेहा 49.32 टाइमिंग के साथ पहले, पायल जैन 58.57 टाइमिंग के साथ दूसरे और डॉ. साक्षी एक घंटा छह मिनट 35 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। 36 से 56 वर्ष और 56 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष और महिला दोनों विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। सभी विजेताओं को नकद पुरस्कार दिये गये। चुनाव आयोग ने इस अवसर का उपयोग आगामी संसद चुनावों के बारे में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए भी किया। उन्होंने बहुत सारे स्टैंडीज़ और पोस्टर लगाए हैं।

विकास राज ने सभी से लोकतंत्र के भारतीय महोत्सव में बाहर जाकर मतदान करने का आग्रह किया। इस अवसर पर बोलते हुए, अध्यक्ष सुशील संचेती, मुख्य सचिव परेश शाह, जीतो हैदराबाद के कोषाध्यक्ष बीएल भंडारी ने कहा कि यह एक अनोखी दौड़ थी।

यह एक अलग तरह की दौड़ थी। एक उद्देश्य, एक दौड़- यह अहिंसा और अपरिग्रह के लिए एक साथ दौड़ है। दौड़ के हैदराबाद संस्करण में 2000 धावकों ने भाग लिया। दौड़ का आयोजन भारत में 80 से अधिक स्थानों और भारत के बाहर 20 से अधिक स्थानों पर एक साथ किया गया और एक लाख से अधिक धावकों ने चुनाव में भाग लिया। वीना जैन, चेयरपर्सन, टीना शाह, मुख्य सचिव, जीतो हैदराबाद लेडीज विंग के साथ-साथ जीतो यूथ विंग की रेनू चोरडिया और राहुल शाह ने इसे एक बड़ी सफलता बनाने के लिए सभी व्यवस्थाएं कीं।

बीआरएस शासन के तहत जलाशय भरे हुए थे : नामा नागेश्वर राव

खम्मम, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम बीआरएस पार्टी के सांसद नामा नागेश्वर राव ने आज कहा कि उनकी बीआरएस पार्टी के शासन के दौरान केसीआर के नेतृत्व में पलेरू जलाशय हमेशा भरा रहता था। रविवार को पलेरू निर्वाचन क्षेत्र के अपने दौरे के तहत, उन्होंने सूखे हुए पलेरू जलाशय का दौरा किया। इस अवसर पर बोलते हुए, बीआरएस पार्टी के सांसद नामा नागेश्वर राव ने कहा कि उनकी बीआरएस सरकार के 10 साल के शासनकाल के दौरान किसानों को सिंचाई और पीने का पानी उपलब्ध कराया गया था, लेकिन कांग्रेस सरकार के तहत सिंचाई और पीने का पानी उपलब्ध कराना संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि पूरे तेलंगाना राज्य में सिंचाई के पानी की कमी के कारण लगभग 15 लाख एकड़ भूमि सूख गई है और खम्मम जिले में धान की फसल का भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि लोग पीड़ित हैं और लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराकर तथा किसानों को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराकर सुरक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, आपके वादों ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जहां पीने के

लिए पानी नहीं है और कम से कम लोगों को पीने का पानी दिया जाना चाहिए।

उन्होंने मांग की कि खम्मम जिले के साथ-साथ तेलंगाना के लोगों को तुरंत पीने का पानी और सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। कोई समस्या। उन्होंने कहा कि वे उन इलाकों का भी दौरा करेंगे जहां फसलों को नुकसान हुआ है। इससे पहले दिन में अधिकारियों ने जिला सीमा टोल प्लाजा चेक पोस्ट पर एमपी नामा के वाहन की जांच की। इस बीच बीआरएस नेताओं ने बताया कि पूर्व सीएम केसीआर ने किसानों की राह पकड़ ली है। पूर्व मंत्री पुव्वाडा अजय कुमार ने कहा कि सूखा कांग्रेस सरकार की निष्क्रियता के कारण है। उन्होंने कहा कि सरकार रैतू बंधु भी नहीं दे रही है। उन्होंने उन किसानों के लिए 30 हजार प्रति एकड़ की मांग की, जिनकी फसल बर्बाद हो गई। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों तक पेयजल की कमी को पूरा करने के लिए कृष्णा से पानी लिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आंध्र पीने के पानी के लिए पानी लेगा।

पूर्व विधायक सैंड्रा वेंकट वीरैया ने कहा कि बीआरएस आगामी संसदीय चुनाव जीतने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के पास कोई दूरदर्शिता नहीं है, उन्होंने कहा, लोग केसीआर और कांग्रेस शासन के बीच अंतर देख रहे हैं। इस अवसर पर खम्मम जिला बीआरएस पार्टी के अध्यक्ष और एमएलसी मधुसूदन, राज्यसभा सदस्य वदिराजू रविचंद्र, पूर्व मंत्री पुवाड़ा अजय कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष कमल राजू, बीआरएस पार्टी के अध्यक्ष सचिव वेमुला वीरैया और अन्य उपस्थित थे।

वन, पर्यावरण और धर्मस्व विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने रामन्नापेट चर्च में आयोजित ईस्टर समारोह में भाग लिया। विशेष प्रार्थना के बाद उन्होंने भोजन वितरण कार्यक्रम के तहत कई लोगों को खाना परोसा। इस मौके पर पादरियों ने मंत्री को ईसाइयों की पवित्र पुस्तक बाइबिल भेंट की।

दोस्त पर बीयर की बोतल और चाकू से वार कर दो युवक फरार

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर में दोस्तों के बीच हुआ विवाद गुरुवार रात हिंसक हो गया, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान सैयद मुस्तफा अली के रूप में हुई है, उस पर झगड़े के दौरान बीयर की बोतल और चाकुओं से हमला किया गया था।

तीन दोस्त-मुस्तफा, अमन और अफान- गुरुवार की रात की लड़ाई में शामिल थे, जिसके कारण अमन और अफान ने मुस्तफा के सीने में चाकू से वार कर दिया। अमन और अफान अपने घायल दोस्त की मदद करने के लिए बिना रुके मौके से भाग गए। मुस्तफा को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। अत्तापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फिलहाल विवाद का कारण निर्धारित करने और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए जांच कर रही है।

पैसे ऐंठने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

एक को गिरफ्तार कर कोर्ट में किया पेश

राजन्ना-सिरसिला, 31 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। थंगल्लापल्ली पुलिस ने खुद को पत्रकार बताकर एक चावल मिल मालिक से पैसे वसूलने के आरोप में पांच छद्म पत्रकारों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

सिरसिला डीएसपी चन्द्रशेखर रेड्डी ने बताया कि पोन्नम चंद्रमौली, दुसा राजेंदर, चौटापल्ली वेंकटेश, अवुनुरी प्रशांत और नरेश ने शनिवार शाम वेमुलावाड़ा के वरलक्ष्मी चावल मिल से सिद्दीपेट की ओर जा रही एक धान लॉरी का पीछा किया।

जब लॉरी जिलेला पहुंची, तो उन्होंने वाहन को रोक लिया और लॉरी चालक के माध्यम से मालिक के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने राइस मिल मालिक से फोन पर संपर्क किया। उन्होंने खुद को पत्रकार बताते हुए अवैध रूप से धान परिवहन करने की बात कहते हुए 20 हजार रुपए की मांग की। उन्होंने पैसे न देने पर अधिकारियों को सूचित करने की धमकी दी।

चावल मिल मालिक ने न केवल उन्हें भुगतान किया बल्कि पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई, जिसके बाद आईपीएस अधिकारी राहुल रेड्डी ने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।

पुलिस ने एक आरोपी चंद्रमौली को गिरफ्तार कर उसके पास से 20 हजार रुपये बरामद कर लिये। बाकी चार आरोपी फरार थे। चंद्रमौली को कोर्ट में पेश किया गया।

अलेरू स्टेशन पर बड़ा रेल हादसा टला

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को यदाद्री जिले के अलेरू रेलवे स्टेशन पर कृष्णा एक्सप्रेस के साथ बड़ा रेल हादसा टल गया। आदिलाबाद और तिरूपति के बीच चलने वाली कृष्णा एक्सप्रेस को अलेरू स्टेशन पहुंचते वक्त झटका लगा। तेज आवाज से यात्री घबरा गए और तुरंत रेलवे स्टाफ को सूचना दी। सतर्क अधिकारियों ने ट्रेन रोकी और पाया कि रेल पटरी तीन से चार सेंटीमीटर तक टूटी हुई है। रेलवे कर्मचारियों ने तुरंत टूटी पटरी को बदला और ट्रेनों को ट्रैक पर चलाया।

करीमनगर के सेना जवान की पंजाब में आत्महत्या

करीमनगर, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सेना के जवान नेल्ली रामकृष्ण की शुक्रवार देर रात पंजाब सीमा पर कथित तौर पर आत्महत्या से मौत हो गई। उनके इस निर्णय का सटीक कारण अभी तक ज्ञात नहीं है, लेकिन यहां उनके रिश्तेदारों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार, कहा जाता है कि उन्होंने अपने शिविर में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। सैदापुर मंडल के गोडीशाला के मूल निवासी रामकृष्ण पांच साल पहले सेना में शामिल हुए थे। वह अविवाहित थे। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अन्य ने सेना के जवान की मौत पर शोक व्यक्त किया।

महाराष्ट्र बीआरएस इकाई ने केसीआर को समर्थन दोहराया

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की महाराष्ट्र इकाई ने बीआरएस अध्यक्ष के.चंद्रशेखर राव को अपना समर्थन दोहराया और इस कठिन समय में उनके साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। बीआरएस के प्रत्येक पदाधिकारी ने पार्टी प्रमुख को अपना समर्थन और विश्वास जताया। उन्होंने राज्य और देश में किसानों की सरकार बनाने के लिए काम करने का भी फैसला किया।

बीआरएस महाराष्ट्र इकाई की राज्य स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक शनिवार को पुणे में हुई। बैठक में राज्य भर से बड़ी संख्या में बीआरएस पार्टी के नेताओं ने भाग लिया। शंकर धोंडगे की अध्यक्षता और प्रोफेसर विजय मोहिते के संचालन में हुई बैठक में हर जिले से विधानसभा संयोजक, विभाग संयोजक और राज्य स्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान पूरी बीआरएस महाराष्ट्र इकाई ने एक स्वर में चन्द्रशेखर राव पर भरोसा जताया और कठिन समय में उनके साथ रहने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों, खासकर प्रवर्तन निदेशालय के दुरुपयोग के जरिए देश भर में अपने राजनीतिक विरोधियों की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है।

बैठक में शिवाजी जाधव, सुधीर बिंदु, गणेश कदम, यशपाल भिंगे, मनोहर पटवारी, हरिभाऊ राठौड़, वरिष्ठ नेता दशरथ सावंत, बालासाहेब देशमुख, नाना बच्छाव, नागेश वाल्याल, जयमल सिंह रधावा, संदीप लागड़, निखिल देशमुख, दत्ता पवार, शंकर गोडसे और अन्य ने संबोधित किया।

रबी की खरीद आज से होगी शुरू

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यासांगी धान की खरीद सोमवार से पूरे राज्य में शुरू होगी। नागरिक आपूर्ति आयुक्त डीएस चौहान ने बाजारों में धान की आवक की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टरों को जरूरत और सुविधा के अनुसार खरीद केंद्र खोलने का निर्देश दिया।

अधिकारियों के अनुसार, कुछ स्थानों पर खरीद प्रक्रिया 25 मार्च से ही शुरू हो गई थी। सभी जिलों में 7100 धान क्रय केंद्र खोलने की तैयारी हो चुकी है। लेकिन नमी की समस्या के लिए, यह एक परेशानी मुक्त खरीद प्रक्रिया होने की उम्मीद है।

निगम के अधिकारियों ने कहा, जहां भी जरूरत महसूस होगी, स्थिति का आकलन करके अतिरिक्त खरीद केंद्र खोले जाएंगे और हम किसानों को उचित सौदा सुनिश्चित करेंगे।

विभाग ने 15 अप्रैल से खरीद प्रक्रिया निर्धारित करने की योजना बनाई थी। नलगोंडा, निज़ामाबाद और खम्मम जैसे जिलों में शुरुआती फसल को देखते हुए, प्रक्रिया गंभीरता से शुरू की गई थी। अधिकारियों ने कहा कि व्यापारियों ने शुरुआत में स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश की, लेकिन सरकारी एजेंसियां समय पर हस्तक्षेप कर सकती थीं। रबी खरीद 2020-21 में 92.34 लाख मीट्रिक टन, 2021-22 में 50.39 लाख मीट्रिक टन और 2022-23 में 66-84 लाख मीट्रिक टन के क्रम में थी।

कृषि बाजार खुफिया केंद्र, प्रोफेसर जयशंकर ने चावल के लिए अपने मूल्य पूर्वानुमान अभ्यास के हिस्से के रूप में भविष्यवाणी की है कि प्रति क्विंटल धान की कीमत सामान्य किस्मों के लिए लगभग 2140-2280 रुपये और ग्रेड- के लिए 2250-2640 रुपये होगी।

मिर्यालगुडा क्षेत्र में, व्यापारी कथित तौर पर ग्रेड ए के लिए 2600 रुपये तक की पेशकश कर रहे हैं। अपनी मूल्य समर्थन नीति के हिस्से के रूप में, सरकार ने सामान्य किस्मों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,183 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए के लिए 2,203 रुपये बढ़ा दिया है।

नागार्जुन सागर परियोजना पर भूभौतिकीय जांच के विकल्प पर विचार

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई विभाग राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) द्वारा अनिवार्य व्यापक बांध सुरक्षा मूल्यांकन के हिस्से के रूप में नागार्जुन सागर परियोजना पर भूभौतिकीय जांच करने के विकल्प पर विचार कर रहा है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड के साथ-साथ जल संसाधन विभाग, आंध्र प्रदेश सहित सभी हितधारकों के साथ समन्वय में अभ्यास करने की योजना बनाई है।

फरवरी के दूसरे सप्ताह में परियोजना का दौरा करने वाली एनडीएसए टीम चाहती थी कि राज्य के सिंचाई अधिकारी रखरखाव कार्यों में तेजी लाएं ताकि उन्हें मानसून की शुरुआत से पहले पूरा किया जा सके। लेकिन 57 साल पुरानी प्रमुख सिंचाई परियोजना में देखे गए कुछ संरचनात्मक मुद्दों को स्थायी आधार पर संबोधित किया जाना है। तेलंगाना सरकार, जो परियोजना के परिचालन नियंत्रण में थी, साल-दर-साल रखरखाव कार्य का ध्यान रख रही थी क्योंकि उसे जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जबकि एपी को श्रीशैलम परियोजना के रखरखाव में भाग लेने की उम्मीद थी। लेकिन पिछले साल के अंत में बांध स्थल पर दोनों राज्यों के बीच टकराव के कारण एनएसपी रखरखाव के कार्यान्वयन के लिए मौजूद प्रणाली से परेशान हो गई थी।

हालाँकि एपी सरकार ने 26 क्रेस्ट गेटों और हेड रेगुलेटरों के अपने हिस्से को कवर करते हुए, रखरखाव कार्यों को स्वयं लागू

करने की मांग की, लेकिन अंततः यह कार्य फिर से तेलंगाना के सिंचाई विभाग को सौंपा गया। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, बांध पर देखी गई विसंगतियों को पूरी तरह से संरचना की गहन जांच के बाद ही संबोधित किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि बांधों की जांच में इस्तेमाल की गई भू-भौतिकीय विधियां बेहतर परिणाम दे रही हैं। भूभौतिकीय जांच प्रक्रिया भी एक प्रभावी विकल्प रही है। पिछले कुछ वर्षों में भूभौतिकीय जांच विधियों और भू-तकनीकी विधियों की तुलना में उनकी स्वीकार्यता में काफी प्रगति हुई है। नदी प्रबंधन प्राधिकरण (केआरएमबी) और एपी सरकार में संबंधित जल संसाधन विभाग विंग के साथ समन्वय करने के प्रयास जारी हैं। एनडीएसए टीम ने बांध के कुछ खंभों पर दरारें देखी थीं और उन्हें मरम्मत की आवश्यकता थी। एनडीएसए टीम द्वारा रिपोर्ट किए गए स्पिलवे पर मुद्दों को तुरंत संबोधित किया जाना था।

लेकिन जैसा कि राज्य सिंचाई विभाग के अधिकारियों का कहना है, ऐसे कोई बड़े मुद्दे नहीं हैं जिन्हें संरचनात्मक चिंता का प्रकटीकरण माना जा सके। कुछ हेयरलाइन दरारें देखी गईं और दरारों का अंकन पहले से ही गंभीरता से किया गया था। कुछ दरारें लगभग एक दशक पुरानी थीं। एक दशक से अधिक समय से दरारों के आकार में कोई प्रगति नहीं हुई है। फिर भी ऐसे मुद्दों को प्राथमिकता से निपटाया जाएगा।

एनडीएसए टीम निचली मिट्टी के तटबंधों की नालियों में जमा होने वाली घास और जंगली वृद्धि को हटाना चाहती थी, जिसे पहले ही युद्ध स्तर पर पूरा कर लिया गया था। उन्होंने कहा, जैसा कि टीम ने सुझाव दिया था, परियोजना पर इंस्ट्रूमेंटेशन के प्रतिस्थापन पर भी विचार किया जा रहा है।

कानपुर में धर्मांतरण का बड़ा सिंडिकेट

45 किमी दूर चर्च ले जा रहे थे, 50 हजार-शादी का झांसा दिया; 2 बस में 110 लोग पकड़े

कानपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर में धर्मांतरण का बड़ा सिंडिकेट पकड़ा गया। 2 बसों में 110 लोगों को कानपुर से 45 किमी दूर उन्नाव के एक चर्च में ले जाया जा रहा था। पुलिस ने दोनों बसों से महिला-पुरुषों का रेस्क्यू किया। धर्मांतरण सिंडिकेट के 2 लोगों को भी अरेस्ट किया गया। शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि हिंदू धर्म के लोगों को अच्छी शादी, 50 हजार रुपए का झांसा दिया गया था। पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

चेकिंग में 2 बसें पकड़ी, धर्मांतरण कराने वाले 2 अरेस्ट

एसीपी कर्नलगंज महेश कुमार ने बताया,बजरंग दल ने देर रात करीब 1 बजे सूचना दी कि नवाबगंज से 2 बसों से 110 से ज्यादा लोगों को धर्मांतरण के लिए ले जाया जा रहा है। उन्नाव की एक चर्च में धर्मांतरण होना है। पुलिस ने गंगा बैराज पर बैरिकेडिंग लगाकर चेकिंग शुरू कर दी। इन दोनों बसों को पुलिस ने चेकिंग में रोक लिया। बस में सवार लोगों से पूछताछ होने पर सामने आया कि इन्हें कानपुर के नवाबगंज, अर्मापुर, कोहना से लाया गया है। उन्नाव की एक चर्च में ले जाया जा रहा है। देर रात उन्नाव की चर्च में धर्मांतरण समारोह का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया,पुलिस इन बसों को दोबारा नवाबगंज थाने लेकर पहुंची। धर्मांतरण कराने वाले बस में सवार क्रिश्चियन समाज के विलियम्स और दीपक मोरिस को अरेस्ट कर लिया। विलियम्स आवास विकास कल्याणपुर में और दीपक विष्णुपुरी नवाबगंज में रहता है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। अर्मापुर इस्टेट सर्वेंट क्वार्टर में रहने वाले संजय वाल्मीकि ने तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। संजय ने बताया,₹मैं बिल्सी बदायूं का रहने वाला हूं। नोयल विलियम्स और दीपक ने मुझको और परिवार से कहा कि अगर तुम क्रिश्चियन बन जाओ और हमारे प्रभू की पूजा करोगे तो तुम्हारी सारी परेशानियां दूर हो जाएंगी। इन लोगों ने ही मेरी पत्नी को बहका दिया और अब वह मेरे साथ नहीं रहना चाहती है। अब ये लोग दबाव बना रहे हैं कि अगर तुम क्रिश्चियन धर्म अपना लोगे तब तुम्हारे पत्नी और बच्चे तुम्हारे पास आ जाएंगे। तुम्हें अपने हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों को हटाना होगा। हिन्दू धर्म छोड़कर ईसाई बनना होगा। धर्म अपनाते ही हमारा क्रिश्चियन समाज और चर्च मिलकर तुम्हें 40 से 50 हजार रुपए भी देगा। इतना ही नहीं नौकरी और इलाज के लिए भी रुपए देगा। चर्च के पादरी की ओर से जो तुम्हें होली वाटर दिया जाएगा। उसे आंखों में लगाओगे तो यीशू की नेमत बरसेगी। दोनों लोग मुझे जबरन बस में बैठाकर धर्मांतरण के लिए उन्नाव ले जा रहे थे।

एसीपी का दावा-जल्द पूरे सिंडिकेट का खुलासा होगा

एसीपी कर्नलगंज महेश कुमार ने बताया,विलियम और दीपक मोरिस के खिलाफ उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम-2021 के तहत एफआईआर दर्ज की है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही धर्मांतरण से जुड़े पूरे सिंडिकेट का खुलासा किया जाएगा।

बच्ची की बलि देने वाले चार लोगों को आजीवन कारावास

मुंगेर, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुंगेर न्यायालय में पॉक्सो एक्ट मामले में चार आरोपियों को आजीवन कारावास (उम्रकैद) की सजा सुनाई गई है। 25-25 हजार का अर्थदंड भी लगाया गया है। इन्होंने 5 अगस्त 2021 में अंधविश्वास में 8 साल की बच्ची की बलि दी थी। उसकी हत्या की और आंख फोड़कर निकाल लिए थे। मुख्य आरोपी दिलीप चौधरी की पत्नी बीमार रहती थी। उसे ठीक करने के लिए तांत्रिक ने बच्ची का अंग और खून लाकर पूजा करने को कहा था। अंधविश्वास में आकर आरोपियों ने बच्ची को मार डाला था। विशेष लोक अभियोजक प्रीतम कुमार वैश्य ने बताया कि नयाराम नगर थाना क्षेत्र के फरदा गांव में अंधविश्वास में आकर चारों ने बच्ची की निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी थी और उसकी आंख निकाल ली थी। इस मामले में पॉक्सो एक्ट की विशेष अदालत ने चारों को सुनवाई करते हुए सभी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और अर्थदंड लगाया। कोर्ट ने दिलीप चौधरी सहित तीन अन्य आरोपियों तांत्रिक परवेज आलम, मुर्गाफार्म मालिक तनवीर आलम व दशरथ मंडल उर्फ दशरथ कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

विजय कुमार सिन्हा का लालू यादव पर कड़ा प्रहार

कहा- 'वह चाहे जितनी भी कोशिश कर लें उन पर लगा भ्रष्टाचार का दाग कभी नहीं धुल सकता'

पटना, 31 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद पर प्रहार करते हुए दावा किया कि वह चाहे जितनी भी कोशिश कर लें, कभी भी भ्रष्टाचार के दाग से छुटकारा नहीं पा सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में आरजेडी के सत्ता में रहने के दौरान 'जंगल राज' था। आरजेडी अपने नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को 'राज्य के भविष्य' के रूप में प्रचारित करता है, लेकिन लोग वंशवादी राजनीति और भाई-भतीजावाद को खारिज कर देंगे और उसे चुनेंगे जो उनके हित में काम करेगा।

विपक्ष के आरोप को किया खारिज

विजय कुमार सिन्हा ने आरजेडी के इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया कि मोदी सरकार भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे विपक्षी नेताओं को अपने पाले में लाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और जब वे बीजेपी में शामिल हो जाते हैं तो उनके 'दाग बीजेपी की वॉशिंग मशीन में धुल जाते हैं'। लालू प्रसाद ने भी ऐसी कोशिश की थी। वह बीजेपी की मदद से पहली बार (बिहार के) मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन, बीजेपी ने उन्हें कभी अपनी 'वॉशिंग मशीन' में नहीं डाला।

'भ्रष्टाचार का दाग नहीं धुल सकता कभी'

डिप्टी सीएम ने कहा कि चाहे वह (लालू) कितनी भी कोशिश कर लें, उन पर लगा भ्रष्टाचार का दाग कभी नहीं धुल सकता। बीजेपी हमेशा लोगों को मौका देती है, लेकिन पार्टी कभी भी उन लोगों को मौका नहीं देती, जो दागी और भ्रष्ट हैं तथा समाज में नफरत की भावना पैदा करते हैं। ऐसे लोग कभी भी बीजेपी में नहीं रह सकते। बता दें कि राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल के खिलाफ 2017 के भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई द्वारा क्लोजर रिपोर्ट दाखिल किया है। इस मामले में सीबीआई क्लीन चिट दे दी है। इस पर विपक्ष जमकर बीजेपी पर निशाना साध रहा है।

भाजपा महिला जिलाध्यक्ष का रोते हुए वीडियो वायरल, बोलीं- अभद्रता हुई, कपड़े फाड़े गए

मुरादाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष आदेश चौधरी का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह रो-रोकर आपबीती बता रही हैं। उनका आरोप है कि कुछ दबंगों ने उनके साथ मारपीट की। उन्होंने कपड़े फाड़ने और अभद्रता करने का भी आरोप लगाया है। पीड़ित महिला जिलाध्यक्ष का आरोप है कि वो आधी रात तक थाने में बैठी रहीं, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उक्त महिला के खिलाफ थाना सिविल लाइंस पर धोखाधड़ी किए जाने का अभियोग पंजीकृत किया गया है। महिला की ओर से लगाए आरोपों की भी जांच की जा रही है।

कौन हैं आदेश चौधरी, क्या हुआ?

दरअसल, पीड़ा बताने वाली महिला का नाम आदेश चौधरी है। ये मुरादाबाद भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष हैं। आदेश चौधरी ने अपने फेसबुक अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह आरोप लगा रही हैं कि विजयभान सिंह और उनके बेटे कपिल मलिक ने रास्ते में रोककर अपने साथियों के साथ मिलकर उनके साथ मारपीट की। घसीटते हुए ले गए और अभद्रता की। इतना ही नहीं, कपड़े फाड़कर उन्हें अपमानित भी किया। उन्होंने फोन कर 112 को बुलाया। 112 पुलिस, महिला को क्षेत्रीय थाने ले गई, लेकिन थाने में उनकी कोई सुनवाई नहीं की गई। उनका कहना है कि रात तक वो थाने में ही बैठी रहीं। कार्रवाई नहीं होने पर उन्हें सोशल मीडिया का सहारा लेना पड़ा।

एसपी सिटी ने क्या कहा?

इस पूरे मामले को लेकर एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया का कहना है कि उक्त महिला के खिलाफ धोखाधड़ी को लेकर थाना सिविल लाइंस पर मानवेंद्र सिंह की तहरीर पर धारा 420 467 468 471 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसमें जिला सहकारी बैंक से धोखाधड़ी करके पैसा निकाला गया है। वहीं, महिला की ओर से दिए गए शिकायती पत्र में लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है।

कुशीनगर से चुनाव लड़ेंगे स्वामी प्रसाद मौर्य, देवरिया में भी उतारा प्रत्याशी

कुशीनगर, 31 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी प्रमुख स्वामी प्रसाद मौर्य ने अब लोकसभा चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया के जरिए पोस्ट कर चुनाव लड़ने के एलान किया है। वह इंडिया गठबंधन से अलग चुनाव लड़ेंगे। इंडिया गठबंधन के साथ बात नहीं बन पाने के कारण अब वह कुशीनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, 'राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के गठन दिनांक 22 फ़रवरी से लेकर आज तक निरंतर इंडिया गठबंधन को जिताने और मजबूत बनाने का प्रयास करता चला आ रहा हूं। इसी क्रम में देशवासियों से हमने अपील भी किया कि संविधान बचाओ-भाजपा हटाओ, लोकतंत्र बचाओ-भाजपा हटाओ, देश बचाओ-भाजपा हटाओ।' पूर्व सपा नेता ने कहा, 'इंडिया अलायन्स में सम्मिलित यूपी की दोनों बड़ी पार्टियों के नेताओं से मेरी वार्ता भी हुई एवं उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप मैंने पांच नामों की सूची भी भेजी और मैं प्रतीक्षा करता रहा कि उस पर निर्णय कर इन्ही दोनों पार्टियों की ओर से तय किये गये नामों की घोषणा भी हो, किंतु आज-तक घोषणा नहीं हुई।'

दो सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान

उन्होंने चुनाव लड़ने के एलान करते हुए कहा, 'अस्तु लम्बी प्रतीक्षा के बाद लोकसभा कुशीनगर की जनता की मांग को देखते हुए, कुशीनगर की जनता के सम्मान, स्वाभिमान व विकास का संकल्प लेकर, मैं कुशीनगर लोकसभा के प्रत्याशी के रूप में, कुशीनगर की जनता को समर्पित कर रहा हूँ तथा देवरिया लोकसभा में राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के प्रत्याशी एस.एन। चौहान होंगे, शेष नामों की घोषणा भी शीघ्र किया जायेगा।' अपने सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने कहा, 'अब देखना यह है कि इंडिया गठबंधन में सम्मिलित दल मुझे इंडिया गठबंधन का हिस्सा मानते है या भीम आर्मी प्रमुख, चंद्रशेखर आजाद एवं अपना दल (कमेरावादी), पल्लवी पटेल की तरह गठबंधन का हिस्सा न होने का प्रमाण पत्र देते हैं।'

डेथ सर्टिफिकेट जारी होते ही कोर्ट केस से मुख्तार अंसारी का नाम होगा बाहर

गाजीपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुख्तार अंसारी की 63 साल की उम्र में हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह बांदा जेल में बंद था। उस पर कुल 65 मुकदमे थे, जिनमें के कुछ पर कोर्ट ने फैसला भी सुनाया है। अंसारी की मौत के बाद उस पर विचाराधीन मामलों से उसका नाम हटा दिया जाएगा। एनबीटी ऑनलाइन ने एडीसी क्रिमिनल नीरज श्रीवास्तव से संपर्क किया। एडवोकेट श्रीवास्तव ने बताया कि न्यायिक प्रक्रिया है कि अगर किसी व्यक्ति पर कोई मुकदमा कोर्ट में चल रहा हो और उसकी मृत्यु हो जाय तो उसके लिए न्यायिक प्रक्रिया है।

श्रीवास्तव ने बताया कि अभियुक्त की मृत्यु के बाद उसका नाम केस से हटा दिया जाता है। उनकी ओर से गाज़ीपुर कोर्ट में चल रहे ऊसरी चट्टी मामले में न्यायालय में आवेदन दिया गया है। आवेदन में बताया गया है कि मुख्तार अंसारी की मौत होने के बाद इस केस से उसका नाम हटा दिया जाए। एडीसी श्रीवास्तव के अनुसार आवेदन पर पुलिस के जरिए बांदा जेल प्रशासन से रिपोर्ट मांगी जाएगी। रिपोर्ट न्यायालय में पेश होने के बाद मुख्तार अंसारी का नाम केस बाहर कर दिया जाएगा। यही प्रक्रिया सभी कोर्ट में मान्य होगी जिन-जिन न्यायालय में मुख्तार पर केस चल रहा है।

कौन हैं डीएम आर्यका अखौरी? जिन्होंने सांसद के होश ठिकाने ला दिए, बिहार से है नाता

गाजीपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। माफिया मुख्तार अंसारी के सुपुर्द-ए-खाक होने के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल है। इस वीडियो में गाजीपुर डीएम आर्यका अखौरी और मुख्तार अंसारी के सांसद भाई अफजाल अंसारी के तीखी बहस होते नजर आ रही है। इस वीडियो के सामने आने के बाद यूजर्स पोस्ट करके तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हालांकि इससे पहले भी कई मौकों पर आईएएस अधिकारी आर्यका अखौरी चर्चा में बनी रही हैं। यूपी सरकार की आधिकारिक वेबसाइट अनुसार आईएएस अधिकारी आर्यका अखौरी का जन्म 14 दिसंबर, 1985 को हुआ था। वह बिहार के पटना की रहने वाली हैं। आर्यका अखौरी 2013 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। आर्यका अखौरी बतौर गाजीपुर डीएम साल 2022 में जिम्मेदारी दी गई थी। बीते साल सितंबर में आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया था, जिसके बाद आर्यका अखौरी को बतौर गाजीपुरी डीएम जिम्मेदारी दी गई थी। हालांकि गाजीपुर बतौर डीएम आईएएस अधिकारी आर्यका अखौरी का दूसरा जिला है। इससे पहले वह भदोही की जिलाधिकारी रह चुकी हैं। यह कोई पहली बार नहीं है जो डीएम आर्यका अखौरी अपने एक्शन को लेकर चर्चा में आई हैं। तब वह भदोही में गैंगस्टर और हथियारों के खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर चर्चा में थीं।

पूर्व विधायक के खिलाफ कार्रवाई

भदोही में पूर्व विधायक विजय मिश्रा के खिलाफ डीएम आर्यका अखौरी ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। इसके अलावा उन्होंने कई असलहों का लाइसेंस भी रद्द कर दिया था। उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर कई बड़े कदम उठाए थे। इसके अलावा आईएएस आर्यका अखौरी तब भी चर्चा में आई थीं जब उन्होंने सरकारी दफ्तर में जींस और टॉप पहनकर आने पर रोक लगा दी थी। यह कदम भी उन्होंने भदोही डीएम रहते हुए उठाया था। वह वाराणसी और मेरठ में बतौर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट भी काम कर चुकी हैं। अब एक बार फिर तीखी बहस के बाद एफआईआर करने की चेतावनी देते हुए वह चर्चा में बनी हुई हैं।

मुजफ्फरनगर से बीजेपी प्रत्याशी संजीव बालियान के काफिले पर हमला, 8-10 गाड़ियों में तोड़फोड़

मुजफ्फरनगर, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान के काफिले पर रात हमला किया गया और गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। हमले में बीजेपी के कई कार्यकर्ता घायल हो गए। मंत्री संजीव बालियान खतौली थाना क्षेत्र के गांव मढरीमपुर में चुनावी जनसभा के लिए प्रधानपति राकेश सिंह के आवास पर पहुंचे थे। मुजफ्फरनगर के बीजेपी जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने बताया कि गांव मढरीमपुर के प्रधानपति राकेश सिंह के आवास पर जनसभा चल रही थी। इसी दौरान बड़ी संख्या में अज्ञात लोग वहां पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। उनसे वहां से जाने को कहा गया, तो उन्होंने गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। साथ ही बाहर खड़ी काफिले की गाड़ियों पर पथराव कर तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान बीजेपी कार्यकर्ता नितिन सोम, छोटू सोम, अभिषेक और भीम सिंह चौहान घायल हो गए। उन्हें मेरठ हायर सेंटर में भर्ती कराया गया है।

वहीं मंत्री संजीव बालियान ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने काफिले पर पथराव किया। इससे काफिले में शामिल 8 से 10 गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। शहर पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि खतौली थाना पुलिस को गांव मढ़करीमपुर में कुछ अज्ञात युवकों द्वारा पथराव की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एएसपी ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। मौके पर शांति-व्यवस्था कायम है।

चालक को झपकी आने से खंभे से टकराया वाहन, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

मुरादाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुरादाबाद में वाहन के पलटने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस अधिकारियों ने घायलों का हाल जाना। कांठ इलाके में सुबह तेज रफ्तार स्कॉर्पियो रेलले क्रासिंग के पास अनियंत्रित होकर खंभे से टकराकर खाई में जा गिरी। जोरदार आवाज आने के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। तब हादसे का पता चला। हरिद्वार हाईवे पर हुए हादसे में तीन महिलाओं समेत चार की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा एक महिला और युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी उत्तराखंड के देहरादून के रहने वाले हैं। वह मुरादाबाद के मुगलपुरा में अपने रिश्तेदार के यहां मिलने आ रहे थे। एसपी ग्रामीण संदीप मीणा ने बताया कि चालक को नींद आने के कारण यह हादसा हुआ है।

हापुड़ का नाजरीन हत्याकांड

सपा नेता ने बेटे पर ही लगाया बीवी की हत्या का आरोप

हापुड़, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में समाजवादी पार्टी के नेता जहीर सलमानी की दूसरी पत्नी नाजरीन की हत्या मामले में नई जानकारी सामने आई है। सपा नेता जहीर सलामनी ने पहली पत्नी के बेटे इमरान और एक अज्ञात पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच की जा रही है। सपा नेता ने पहली पत्नी के बेटे इमरान पर प्रॉपर्टी को लेकर रंजिश रखने का आरोप लगाया। कहा कि उसी के चलते इमरान ने नाजरीन की हत्या की।

फिलहाल, इमरान फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। मामला सामिया गार्डन इलाके का है। यहां नाजरीन का शव घर के अंदर उसके कमरे में मिला था। पहले तो ये भी अफवाह उड़ी थी कि उनकी मौत सीढ़ी से गिरने की वजह से हुई है, लेकिन अस्पताल ले जाने पर गोली लगने की बात सामने आई। पता चला कि नाजरीन को तीन गोलियां मारी गई हैं।

जहीर का आरोप है कि नाजरीन के नाम पर 20 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी थी। जहीर ने ही यह प्रॉपर्टी नाजरीन के नाम की थी। जिसे लेकर इमरान नाराज था। इसीलिए इमरान ने नाजरीन को मार डाला। घटना को लेकर सपा नेता जहीर सलमानी ने बताया कि मैं तो घर से निकल गया था, बैनामा कराने मेरठ चला गया था। बाद में पता चला कि नाजरीन गिर गई है और उसके सिर में चोट लगी है। घर पर काम कर रहे लेबर उसे लेकर अस्पताल गए। यहां आने पर पता चला कि उसे गोली लगी है। उन्होंने कहा कि इमरान ने ही अपनी सौतेली मां को मारा है। मैंने पुलिस में उसके खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया है।

साथ ही एक अज्ञात के खिलाफ भी मामला दर्ज करवाया है। इमरान अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। आपको बता दें कि जहीर सलमानी ने दो शादियां की हैं पहली पत्नी का नाम फातिमा है, जिससे दो बेटे इमरान और रिजवान, दो बेटियां शहाना और इमराना है। वहीं नाजरीन जहीर सलमानी की दूसरी पत्नी थीं जो कि हापुड़ के फूलगढ़ी की रहने वाली थीं और हिंदू थीं। नाजरीन ने लगभग 17 साल पहले हीर सलमानी से शादी करने के बाद धर्म बदल लिया था जो कई वर्षों तक डासना में रही और अब यहां आकर रह रही थीं। नाजरीन से एक बेटा रियान है।

'रामलला को 24 घंटे जगाएंगे क्या', भारी संख्या में अयोध्या पहुंच रहे श्रद्धालु, चंपत राय ने कही ये बात

आगरा, 31 मार्च (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने राम मंदिर में आ रहे श्रद्धालुओं को लेकर बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन एक लाख से लेकर डेढ़ लाख तक श्रद्धालु राम मंदिर में भगवान राम के दर्शन करने के लिए आ रहे हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से श्रद्धालुओं के संख्या में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। होली मिलन के अवसर पर राममंदिर में भारी संख्या में रामभक्त पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि आगामी कुछ दिनों में रामनवमी आने वाली है। ऐसे में अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए अयोध्या और राम मंदिर प्रशासन पूरी तरह तैयार है। चंपत राय ने अपने बयान में कहा कि भारी संख्या में अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गर्मी बड़ी चुनौती रहेगी। रामनवमी के अवसर पर 2 लाख से अधिक श्रद्धालु राममंदिर आएंगे। ये हमारे लिए बड़ी चुनौती होगी। पानी तो हमारे पास मौजूद है लेकिन भोजन की व्यवस्था अब भी एक चुनौती है। राममंदिर में अबतक भगदड़ जैसी कोई भी स्थिति या घटना देखने को नहीं मिली है। हमें उम्मीद है कि भविष्य में भी इस तरह की कोई घटना नहीं होगी। इस बीच चंपत राय ने अयोध्या और राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं से एक अपील भी की है। चंपत राय ने रामभक्तों से अपील करते हुए कहा कि अगर आप अयोध्या या राममंदिर आ रहे हैं तो यात्रा के दौरान अपने ग्रुप के साथ ही रहिए। साथ ही उन्होंने अपील करते हुए कहा कि मैं यहां आने वाले लोगों से भी अनुरोध करता हूं कि वे अपने साथ सत्तू लेकर आएं और उसे खाएं। इससे उन्हें गर्मी से राहत मिलेगी। कई लोगों ने सुझाव दिया कि रामलला के दर्शन के लिए 22 घंटा की व्यवस्था की जाए। लेकिन यह संभव नहीं है। चंपत राय ने कहा कि क्या रामलाल को 24 घंटे जगा कर रखेंगे? बता दें कि राम मंदिर के उद्घाटन के बाद से अयोध्या में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

नितिन गडकरी से तीन गुना अमीर हैं उनकी पत्नी

मुंबई में 2 घर; केंद्रीय मंत्री के पास कुल कितनी संपत्ति

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी ने आने वाले लोकसभा चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को नागपुर लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। नितिन गडकरी नागपुर से ही पिछले दो बार से सांसद चुने जा रहे हैं। नितिन गडकरी ने नागपुर से अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। उनके नामांकन पत्र के अनुसार नितिन गडकरी से ज्यादा अमीर उनकी पत्नी कंचन गडकरी हैं।

नितिन गडकरी और उनके परिवार के पास कुल करीब 28 करोड़ रुपये की संपत्ति है। नितिन गडकरी के नामांकन पत्र के अनुसार 2022-23 में उनकी कुल कमाई 13 लाख 84 हजार रुपये रही। जबकि उनकी पत्नी की सालाना कमाई इसी अवधि में 40 लाख 62 हजार थी। नितिन गडकरी के पास 12,300 रुपये कैश और पत्नी के पास 14,750 रुपये कैश है। चुनावी हलफनामे के अनुसार नितिन गडकरी के 21 बैंक खाते हैं और उसमें 49 लाख 6 हजार रुपये जमा हैं। जबकि नितिन गडकरी की पत्नी कंचन गडकरी के बैंक खातों में 16 लाख 3 हजार रुपये जमा हैं। नितिन गडकरी ने शेयर और म्यूचुअल फंड्स में भी इन्वेस्ट कर रखा है।

उन्होंने इसमें 35 लाख 55 हजार का निवेश कर रखा है जबकि उनकी पत्नी ने 20 लाख 51 हजार रुपये का निवेश कर रखा है। नितिन गडकरी और उनके पत्नी दोनों के ही नाम पर तीन-तीन लग्जरी गाड़ियां हैं। नितिन गडकरी के पास एंबेसडर कार, होंडा और इसुजु डी मैक्स है, तो उनकी पत्नी के नाम पर इनोवा, महिंद्रा और टाटा इंट्रा कार है। नितिन गडकरी गोल्ड के भी शौकीन हैं। उनके पास कुल 486 ग्राम सोने की ज्वेलरी है, जिसकी कीमत करीब 31 लाख 88 हजार रुपये है। तो वहीं उनकी पत्नी कंचन गडकरी के पास 368 ग्राम सोने की ज्वेलरी है और इसकी कीमत करीब 24 लाख 13 हजार रुपये है। नितिन गडकरी के पास सोने की पुश्तैनी ज्वेलरी भी है और इसकी कीमत करीब 31 लाख 10 हजार रुपये है। ऐसे में अगर नितिन गडकरी की चल संपत्ति को देखा जाए तो वह कुल 3 करोड़ 53 लाख रुपये की है। नितिन गडकरी के पास 15.74 एकड़ खेती की जमीन भी है, जिसकी कीमत करीब 1 करोड़ 57 लाख रुपये है।

वहीं उनके परिवार के पास 14,6 एकड़ खेती की जमीन है, जिसकी कीमत 1 करोड़ 79 लख रुपए है नागपुर और मुंबई में मिलाकर नितिन गडकरी के पास कुल 7 घर हैं गडकरी के पास मुंबई में दो इमारतें भी है जिसकी कीमत 4 करोड़ 75 लख रुपए है चुनावी हेल्पलाइन के अनुसार नितिन गडकरी और उनके परिवार के पास कुल 24 करोड़ 49 लख रुपए की अचल संपत्ति है।

जांच करने पहुंची टीम को साढ़े 7 घंटे कराया इंतजार स्कूल की मान्यता रद्द मिली थी शिकायत

श्रीनगर, 31 मार्च (एजेंसियां)। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को जांच में सहयोग न करने पर बडगाम के एक स्कूल की मान्यता रद्द कर दी गई है। स्कूल शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने यह कार्रवाई फाउंडेशन वर्ल्ड स्कूल मम्मत (बडगाम) के खिलाफ की है। स्कूल को 23 नवंबर, 2021 को मान्यता दी गई थी। डीओई की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीईओ) बडगाम ने स्कूल के खिलाफ मिली शिकायतों की जांच के लिए एक समिति गठित की थी। तथ्यात्मक स्थिति का पता लगाने के लिए समिति 24 फरवरी को स्कूल पहुंची तो स्कूल प्रबंधन ने सुबह 10 बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक सीईओ सहित जांच अधिकारियों को स्कूल के बाहर इंतजार कराया।

पप्पू यादव ने फिर बढ़ा दी महागठबंधन की टेंशन

अब कांग्रेस कैसे करेगी लालू से डील? पूर्णिया सीट पर गहमा-गहमी बरकरार

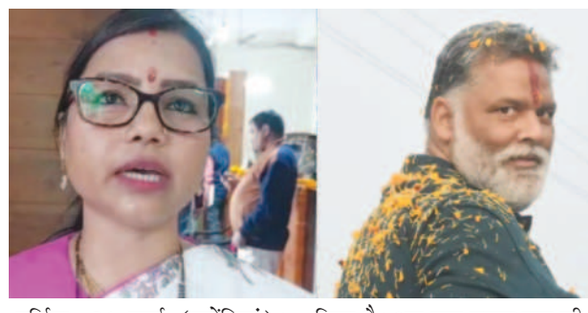

पूर्णिया, 31 मार्च (एजेंसियां)। पूर्णिया संसदीय सीट राजद के हिस्से में जाने के बाद से यहां का सियासी घटनाक्रम तेजी से बदल रहा है। खासकर अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करने वाले पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के रुख पर राजनीतिक पंडितों की भी पैनी नजर लगी हुई है। गुरुवार को चार अप्रैल को नामांकन की घोषणा करने वाले पप्पू यादव ने अब राजद प्रत्याशी से भी पहले नामांकन का निर्णय ले लिया है। अब पप्पू यादव चार की बजाय दो को ही नामजदगी का पर्चा दाखिल करेंगे। राजद प्रत्याशी बीमा भारती ने तीन अप्रैल को नामांकन की घोषणा की है। फिलहाल पप्पू यादव ने नामांकन को लेकर अपनी तैयारी भी शुरु कर दी है। पूर्व सांसद लगातार क्षेत्र भ्रमण भी कर रहे हैं और अपने कार्यालय अर्जुन भवन में नामांकन को प्रभावी बनाने के लिए समर्थकों व कार्यकर्ताओं के साथ लगातार बैठक भी कर रहे हैं। यद्यपि वे कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर मैदान में रहेंगे या फिर निर्दलीय, यह सवाल अब भी फिजा में तैर रहा है। इधर पप्पू यादव का कहना है कि उनकी जिंदगी का अब एक मात्र मकसद कांग्रेस को सतत मजबूत करना व कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है। वे यह भी कहते हैं कि पूर्णिया में भी कांग्रेस का झंडा बुलंद होगा और 26 अप्रैल को ही यहां कांग्रेस का झंडा गड़ जाएगा। केंद्रीय नेतृत्व से लगातार बातचीत चल रही है और वे हर हाल में पूर्णिया से चुनाव लड़ेंगे। फिलहाल झारखंड के पलामू संसदीय क्षेत्र की तरह पूर्णिया में भी इंडी गठबंधन में बड़ा पेंच फंस चुका है। देखना यह है कि क्या कांग्रेस यहां दोस्ताना संघर्ष के लिए राजद को तैयार कर सकती है या फिर पप्पू यादव बिना हाथ के साथ ही मैदान में उतरते हैं।

सीएम नायब सिंह सैनी का हरियाणा की सभी लोकसभा सीटों पर जीत का दावा, कहा- '10 साल में पहली बार'

पंचकूला, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर बीजेपी की जीत का दावा किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्रों के अंदर जा रहा हूं। लोगों का उत्साह-जोश देखते ही बन रहा है। इसका परिणाम पीएम नरेंद्र मोदी की जो नीति है। 10 साल में यह पहली बार है जब गरीब व्यक्ति की चिंता की गई है। देश विकास की ओर तीव्रता से बढ़ रहा है। ये पहली बार है कि देश के अंदर जो समस्याओं और आतंकवाद पर मजबूती से प्रहार हुआ है। 10 सालों देश के बुनियादी ढांचे का तीव्र गति से विकास हुआ है, दुनिया में देश का सम्मान बढ़ा है।

'देश के अंदर काम करने वाली सरकार है'

सीएम नायब सिंह सैनी ने आगे कहा कि ये पहली बार कि इन 10 वर्षों में गरीब व्यक्ति तक योजनाबंद तरीके से लाभ पहुंचाया गया है। यह सरकार महिलाओं, किसानों, युवाओं और गरीबों के लिए लगातार काम कर रही है। ये पहली बार हुआ है कि 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। देश के अंदर काम करने वाली सरकार है। पीएम मोदी के नेतृत्व में लोगों तक सीधे लाभ पहुंचाया जा रहा है। जिसकी चर्चा आम लोग करते है। उसका परिणाम है लोगों में जो उत्साह देखने को मिल रहा है जो देश में देखने को मिल रहा है आने वाले 2024 के चुनाव के अंदर हरियाणा में 10 की दस लोकसभा सीटों पर बीजेपी की बड़े मार्जन के साथ जीत होगी और नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में हरियाणा अहम भूमिका निभाएगा।

पंचकूला में रक्तदान शिविर में पहुंचे ये सीएम सैनी

आपको बता दें कि सीएम नायब सिंह सैनी पंचकूला के सेक्टर-16 में स्थित अग्रवाल भवन में स्वर्गीय अश्विनी गुप्ता की पुण्य तिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कि रक्तदान एक महान दान है। किसी का जीवन बचाने का काम आता है। इसके साथ ही उन्होंने लोकसभा चुनाव चुनाव में बीजेपी की जीत का दावा किया।

कौन हैं दिनेश सिंह बब्बू? जिन्हें भाजपा ने सनी देओल की जगह दिया लोकसभा का टिकट

सुजानपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 का आगाज हो चुका है। सभी राजनीतिक दल विभिन्न क्षेत्रों के लिए अपने-अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर रही है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी ने शाम अपने नए उम्मीदवारों का ऐलान किया है। भाजपा ने अपनी 8वीं लिस्ट में कुल 11 उम्मीदवारों का ऐलान किया है। इस लिस्ट में पंजाब की गुरदासपुर लोकसभा सीट पर सनी देओल की जगह दिनेश सिंह बब्बू को टिकट दिया है। टिकट मिलने के बाद से ही बब्बू का नाम चर्चा में है। आइए जानते हैं उनके बारे में कुछ खास बातें। भाजपा नेता दिनेश सिंह बब्बू पंजाब के सुजानपुर सीट से 3 बार विधायक रह चुके हैं। वह साल 2012 में पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर भी रह चुके हैं। बब्बू ने साल 2007, 2012 और 2017 यानी लगातार तीन बार विधानसभा का चुनाव जीता। हालांकि, साल 2022 में वह कांग्रेस के उम्मीदवार नरेश पुरी से सुजानपुर सीट हार गए। इसके बाद अब भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए उनपर भरोसा जताया है।

दिनेश सिंह बब्बू की शिक्षा की बात करें तो वह अंडर ग्रेजुएट हैं और उनकी उम्र 62 वर्ष है। वह मूल रूप से पठानकोट के भंगोल गांव के रहने वाले हैं। आपको बता दें कि दिनेश सिंह बब्बू ने भारतीय जनता पार्टी में एक कार्यकर्ता के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। वह पार्टी की ओर से जिला स्तर के विभिन्न राजनीतिक पदों पर रहे हैं।

चुनावी बॉण्ड को लेकर उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर साधा निशाना, बोले असली चेहरा लोगों के सामने आ गया

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने चुनावी बॉण्ड मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए उसे भ्रष्ट जनता पार्टी बताया और कहा कि उसका असली चेहरा लोगों के सामने आ गया है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा के मोदी का परिवार अभियान को लेकर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह परिवार का मतलब नहीं समझते, क्योंकि उसके लिए परिवार की जिम्मेदारी लेनी पड़ती है। ठाकरे ने कहा, जब कोरोनावायरस कोविड-19 महामारी के दौरान मैं मुख्यमंत्री था तो मैंने संकल्प लिया था कि मेरा परिवार, मेरी जिम्मेदारी है। आपके परिवार में केवल आप और आपकी कुर्सी है। भाजपा के पास अब कोई असली मुद्दा नहीं : शिवसेना (यूबीटी) नेता ने दावा किया कि भाजपा के पास अब कोई असली मुद्दा नहीं है क्योंकि चुनावी बॉण्ड की जानकारियां सामने आने से उसका नकाब उतर गया है। वह विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) की लोकतंत्र बचाओ रैली में भाग लेने दिल्ली आए हैं। भाजपा सबसे भ्रष्ट पार्टी : उन्होंने कहा, यह सामने आ चुका है कि भाजपा सबसे भ्रष्ट पार्टी है। वह भ्रष्ट जनता पार्टी है। उनका असली चेहरा जनता के सामने आ गया है। ठाकरे ने उन लोगों का अपनी पार्टी में स्वागत करने के लिए भी भाजपा पर प्रहार किया, जिनके खिलाफ उसने पहले गंभीर आरोप लगाए थे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भाजपा अलग थी : उन्होंने पूछा, प्रफुल्ल पटेल के खिलाफ किसने आरोप लगाए थे? आदर्श (घोटाले) के बारे में किसने आरोप लगाए थे? जनार्दन रेड्डी और नवीन जिंदल के खिलाफ किसने आरोप लगाए थे? ठाकरे ने यह भी कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भाजपा अलग थी और वह सिद्धांतों पर चलती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अब भाजपा भ्रष्ट लोगों के साथ है। संविधान और लोकतंत्र को बचाना है : लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने की पृष्ठभूमि में इंडिया गठबंधन की रविवार को रामलीला मैदान में होने वाली लोकतंत्र बचाओ रैली को ताकत और विपक्षी एकता का प्रदर्शन करने के तौर पर देखा जा रहा है।

'पैसों की लगा दूं ढेरी', नोटों की गड्डी बेड पर बिछा बनाई रील; होमगार्ड जवान के खिलाफ जांच शुरू

उज्जैन, 31 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक होमगार्ड के जवान को बेड पर नोटों की गड्डी बिछा कर रील बनाना भारी पड़ गया। इस जवान ने अपने बिस्तर पर 200 और 500 रुपये की गड्डी सजाई थी और बैकग्राउंड में सॉन्ग बज रहा था, 'क्या होता है पैसे का, पैसे की लगा दूं ढेरी।' अब इस रील के वायरल होने के बाद पुलिस ऐक्शन के मूड में आ गई है। उज्जैन पुलिस अधीक्षक ने इस रील का संज्ञान लेते हुए इस पर जांच के आदेश दे दिए हैं। बताया जा रहा है कि रील बनाने वाले उज्जैन के होमगार्ड जवाब रवि शर्मा हैं, जिन्होंने नोटों की गड्डियों को सजाकर रील तैयार की थी। रवि शर्मा ने उसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया था। रील वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन ने इस पर संज्ञान लिया। उज्जैन जिले में होमगार्ड के पद पर पदस्थ जवान रवि शर्मा ने 500 और 200 रुपये की नोटों की गड्डी बिस्तर पर सजाकर रील बनाई और उसमें एक गाना भी डाला। इसका वीडियो फेसबुक पर शेयर किया गया था। वीडियो सोशल मीडिया जमकर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि होमगार्ड रवि ने कुछ दिन पहले अपना मकान बेचा था। यह उसी की रकम है, जिसे सैनिक ने बिस्तर पर सजाकर वीडियो बनाया है। डिस्ट्रिक्ट होमगार्ड कमांडेंट संतोष जाट ने बताया कि होमगार्ड सैनिक रवि से इन रुपयों की जानकारी ली गई है। उसने बताया है कि मकान बेचने पर उसे रुपए मिले थे, जो वीडियो में नजर आ रहे हैं।

उसने बैंक का डिटेल भी उपलब्ध कराया है। फिलहाल एसपी के आदेश पर इसकी जांच पड़ताल की जा रही है। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने मामले में एडिशनल एसपी को जांच के आदेश दिए हैं। एसपी ने बताया कि संबंधित होमगार्ड सैनिक के रुपयों का सोर्स क्या है? इसकी जांच की जाएगी, अगर रुपयों का कोई अवैध सोर्स पाया गया तो राशि जब्त कर कार्रवाई की जाएगी।

बारामती में इस बार आसान नहीं होगी सुप्रिया सुले की राह, अब भाभी से ही मिल रही चुनौती

बारामती, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजनीति में कई बार अपनों के बीच ही मुकाबला होता है। सत्ता हासिल करने के लिए परिवार के लोग ही अपनों के खिलाफ हो जाते हैं। कभी बाप बेटे तो कभी पति पत्नी एक दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान में नजर आते हैं। महाराष्ट्र की सियासत में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिलने वाला है। यहां चुनावी मुकाबला ननद और भाभी के साथ ही दो ऐसे परिवारों के बीच होने जा रहा है जो कुछ समय पहले एक ही थे। महाराष्ट्र की बारामती सीट पिछले कुछ समय से काफी सुर्खियों में छाई रही है। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले यहां से सांसद हैं। वहीं इस बार होने वाले लोकसभा चुनाव में सुप्रिया का मुकाबला अपनी भाभी सुनेत्रा पवार से होने जा रहा है। अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने बारामती सीट से सुनेत्रा पवार को उम्मीदवार बनाया है। सुनेत्रा अजित पवार की पत्नी हैं तो वहीं अजित पवार मौजूदा सांसद सुप्रिया सुले के चचेरे भाई हैं। ऐसे में अब सुनेत्रा चचेरी बहन और शरद पवार की बेटी सुप्रिया के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी।

55 सालों से पवार परिवार का गढ़

बात करें बारामती लोकसभा क्षेत्र की तो यह क्षेत्र पिछले 55 सालों से पवार परिवार का गढ़ रहा है। 1967 में पहली बार शरद पवार ने बारामती से महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव जीता था। इसके बाद जीत का सिलसिला आगे भी जारी रहा। शरद पवार ने साल 1972, 1978, 1980, 1985 और 1990 के विधानसभा चुनावों में यहां से शानदार सीट रही। यही वजह है कि इस क्षेत्र से पवार परिवार का खास रिश्ता बन गया है।

2009 से सुप्रिया कर रहीं नेतृत्व

पिता के इस रिश्ते को बेटी सुप्रिया सुले ने आगे बढ़ाया। सुप्रिया ने 2009 से इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। जिसके बाद वो लगातार यहां से जीत दर्ज कर रही हैं। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में सुप्रिया ने आरएसपी के उम्मीदवार महादेव जगन्नाथ जानकर को शिकस्त दी थी। इस चुनाव में सुप्रिया ने 5 लाख 21 हजार 562 वोट हासिल किए थे। वहीं साल 2019 के लोकसभा चुनाव में सुप्रिया ने बीजेपी उम्मीदवार कंचन राहुल कूल को हराया था। सुप्रिया ने कंचन को 1 लाख 55 हजार 774 वोटों से मात दी थी।

चौथी बार चुनावी मैदान में सुप्रिया

इस बार सुप्रिया सुले चौथी बार बारामती से चुनावी मैदान में उतरी हैं। लेकिन इस बार उन्हें किसी और से नहीं बल्कि अपने ही परिवार से चुनौती मिली है। ऐसे में इस बार का चुनाव सुप्रिया के लिए आसान नहीं होगा। हालांकि शरद पवार क्षेत्र की जनता से सालों पुराने रिश्तों की दुहाई देकर बेटी को जिताने की अपील कर रहे हैं।

तो वहीं अजित पवार पीएम मोदी के सहारे मैदान में जीत दर्ज कर क्षेत्र में अपना कब्जा जमाने की फिराक में हैं। बारामती की जनता के लिए भी ये चुनाव सुप्रिया और सुनेत्रा की तरह किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं है। बारामती पवार परिवार का गढ़ रहा है। जो इस बार परिवार के बीच होने वाले चुनावी मुकाबले का गवाह बनने जा रहा है। ऐसे में यहां के लोगों के लिए परिवार के दो सदस्यों में से किसी एक को चुनना एक बड़ी चुनौती है।

कमलनाथ के गढ़ में फिर टूटेगी कांग्रेस

सात दिन में आज दूसरी बार छिंदवाड़ा पहुंचेंगे सीएम मोहन यादव

भोपाल, 31 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव पूरी तरह से चुनावी मोड में हैं। बीजेपी प्रत्याशियों के नामांकन जमा करवाने के साथ ही अब वह प्रचार-प्रसार में भी जुट गए हैं। इसी कड़ी में (1 अप्रैल) को सीएम मोहन यादव पूर्व सीएम कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा जाएंगे। इस दौरान सीएम आधा दर्जन से ज्यादा जगहों पर जनसभा और रोड शो करेंगे। बता दें कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा में जहां कांग्रेस ने वर्तमान सांसद नकुलनाथ को ही अपना प्रत्याशी बनाया है, तो बीजेपी ने विवेक बंटी साहू पर विश्वास जताया है। छिंदवाड़ा सीट को बीजेपी ने अपनी साख का सवाल बना लिया है। यही कारण है कि पूरी बीजेपी छिंदवाड़ा संसदीय सीट पर सबसे ज्यादा फोकस कर रही है। इसके लिए बीजेपी सबसे ज्यादा कमलनाथ के गढ़ में ही सेंध लगाकर कांग्रेस नेताओं को बीजेपी की सदस्यता दिला रही है।

सीएम यहां करेंगे आमसभा

दो दिन पहले छिंदवाड़ा से कांग्रेस विधायक ने इस्तीफा देकर बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की, तो वहीं सीएम मोहन यादव भी हफ्ते में दूसरी बार छिंदवाड़ा के दौरे पर जा रहे हैं। सीएम मोहन यादव कल यानी एक अप्रैल को छिंदवाड़ा जिले में रहेंगे। वह यहां लोकसभा चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के लिए दमुआ, जामई, परासिया, छिंदवाड़ा शहपुरा और चौरई में आमसभा करेंगे और रोड शो में भी शामिल होंगे।

क्या कल भी कांग्रेस नेता बीजेपी में शामिल होंगे?

वहीं मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव के आगमन को लेकर छिंदवाड़ा बीजेपी कार्यकर्ताओं ने तैयारियां शुरू कर दी है। बता दें राजनीति में इन दिनों दल बदल का मौसम चल रहा है। इस दलबदल की राजनीति में सबसे ज्यादा नुकसान मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को ही उठाना पड़ रहा है। लगभग हर दिन कोई ना कोई कांग्रेसी नेता कांग्रेस को छोड़कर बीजेपी की सदस्यता ले रहा है। अब ऐसे में कल मुख्यमंत्री मोहन यादव का छिंदवाड़ा दौरा है, तो चर्चा है कि कल भी कांग्रेस के बड़े नेता सीएम के समक्ष बीजेपी की सदस्यता ले सकते हैं।

कांग्रेस के खाते में मात्र एक सीट

2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की 29 सीटों में से 28 पर जीत दर्ज की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर होने के बावजूद छिंदवाड़ा सीट पर बीजेपी अपनी जीत दर्ज नहीं कर सकी थी। पूर्व सीएम कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ ने यहां बीजेपी प्रत्याशी को हरा दिया था। इस बार भी कांग्रेस ने नकुलनाथ पर ही विश्वास जताया है, जबकि बीजेपी ने विवेक बंटी साहू को अपना उम्मीदवार बनाया है। बता दें हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में विवेक बंटी साहू कमलनाथ से चुनाव हार चुके हैं।

मालिक को खुद से भी ज्यादा था भरोसा, कामगार ने करोड़ों का सोना किया पार; पुलिस ने ऐसे किया खुलासा

ठाणे, 31 मार्च (एजेंसियां)। शहर के नौपाड़ा परिसर में एक ज्वैलरी शॉप पर काम कर रहा कामगार ही शातिर चोर निकला। दुकान मालिक ने जब मामले की शिकायत पुलिस से की तब जाकर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़ित दुकान मालिक सुरेश पारसमल जैन (59) की ठाणे में राजवंत ज्वैलरी नाम से एक दुकान है। उनकी ज्वैलरी शॉप में करोड़ों के सोने चोरी हो गए। इसके बाद उन्होंने नौपाड़ा पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने कहा कि मेरी दुकान राजवंत ज्वैलरी शॉप से 1 करोड़ 5 लांख रूपये का सोना चोरी हो गया है। दुकान मालिक सुरेश पारसमल जैन ने बताया कि ज्वैलरी शॉप पर काम करने वाले कामगार ने बिना बताए करीब 1599.470 ग्राम सोना लेकर फरार हो गया। मामले की शिकायत मिलने के

बाद नौपाड़ा पुलिस अपने माध्यम से छानबीन में जुट गई। इसी बीच आरोपी राहुल मेहता लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। कभी वह मुंबई तो कभी इंदौर तो कभी गुजरात जा रहा था। उसकी लोकशन अलग-अलग राज्यों में ट्रेस होती थी, लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं लग रहा था। इसके बाद नौपाड़ा पुलिस ने आरोपी के परिवार वालों पर भी नजर रखना शुरू कर दिया। इसी क्रम में 26 मार्च को आरोपी राहुल मेहता यहां अपनी एक दोस्त से मिलने के लिए मीरा रोड आया। तभी नौपाड़ा पुलिस ने मीरा रोड पुलिस की मदद से राहुल मेहता को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद नौपाड़ा पुलिस ने आरोपी से कड़ी पूछताछ की। पुलिस की पूछताछ में आरोपी राहुल मेहता ने बताया कि पिछले 3 महीने से वह लगातार ज्वैलरी शॉप पर काम करते हुए नजर रखता था कि किस तरीके से करोड़ों का सोना चुरा कर फरार हो सकता है। बता दें कि दुकान मालिक सुरेश पारसमल जैन आरोपी राहुल मेहता पर आंख बंद करके भरोसा करता था। यहां तक कि उसने आरोपी को ज्वैलरी शॉप के लॉकर रूम की चाबी भी दे दिया था। राहुल मेहता ज्वैलरी शॉप के सभी सोने को खुद रखता था और उनकी देखभाल भी खुद ही करता था। मौके के फायदा उठाकर उसने करोड़ों के सोने को पार कर दिया था।

मध्यप्रदेश से अवैध हथियारों की तस्करी के बड़े गिरोह का भंडाफोड़, 9 पिस्तौल के साथ 4 आरोपी पकड़े

चंडीगढ़, 31 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस को मध्यप्रदेश से अवैध हथियारों की तस्करी के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करने में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चार आरोपियों से नौ अवैध पिस्तौल बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि अपराध और अवैध हथियार तस्करी नेटवर्क में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पुलिस का कहना है कि आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 1 अप्रैल - 2024

खुदकुशी करते विद्यार्थी

राजस्थान का कोटा शहर जहां अपनी खूबसूरती के लिए विख्यात है तो वहीं कोचिंग सेंटर के हब के रूप में भी। लेकिन बीते कुछ सालों से इन्हीं कोचिंग सेंटरों में प्रतियोगी छात्र-छात्राओं पर साप्ताहिक परीक्षणों का इतना दबाव बन गया है कि वे उसे झेल नहीं पा रहे हैं। नतीजतन आए दिन वहां आत्महत्याएं हो रही हैं। यह सब तब हो रहा है जब पिछले वर्ष ही राज्य सरकार ने कोटा में चल रहे कोचिंग संस्थानों को निर्देश दिया था कि वे साप्ताहिक परीक्षणों में कड़ाई न बरतें। तमाम सरकारी व सामाजिक कोशिशों के बावजूद अगर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की खुदकुशी का सिलसिला थम नहीं पा रहा है, तो इस पर समन्वित रूप से विचार-विमर्श किए जाने की जरूरत है। अक्सर ऐसी ज्यादातर घटनाएं राजस्थान के कोटा शहर से ही दर्ज होती हैं। बीते हफ्ते ही राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट की तैयारी कर रही एक उन्नीस साल की छात्रा ने खुदकुशी कर ली। उससे एक दिन पहले एक अन्य छात्र ने आत्महत्या कर ली थी। पिछले तीन महीने में इस तरह सात विद्यार्थी अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके बाद भी स्थानीय प्रशासन व शासन के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। आत्महत्या के बढ़ते मामलों के मद्देनजर पिछले वर्ष राज्य सरकार ने कोचिंग संस्थानों को निर्देश दिया था कि वे साप्ताहिक परीक्षणों में कड़ाई न करें।

पिछले वर्ष कोटा में छब्बीस छात्रों ने खुदकुशी कर ली थी। इन तमाम मामलों के अध्ययन से जाहिर है कि विद्यार्थी पढ़ाई के दबाव और अभिभावकों की अपेक्षाओं पर खरे न उतर पाने के भय से फंदे पर लटक रहे हैं। कोचिंग देने वाले संस्थानों के पढ़ाने-लिखाने के तरीके से भी उनमें अतिरिक्त दबाव महसूस होता है। युवाओं में विफलता के भय, आत्मविश्वास की कमी आदि को लेकर बहुत बातें होती रही हैं। इसमें अभिभावकों की महत्त्वाकांक्षा और सफलता के सपने वगैरह को लेकर भी अनेक मनोसामाजिक विश्लेषण हो चुके हैं। फिर भी बच्चों में इस समस्या से पार पाने का कोई व्यावहारिक रास्ता नहीं निकल पा रहा है, तो यह सवाल स्वाभाविक है कि आखिर कमी कहीं न कहीं जरूर है। यह ठीक है कि जनसंख्या अधिक और अवसर कम होने के कारण प्रतियोगिताएं दिन पर दिन कठिन होती जा रही है, मगर शिक्षा का ऐसा तरीका क्यों नहीं विकसित किया जा सका है, जो विद्यार्थियों को सहज और सामान्य ढंग से पढ़ाई का वातावरण दे सके। इसमें जितने जिम्मेदार अभिभावक हैं, उससे कम उन कोचिंग संस्थानों को नहीं माना जाना चाहिए।

फिर, कोटा में ही ऐसी मौतें सबसे ज्यादा क्यों हो रही हैं, इसका भी पता लगाया जाना और उन वजहों को खत्म करने का प्रयास होना चाहिए। आखिर कोचिंग हब तो हैदराबाद, कानपुर,नई दिल्ली का मुकर्जीनगर जैसी जगहें भी तो हैं लेकिन वहां तो आत्महत्या जैसी बातें सामने नहीं आती। आखिर ऐसी शिक्षा का भला किस काम की जो विद्यार्थी को आत्मविश्वास से भरने के बजाय उसे आत्महंता बनाए जा रही है। अब समय आ गया है कि इस पर गहनता से विचार किया जाए।

राग दरबारी

नंदन पंडित

घटना घटी है। महत्त्वपूर्ण घटना घटी है। जब से 'बाबूजी' ने साम, दाम, दंड, भेद से हथियाए यौवन को टपकाती पुरानी नटी को देखकर दुबारा पलटी मारी है, नुक्कड़-नुक्कड़, चौराहे-चौराहे, होटल, ढाबे, हर जगह सियार हुँहुँहा रहे हैं। देश से एक झटके में गरीबी मिट गई है। डायन मँहगाई का लंकिनी की भाँति विवेक जग गया है और अब वह कृपालु-मना बारम्बार जेब से हाथ जोड़कर पूछ रही है कि प्रभू, मैं कहीं आप पर भारी तो नहीं पड़ रही? रोजगार युवाओं के पैर पकड़कर चिरौरी कर रहा है कि हे दीनदयाल! हमें अपने पावन शरण में ले लो, हमें अपनी जेब की छत्रछाया दे दो। हम दो जून में एक बार बासी खाकर भी आपके साथ हँसी-खुशी रह लेंगे। परन्तु हम पर कृपा कर दो दीनबंधु!

देश का चरित्र इतना ऊँचा हो गया है कि लड़कियाँ अकेली रात के बारह बजे सुरक्षित घर चली आ रही हैं। व्याभिचार इतना साधु-मना हो गया है कि वह स्त्री-जाति की परछाईं से भी चार कोस दूर भाग खड़ा होता है और यदि कहीं भूलवश किसी महिला से उसका साबका पड़ भी जाए तो वह उसका पाँव पूज लेता है। चीन और पाकिस्तान तो भारत में घुसना क्या, वे अपने घरों में भी डर-डरकर घुसते हैं। आतंकवादी बम क्या, एक गुब्बारा भी सौ बार भारत से पूछकर फोड़ते हैं। खाँसने से लेकर छींकने और सोचने से लेकर सोने तक बस एक ही चर्चा, एक ही विचार! इसरो से लेकर खुसरो तक और नेचुरल से लेकर सेकुलर तक सारे हेडलाइटों (मस्तिष्कों) और सेटेलाइटों के रडार समदृष्टा हो गए हैं। सारा भारत कुम्भमय हो गया है। सबके सोच-आकाश में बस एक ही ध्वज लहरा रहा है।

हंस हतप्रभ हैं- नीर-क्षीर की महीन पहचान रखने वाला उनका विवेक पहले से अनुमान क्यों नहीं लगा पाया? कहीं वह कुंद तो नहीं पड़ गया? ए॰ आई॰ (आर्टिफिशल इंटेलीजेंस) उनका विवेकाधीन विशेषाधिकार कहीं छीन तो नहीं रहा? कौवे झौं-झँवा रहे हैं- सबसे पहले रोटी का यह टुकड़ा (ब्रेकिंग न्यूज) उन्होंने देखा। लिहाजा सबसे बड़े तीसमार खाँ, सबसे बड़े गिद्ध वे हैं।

स्वयं अवसर पाने में असफल रही लोमड़ी विधवा-विलाप कर रही है। -राजनीति किस दिशा में जा रही है? -लोकतंत्र खतरे में है!-माँ की गर्भ में आने से पूर्व ही माँ-बाप के राजनीतिक विरासत पर कुंडली मारकर बैठने वाले अपने वंश-बीज को हम कौन सा मुँह दिखलाएँगे? कि सामने से उलूक हड्डी उड़ा ले गया और वे बाज की आँख लेकर देखते रहे? निर्वतमान पति, पत्नी के तलाक देकर पराए मर्द के साथ चले जाने से उद्विग्न है। चौबीस घंटे गोड़ में मेहावर लगाकर घूमने वाली ननद भौजाई की इस नई आशनाई से सन्न-मसन्न है। बात-बात पर दोस्तों पर हैसियत का रोब झाड़ने वाले देवर को साँप सूँघ गया है।

धामिन प्रसन्न हैं- उनके कुनबे में बढ़ोत्तरी हो रही है। पलक झपकते प्राणिमात्र को अपने फंदे में ले लेने वाला उनका धर्म दूसरे धर्मों में भी फूलने-फलने लगा है। उनके उत्तराधिकारी अपनी पलटने की वंश परम्परा को अर्श पर ले जा रहे हैं। गिरगिट खुश हैं- रंग बदलना अब अपमान नहीं सम्मान की बात है। इससे अब शर्मसार होकर झुकने का नहीं तनने का दौर है। पल-पल रंग बदलना अब ताकत का पर्याय है। सूकर उल्लासित हैं। उसकी आँखों में सुअर का बाल उग आया है, सुन-सुनकर वाराह अपने अस्तित्व पर शर्मिन्दा हो रहे थे, आज वे अपमान की सारी पराकाष्ठा पारकर अनायास ही सम्मान के सिंहासन पर विराजित कर दिए गए हैं। जितनी लोग उतनी बातें। सबका अपना रोना, सबका अपना हँसना। किन्तुकिन्तु इन सबसे परे 'बाबूजी' एकलौन हुए सुहाग सेज पर तथाकथित नई नवेली दुल्हन (कुछ काल पहले की बेवफा प्रेमिका) की साड़ी (फरमाइशों की लिस्ट) पलट रहे हैं।

पानी बचाएं और जल संसाधनों की रक्षा करें

डॉ. नाज परवीन

जल ही जीवन है! बचपन में सबसे ज्यादा निबंध जिन विषयों पर लिखने को मिलता, वह विषय था ''जल ही जीवन है''हमने उसे पढ़ा भी और पेज भर-भर लिखा भी तब लगता था बड़े होने पर इस निबंध से आगे निकल जल की समस्या का समाधान हो जाएगा। निबंध लिखते गए और हमारी पीढ़ी बड़ी हो गई लेकिन जल पर लिखा निबंध जल की समस्या का कोई हल न निकाल सका। आज से करीब 20 वर्ष पूर्व पानी की समस्या से दो-चार होने से लेकर एक बाल्टी पानी की कीमत के बारे में व्यक्तिगत तौर पर काफी संघर्ष का अनुभव रहा।

गर्मियों में बुंदेलखंड के ज्यादातर इलाकों पर पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर लेती है। ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों पर पानी की पहुंच न के बराबर रहती थी। अक्सर रातों को जाग-जाग कर पानी का इंतजार करना होता था। गांव और दूरदराज के इलाकों पर पानी के लिए बिछाई गई पाइप लाइन को जमीन में ही खोल कर गड्ढों से पानी भरते हुए लोगों का आधा समय व्यतीत होता था।

कभी-कभी पानी के लिए शुरू हुई छोटी-मोटी नोकझोंक कोर्ट- कचहरी तक पहुंच जाती थी। लेकिन पानी पर चर्चाएं बंद न होती थी। हालांकि, बहुत से इलाकों पर पानी की पहुंच आज भी मौजूद नहीं है। लेकिन अब जब उन इलाकों पर जाना होता है तो अक्सर पानी की पहले जैसी समस्या नहीं नजर आती ऐसा लगता है।

पानी की कमी पूरी हो गई है। क्योंकि पहले पानी की कीमत का ज्ञान गांव के हर बड़े बुर्जुग से मिलता ही रहता था। बूंद-बूंद पानी हिसाब लेता है! पानी की बर्बादी पाप समझने वाले वो चन्द अनपढ़ बूढ़े बुर्जुग अब समाप्त हो चुके हैं और ऐसा लगता है जैसे पानी की चिंता भी अपने साथ ही ले जा चुके हों क्योंकि अब उन ऊंचाइयों वाले स्थानों पर पानी को धरती की सतह से घसीट कर हर घर में निकाला जा चुका है।

अब जब गर्मी के मौसम में गांव जाना होता है तो पानी की चिंता में डूबा हुआ समाज नहीं दिखाई देता, बल्कि पानी को निकालने के लिए छोटी पाइपों की जगह मोटे बोरिंग के पाइप, बिना बाल्टी के नहाते बच्चे, लोगों को बेतहाशा पानी बर्बाद करते देख लगता है। हमने आने वाली पीढ़ियों की चिंता छोड़ दी है और पानी की कीमत निबन्धों तक सिमट कर रह गई है।

हमको कदम-कदम पर पानी का मूल्य बताने वाली पीढ़ी अब विलुप्त हो चुकी है। हम सरकार से सवाल तो करते हैं लेकिन स्वयं को हर सवाल से मुक्त रखते हैं। आंकड़ों की सुने तो 2100 की सदी में 75 प्रतिशत तक ग्लेशियर पिघल जाएगें। उन्हें बचाने की मुहिम कृत्रिम ग्लेशियर बनाने तक की चिंता तक बढ़ चुकी है।

ऐसा लगता है हमसे पहले वाली पीढ़ियों में जलवायु परिवर्तन की आहट को बरसों पहले महसूस कर लिया था इसीलिए बूंद-बूंद पानी बचाने की उनकी मुहिम हमारे लिए आज तक पीने के पानी को बनाए हुए है। हम पढे-लिखे समझदार डिग्री धारकों ने तो पाताल को भी पानी उगलने के लिए मजबूर कर दिया। अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए ये कैसी दुनिया छोड़कर जा रहे हैं हम जहां हवा-पानी जैसी प्रकृतिक चीजों के लिए जंग जैसे हालात पैदा होने की पूरी-पूरी संभावना है।

जल संरक्षण और जल प्रबंधन की जिम्मेदारी केवल सरकार करे, अब यह समय बीत चुका है। इससे पहले युद्ध जैसे हालात बने, पानी को तिजोरियों में कैद करना पडे, समाज को युद्ध स्तर पर प्रयास की दरकार है। क्योंकि आंकड़ों की जुबानी दस्तक बार-बार दी जा रही है। प्रकृति ने करवट बदलना शुरू कर दिया है। अब जल ही जीवन पर लिखने वाले निबंधों से बात नहीं बनने वाली। बदलाव जमीनी स्तर पर होना चाहिए।

भारत वैश्विक जल गुणवत्ता सूचकांक पर 122 देशों में से 120वें स्थान पर आ चुका है। जो सचेत कर रहा है कि दिल्ली ज्यादा दूर नहीं है। पानी मानव अस्तित्व को बनाए रखने में एक प्रमुख संसाधन के तौर पर है। जो ग्रामीण एवं शहरी समुदायों में स्वच्छता के साथ-साथ खेती में, उद्योगों में, तमाम तरह के उत्पादन की प्रक्रिया में आवश्यक है। यह कहना गलत नहीं होगा कि हम गंभीर संकट के मुहाने पर मौजूद हैं जहां नदियां गंदे नाले में बदलने लगी हैं। भू-जल संकट कई नए समस्याओं को न्योता दे रहा है।

मौजूदा समय की बात करें तो भारत में जल उपलब्धता व उपयोग के आंकड़ों की माने तो भारत में वैश्विक ताजे जल का स्त्रोत का मात्र 4 प्रतिशत ही मौजूद है जिससे वैश्विक जनसंख्या के 18 प्रतिशत हिस्से को जल उपलब्ध कराना होता है। नीति आयोग ने वर्ष 2018 में कम्पोजिट वाटर मैनेजमेंट इंडेक्स रिर्पाट में बताया था कि देश में लगभग 21 प्रमुख शहर जिनमें दिल्ली, बंगलुरू, चेन्नई , हैदराबाद भी शामिल थे वर्ष 2020 तक शून्य भूजल स्तर तक पहुंच जाऐंगे साथ ही इसके कारण लगभग 100 मिलियन लोग प्रभावित होंगे।

अभी हाल ही में बेगलुरू से आने वाली खबरें जल संकट के इन्ही खतरों का संकेत दे रहीं हैं। जो आने वाले समय में पूरे भारत के लिए खतरा बनने को तैयार है। इस रिपोर्ट की माने तो वर्ष 2030 तक भारत में जल की मांग उसकी पूर्ति से दोगुनी होने वाली है।

आंकडों के लिहाज से तो भारत की शहरी क्षेत्रों में 970 लाख लोगों के पास पीने के लिए साफ पानी पर्याप्त नही हैं। जबकि देश के ग्रामीण इलाकों में लगभग 70 प्रतिशत लोग दूषित पानी पीने के लिए और 33 करोड़ लोग सूखे वाली जगहों पर रहने के लिए मजबूर हैं। भारत का लगभग 70 प्रतिशत जल प्रदूषित है, जिसका प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य सीधे तौर पर देखा जा सकता है।

ऐसा आभास होना कोई अतिश्योक्ति नहीं है कि हमारी पुरानी पीढियों में शिक्षा भले ही कम थी लेकिन प्रकृति की समझ बहुत थी जो पानी के आने वाले संकट को बहुत पहले ही भाप जाने के कारण अपने दैनिक जीवन के भी ज्यादातर कामों को कम से कम पानी का उपयोग करके पूरा कर लेते थे। वो जल ही जीवन है विषय पर निबंध लिखना नहीं जानते थे लेकिन जल बचाना जानते थे।

ज्ञान से ही लोक, परलोक आलोकित

संजीव ठाकुर

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है।

जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि 'पाप से घृणा करो पापी से नहीं' फल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना कि' ईश्वर इन्हें माफ कर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैं'।

इस तरह उन्होंने मानवता के सामने अपने प्रेम को ज्ञान का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया हुआ अत्यंत दुर्लभ है आज संपूर्ण विश्व में प्रभु यीशु के अनुयायियों की संख्या सर्वाधिक है। भगवान श्रीराम ने प्रेम में वशीभूत होकर ही शबरी के जूठे बेर भी खा लिए थे, जबकि श्री राम सर्वाधिक ज्ञान में आदर्श मनुष्य थे।

एक अच्छे और सार्थक जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान दोनों का संबंध एवं समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं। अकेला ज्ञान तथा अकेला प्रेम सदैव सार्थक नहीं हो सकता है।

रावण ज्ञानी पुरुष था किंतु विध्वंस कारी भी था उसने प्रेम के अभाव में सिर्फ ज्ञान के चलते अपने कुल को नष्ट करवा दिया था। प्रेम तथा ज्ञान के सदुपयोग से अच्छे जीवन का पथ प्रदर्शन भी किया जा सकता है। इससे हम केवल परिवार व्यक्ति या समाज ही नहीं बल्कि राष्ट्र के स्तर पर भी आत्मसात कर राष्ट्र को वैश्विक महानता की ओर ले जा सकते हैं। वर्तमान में हम संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सामाजिक जीवन को सफलतापूर्वक संचालित करने में सक्षम है। आज हमारे सामने पर्यावरण संतुलन वैश्विक अपन गरीबी जैसी अनेक समस्याएं मौजूद हैं।

हम सभी मूक प्राणियों वनस्पति आदि के प्रति ज्ञान का उपयोग दिखाकर उनके साथ प्रेम पूर्वक व्यवहार कर समस्या का समाधान कर सकते हैं। आधुनिक तकनीक से अर्जित ज्ञान के उपयोग इनके संरक्षण में करने में हम सक्षम भी हैं। अतः प्राचीन काल से मान्यता रही है कि सार्थक, सफल, एवं प्रेरणादाई जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान का समन्वय कारी सदुपयोग एक आवश्यक तत्व है, इसके अभाव में जीवन कितना सार्थक सफल और मार्गदर्शी नहीं हो सकता है।

मूर्ख दिवस का दिलचस्प इतिहास

- योगेश कुमार गोयल

'मूर्ख दिवस' मनाने की परम्परा कब, कैसे और कहां प्रचलित हुई, इस बारे में दावे के साथ तो कुछ नहीं कहा जा सकता पर माना यही जाता है कि इस परम्परा की शुरूआत फ्रांस में 16वीं सदी के उत्तरार्द्ध में हुई थी। माना जाता है कि एक अप्रैल 1564 को फ्रांस के राजा ने मनोरंजक बातों के जरिये एक-दूसरे के बीच मैत्री और प्रेम भाव की स्थापना के लिए एक सभा का आयोजन कराया था। उसके बाद निर्णय लिया गया कि अब से हर वर्ष इसी दिन ऐसी ही सभा का आयोजन होगा, जिसमें सर्वाधिक मूर्खतापूर्ण हरकतें करने वाले व्यक्ति को 'मास्टर ऑफ फूल' की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। इस सभा में शिरकत करने वाले व्यक्ति अनोखी और विचित्र वेशभूषाएं धारण करके अपनी अजीबोगरीब हरकतों से उपस्थित जनसमूह का मनोरंजन किया करते थे और सर्वाधिक मूर्खतापूर्ण हरकत करने वाले व्यक्ति को 'मूर्खों का अध्यक्ष' चुना जाता था, जिसे 'बिशप ऑफ फूल्स' की उपाधि से नवाजा जाता था। इस सभा के बाद 'गधा सम्मेलन' का भी आयोजन होता था, जो करीब एक सप्ताह चलता था। सम्मेलन में लोग अपने चेहरे पर गधे के मुंह की आकृति के मुखौटे लगाकर गधे की आवाज निकालते थे। इस दिन वहां कर्मचारी, अधिकारी सभी एक-दूसरे का मजाक उड़ाने को स्वतंत्र होते थे।

यह भी मान्यता है कि 1564 में फ्रांस के सम्राट चार्ल्स के आदेश पर लागू हुए ग्रेगेरियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरूआत 1 जनवरी से की जाने लगी जबकि उससे पूर्व चूंकि वर्ष में सिर्फ 9 ही महीने होते थे, अतः नया साल 1 अप्रैल से ही शुरू होता था लेकिन ग्रेगेरियन कैलेंडर लागू किए जाने के बाद भी जो लोग 1 अप्रैल को ही नव वर्ष के रूप में मनाते रहे, दूसरे लोगों ने उनका मजाक उड़ाना शुरू कर दिया और इस तरह 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाए जाने की परम्परा शुरू हो गई। कुछ पश्चिमी राष्ट्रों में वे लोग, जो जूलियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरूआत 25 मार्च से मानते हैं, वे वसंत के आगमन के साथ ही नए साल के आने की खुशियां मनाते हैं

और एक सप्ताह तक चले इन मनोरंजक कार्यक्रमों का समापन वे 1 अप्रैल को ही करते हैं। 'एनसाइक्लोपीडिया ऑफ रिलीजन' तथा 'एनसाइक्लोपीडिया ऑफ ब्रिटानिका' के अनुसार भी एक अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' मनाने का सीधा संबंध वसंत के आगमन से ही है, जब प्रकृति मनुष्य को अपने अनियमित मौसम से मूर्ख बनाती है।

कुछ लोग अप्रैल फूल मनाने की परम्परा की शुरूआत इटली से हुई मानते हैं। प्राचीन समय से ही इटली में एक अप्रैल को एक मनोरंजन उत्सव मनाया जाता है, जिसमें स्त्री-पुरूष सभी जमकर शराब पीते हैं और नाच-गाकर खूब हुड़दंग मचाते हैं। रात के समय दावतों का आयोजन भी किया जाता है। यूरोप के कुछ देशों में भी प्राचीन काल से ही 'मूर्ख दिवस' मनाए जाने का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि इस दिन वहां मालिक नौकर की और नौकर मालिक की भूमिका अदा करता था और नौकर इस दिन मालिक से अपने मनचाहे काम कराते थे, जिन्हें मालिक भी बिना किसी विरोध के खुशी-खुशी किया करते थे।

यूनान में 'मूर्ख दिवस' की शुरूआत कैसे हुई, इस संबंध में कई किस्से प्रचलित हैं। ऐसे ही एक किस्से में कहा जाता है कि यूनान में एक व्यक्ति को खुद की बुद्धि और चतुराई पर बहुत घमंड था। वह बुद्धिमानी और चतुराई के मामले में अपने बराबर दुनिया में किसी को कुछ नहीं समझता था। एक बार उसके कुछ दोस्तों ने उसे सबक सिखाने का निश्चय किया और उससे कहा कि मध्य रात्रि के समय पहाड़ की चोटी पर आज देवता अवतरित होंगे और वहां जितने भी लोग उपस्थित होंगे, उन्हें वह मनचाहा वरदान देंगे। अपने दोस्तों की बात पर विश्वास करके वह अगले दिन सुबह होने तक पहाड़ की चोटी पर देवता के प्रकट होने का इंतजार करता रहा और जब निराश होकर वापस लौटा तो दोस्तों ने उसका खूब मजाक उड़ाया। जिस दिन यह घटना हुई, उस दिन पहली अप्रैल थी। माना जाता है कि तभी से यूनान में एक अप्रैल को लोगों को मूर्ख बनाने की परम्परा शुरू हुई।

स्कॉटलैंड में अप्रैल फूल को 'अप्रैल गोक' कहा जाता है, जिसका अर्थ है पपीहा और पपीहा को यहां बुद्धूपन का प्रतीक माना गया है। इस अवसर पर लोग यहां कई प्रकार की मनोरंजक व आश्चर्यजनक अफवाहें उड़ाते हैं, जिन पर लोगों को आसानी से विश्वास भी हो जाता है। आज तो दुनिया के बड़े-बड़े टी. वी. चैनल और प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाएं भी अपने दर्शकों व पाठकों के साथ 1 अप्रैल को ऐसी हंसी-ठिठौली करने में पीछे नहीं रहते।

मछली जल की रानी है

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक तालाब है। उसमें भी कुछ जीव रहते हैं। जैसी अपनी दुनिया है ठीक उनकी दुनिया है। अपनी दुनिया में लोग एक-दूसरे को पानी पिलाने के चक्कर में रहते हैं। उनकी दुनिया में ऐसी मारा-मारी नहीं है। जो खुद पानी में डूबे हो उन्हें भला पानी पिलाने का क्या मतलब। उसी तालाब में एक बड़ी मछली है। लिंग बदलने की सुविधा होती तो मछली की जगह मछला कहना बेहतर होता। बड़ी मछली दिन-ब-दिन और बड़ी होती जा रही है। छोटी मछलियाँ दिन-ब-दिन घटती जा रही हैं। बड़ी मछलियों के पेट में अजीब सी मराड़ मची है, लेकिन पचाने की शक्ति में उसका कोई सानी नहीं है। हिसाब से देखा जाए तो जो पचा सकता है, उसे खाने का पूरा हक है। बड़े छोटों को खा सकते हैं, क्योंकि वे बड़े हैं। छोटे बड़ों को नहीं खा सकते, क्योंकि वे छोटे हैं। वैसे भी कुत्ता दुम हिलाता है न कि दुम कुत्ते को।

अगर दुम कुत्तों को हिलाने लगें तो भला कुत्ते अपनी दुम क्यों बक्शने लगे? हरगिज नहीं। भूख लगने सांप अपने संपोलों तक को नहीं छोड़ते फिर भी यह तो कुत्ते की दुम है। दुनिया भर के लोग जिसे महामारी कह रहे हैं, उसे ही ये बड़ी मछलियाँ महाअवसर की तरह भुनाती हैं। एक बार के लिए गिद्ध शवों को खाना छोड़ सकते हैं, किंतु ये बड़ी मछलियाँ कोरोना महामारी से मरने वालों के नाम पर धंधा करना नहीं छोड़ सकतीं। छोटी-छोटी मछलियाँ जैसे-तैसे अपनी जिंदगियाँ बचते-बचाते गुजर-बसर करते हैं और ये बड़ी मछलियाँ एक झटके में उन्हें डकार जाती हैं। ये छोटी-छोटी मछलियाँ बड़ी मेहनत करके अपने दाना-पानी का इंतजाम करती हैं। उसी मेहनत को ये बड़ी मछलियाँ टॉनिक की तरह पी जाती हैं। मेहनत, लगन, आत्मनिर्भरता आदि शब्द सुनने में इतने मधुर लगते हैं कि छोटी मछलियाँ इन्हें सुन-सुन कर ऐसे बड़ी हो जाती हैं जैसे कसाई के यहाँ मिमियाती नन्हीं बकरियाँ। कहते हैं एक गंदी मछली पूरे तालाब को गंदा कर देती है। जबकि एक बड़ी मछली पूरे तालाब को खा जाती है।

छोटी मछलियाँ जिंदगी भर जिंदगी बचाने के चक्कर में जिंदगी खो बैठती हैं, जबकि बड़ी मछलियाँ उन्हीं जिंदगियों को लीलकर अपनी और अपनी आने वाली पीढ़ियों की जिंदगियाँ बनाती हैं। जिंदगी लीलने के खेल में छोटी मछलियों को हमेशा जात-पात, धर्म, भाषा तो कभी महंगाई, भ्रष्टाचार, अत्याचार और बेरोजगार में उलझा दिया जाता है। चाहकर वे बाहर नहीं निकल सकतीं। इसी में वे अपना दम तोड़ देती हैं। बड़ी मछलियों पर मारने का आरोप भी नहीं लगता।

इन मछलियों को सेलफोन से बांधकर पुस्तकों की दुनिया से कहीं दूर छोड़ दिया जाता है। सोशल मीडिया का दाना जैसे-जैसे इनकी भूख को नचाता है वे वैसे-वैसे नाचती हैं। मछली कहलाने वाली अपने ही जात की मछली के हाथों छलती ही जाती हैं। यह सब बातें मैं रिलायंस फ्रेश मार्केट के सामने बैठे बेरोजगार गरीब को सुना रहा था। वह मुझसे उल्टे पूछ बैठा – भैया यह सब मुझे क्यों सुना रहे हो? मेरे पास छोटी-बड़ी मछलियों का खेला समझने का टाइम नहीं है। आप यहाँ से जाइए मुझे मेरे हाल पर छोड़ दीजिए।

भगवान गणेश कैसे अपने भाई कार्तिक से ज्यादा शक्तिशाली साबित हुए

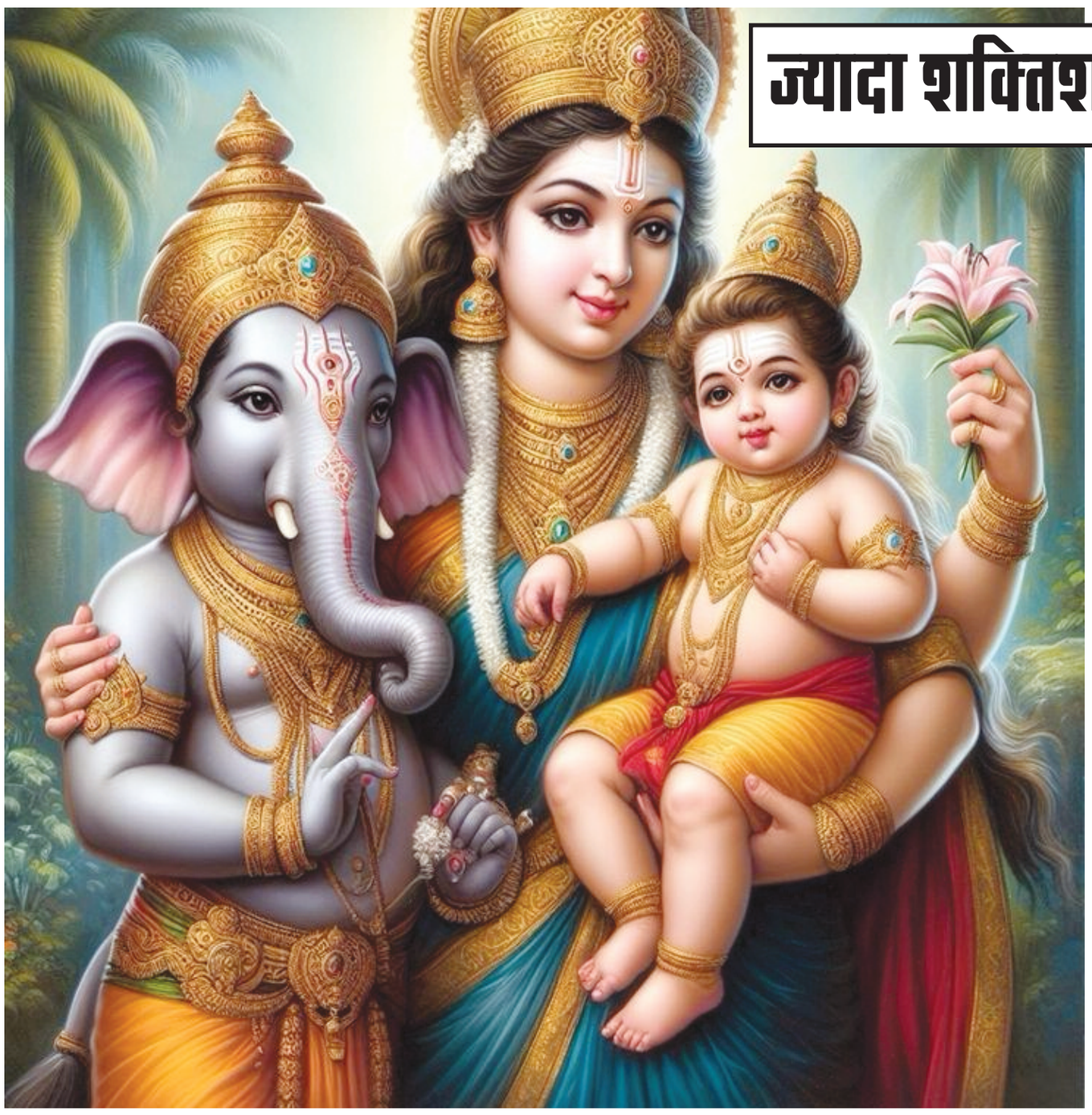

भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र गणेश और कार्तिक की शक्तियों की कहानियां तो बहुत सुनी होगी। इनके झगड़े भी हुए हैं। जी हां आम भाई-बहनों की तरह भगवान शिव और माता पार्वती के बच्चे भी आपस में लड़ झगड़कर बड़े हुए हैं। एक बहुत ही रोचक पौराणिक कथा है कि कैसे गणेश और कार्तिक की लड़ाई खत्म करवाने के लिए उनके माता पिता नें उन्हें पृथ्वी की तीन परिक्रमा करवा दी। लेकिन इस दंड को कैसे बुद्धि दाता भगवान गणेश ने आशीर्वाद में बदल दिया आइए जानते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार एक दिन बाल रूप में भगवान गणेश और उनके भाई कार्तिक का इस बात पर झगड़ा हो गया कि दोनों में से सबसे शक्तिशाली कौन है। दोनों का झगड़ा इतना बढ़ गया कि ये लड़ते-लड़ते अपने माता-पिता के पास पहुंच गए। दोनों ने नादानी में भगवान शिव और माता पार्वती से ही पूछ लिया कि हमें बताएं कि हम दोनों में से शक्तिशाली कौन है। पहले तो माता-पिता ने इन्हें बहलाने की कोशिश की लेकिन बार-बार बच्चों की जिद्द करने पर शिवजी और पावर्ती जी ने बच्चों से कहा कि दोनों अपने वाहनों पर सवार होकर पृथ्वी के तीन चक्कर काटकर आओ। जो भी पहले आएगा वो ही शक्तिशाली कहलाएगा।

कार्तिक भगवान ने जल्द से अपना वाहन मोर निकाला और पृथ्वी के चक्कर काटने निकल पड़े। अब गणेश जी का वाहन तो चूहा था। आश्चर्यचकित होकर कार्तिक ने देखा कि वो जहां से जा रहे हैं भगवान गणेश की सवारी चूहे के निशान पहले से ही वहां मौजूद हैं। लेकिन हैरान करने वाली बात ये थी कि उन्हें रास्ते में कहीं भी गणेश जी नहीं दिखे।

परिक्रमा पूरी करके वो वापस अपने माता पिता के पास लौटे तब उन्होंने देखा की गणेश जी तो पहले से ही यहां मौजूद हैं और खेल रहे रहें। बुद्धिदाता गणेश जी पृथ्वी का चक्कर लगाने गए ही नहीं उन्होंने अपने माता-पिता की परिक्रमा कर ली। गणेश जी ने कहा था कि माता-पिता की परिक्रमा करना त्रिलोक के समान होती है ऐसे में पृथ्वी तो एक हिस्सा मात्र है। भगवान शिव ने बताया कि वेद पुराणों के अनुसार गणेश सही कह रहे हैं। इसलिए इस परिक्षा में वो अव्वल हुए और इस तरह बुद्धि के दम पर अपने भाई कार्तिक से ज्यादा शक्तिशाली साबित हुए।

आखिर क्यों राहु केतु के कारण लगता है चंद्रग्रहण?

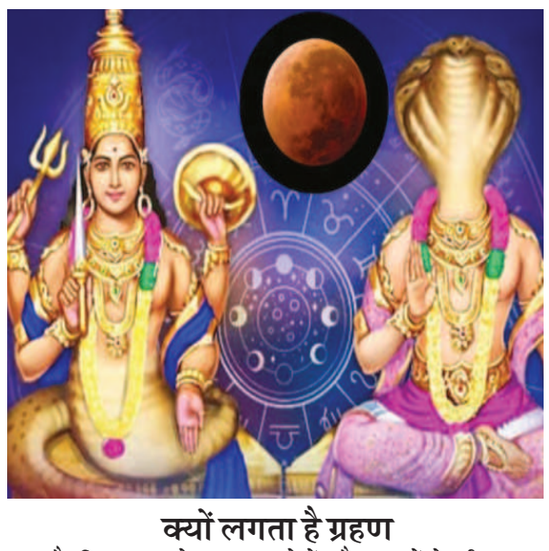

क्यों लगता है ग्रहण

एक पौराणिक कथा के अनुसार, देवों और दानवों के बीच समुद्र मंथन के दौरान 14 रत्नों में एक अमृत कलश भी निकला था। इसके लिए देवताओं और दानवों में विवाद होने लगा। इसको सुलझाने के लिए मोहिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण किया। मोहिनी रूप धारण किये हुए भगवान विष्णु ने अपने हाथ में अमृत कलश देवताओं और दानवों में समान भाग में बांटने का विचार रखा। जिसे भगवान विष्णु के मोहिनी रूप से आसक्त होकर दानवों ने स्वीकार कर लिया। तब भगवान विष्णु ने देवताओं और असुरों को अलग-अलग लाइन में बैठा दिया।

दानवों के साथ कुछ गलत हो रहा है। इसकी भनक दैत्यों की पंक्ति में स्वर्भानु नाम के दैत्य को लग गई। उसे यह आभास हुआ कि मोहिनी रूप में दानवों के साथ धोखा किया जा रहा है। ऐसे में वह देवताओं का रूप धारण कर सूर्य और चन्द्रमा के बगल आकर बैठ गए।

जैसे ही अमृत पान को मिला, वैसे ही सूर्य और चंद्र ने उसे पहचान लिया और यह बात भगवान विष्णु को बताई, जिस पर क्रोधित होकर नारायण भगवान ने अपने सुदर्शन चक्र के राहु के गले पर वार किया, लेकिन तब तक राहु अमृत पी चुका था। इससे उसकी मृत्यु तो नहीं हुई, परन्तु उसके शरीर के दो धड़ जरूर हो गए।

सिर वाले भाग को राहु और धड़ वाले भाग को केतु कहा गया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने स्वर्भानु के सिर को एक सर्प वाले शरीर से जोड़ दिया। यह शरीर ही राहु कहलाया और उसके धड़ को सर्प के दूसरे सिरे के साथ जोड़ दिया, जो केतु कहलाया। सूर्य और चंद्रमा के राज खोलने के कारण राहु और केतु दोनों इनके दुश्मन बन गए। इसी कारण ये राहु और केतु पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को ग्रस लेते हैं।

मंदिर से बाहर निकलते समय क्यों नहीं बजानी चाहिए घंटी

मंदिर में प्रवेश करते ही भक्त घंटी बजाकर भगवान को नमस्कार करते हैं। मंदिर में घंटी बजाने से कई धार्मिक और आध्यात्मिक पहलू जुड़े हुए हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि मंदिर की घंटी से वास्तु शास्त्र में भी कई नियम बताए गए हैं। वास्तु शास्त्र में मंदिर की घंटी को सकारात्मक ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार मंदिर की घंटी सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होती है। ज्यादातर लोगों को यह बात तो पता होती है कि मंदिर के अंदर प्रवेश करते समय घंटी बजानी चाहिए लेकिन ज्यादातर लोगों के मन में मंदिर से निकलते हुए यह ख्याल आता है कि क्या उन्हें बाहर जाते हुए भी घंटी बजानी चाहिए?

मंदिर में क्यों बजाते हैं घंटी

ध्वनि को ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि जब भी मंदिर की घंटी बजाई जाती है, तो घंटी बजाने वाले और आसपास के लोगों में ऊर्जा का संचार होता है। वहीं, वास्तु शास्त्र के साथ ही स्कंदपुराण में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि जब मंदिर की घंटी बजाई जाती है, तो यह 'ॐ' की ध्वनि के समान होती है। 'ॐ' की ध्वनि को बहुत ही शुद्ध और सकारात्मक ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है, इसलिए मंदिर में प्रवेश के समय घंटी बजानी चाहिए। वहीं, घंटी बजाने का एक वैज्ञानिक पहलू यह भी है कि मंदिर में घंटी बजाने से वातावरण में तेज कंपन उत्पन्न होता है, जिसकी वजह से आसपास के जीवाणु-विषाणु नष्ट हो जाते हैं, इसलिए वातावरण को शुद्ध करने के लिए मंदिर में घंटी बजाई जाती है।

मंदिर से बाहर निकलते समय घंटी बजानी चाहिए?

कई लोगों के मन में यह भी सवाल आता है कि क्या मंदिर से बाहर निकलते समय भी घंटी बजानी चाहिए? कई लोग एक-दूसरे को देखकर और बिना कारण जाने ही मंदिर से निकलते हुए भी घंटी बजा देते हैं लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको मंदिर से बाहर निकलते हुए घंटी नहीं बजानी चाहिए क्योंकि इससे आप मंदिर की सकारात्मक ऊर्जा को वहीं पर छोड़ देते हैं, इसलिए मंदिर से बाहर निकलते समय कभी भी घंटी नहीं बजानी चाहिए।

रात के समय दीपक जलाना क्यों है वर्जित?

दीपक जलाने का सही समय हमारे धर्म में संध्या का समय होता है। संध्या आरती के दौरान ही दीपक लगाया जाता है। कई बार आपने देखा होगा कि दीपक रात के समय में जलता है। इसे शैतानी शक्ति से भी जोड़कर देखा जाता है। दीया जलाने से न सिर्फ अंधकार दूर होता है बल्कि नकारात्मकता भी दूर होती है। पूजा-पाठ के दौरान दीया जलाना और भी श्रेष्ठ होता है। ऐसा कहा जाता है कि दीप जलाने से देवता प्रसन्न होते हैं। अपनी कृपा घर-परिवार पर बनाएं रखते हैं, इसलिए दीपक जलाने के भी कुछ नियम हैं। क्या हैं वे नियम? घर में पूजा-पाठ के अलावा, नियमित रूप से सुबह और शाम के समय दीपक जलाया जाता है। इसके बारे में शास्त्रों में भी जानकारी दी गई है। संध्याकाल के समय दीपक जलाते हुए अक्सर लोग गलती कर देते हैं। अनजाने में दीपक को ज्यादातर लोग रात में जलाते हैं। आइए जानते हैं कि दीपक कब जलाना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार, दो तरह की पूजा होती है। एक सात्विक और दूसरी तांत्रिक। सात्विक पूजा साधारण लोग करते हैं। वहीं, तांत्रिक पूजा तंत्र-मंत्र करने वाले तांत्रिक या अघोरी करते हैं। सात्विक पूजा का समय सुबह ब्रह्म मुहूर्त से सूर्यास्त तक का होता है। सूर्यास्त के बाद तांत्रिक पूजा का समय शुरू होता है। सूर्यास्त के बाद देवी-देवता विश्राम करते हैं।

कब जलाना चाहिए दीपक

दीपक हमेशा उस समय जलाना चाहिए जब भगवान जाग रहे हों। सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त के बीच में ही अपने घर या फिर मंदिर में दीपक जलाना चाहिए। सुबह पूजा के समय दीपक जलाना चाहिए और फिर संध्याकाल की आरती के लिए दीया जलाना चाहिए। रात में दीपक नहीं जलाना चाहिए।

कब नहीं जलाएं दीपक

शाम के समय दीपक तब जलाना चाहिए जब सूर्यास्त हो रहा हो। सूर्यास्त के बाद दीपक जलाना तांत्रिक क्रिया में आता है। ऐसा करने से कोई लाभ नहीं मिलता है। दीपक हमेशा सही समय पर जलाना चाहिए। रात में दीपक जलाने का अर्थ होता है भगवान की नींद में बाधा डालना।

30 साल बाद बन रहा अद्भुत संयोग, 3 राशियों पर बरसेगी शनि की अपार कृपा

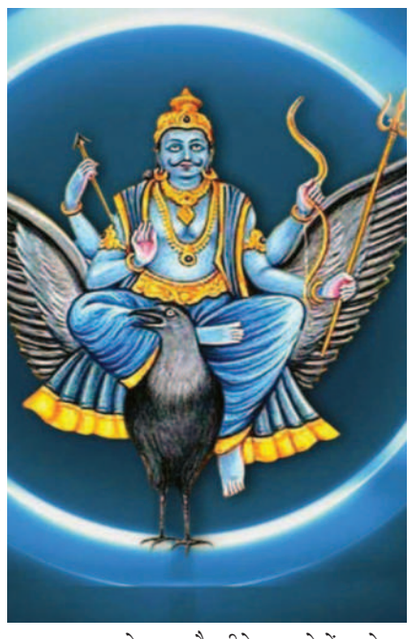

शनिदेव अभी अपनी स्वराशि कुंभ में संचरण कर रहे हैं। शनिदेव 6 अप्रैल को दोपहर 03:55 पर पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में गोचर करेंगे। जिसका प्रभाव सभी राशियों के जातकों पर देखने को मिलेगा। इसलिए एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करने में शनिदेव को लगभग ढाई साल का समय लगता है। शनिदेव के गोचर करने से 3 राशियों वाले जातकों का भाग्य चमक सकता है। इसके साथ ही करियर और कारोबार में तरक्की की अपार संभावनाएं हैं, तो आइए हम जानते हैं कि ये लकी राशियां कौन-सी हैं-

इन राशियों के जातकों को मिलेगा लाभ...

कन्या राशिः- इस राशि के जातकों के लिए शनिदेव का नक्षत्र परिवर्तन लाभकारी साबित होगा। शनिदेव इस राशि के स्वामी बुध के मित्र हैं। साथ ही वह इनकी राशि से छठे भाव पर भ्रमण कर रहे हैं। इस समय इस राशि के व्यक्ति को कोर्ट कचहरी के मामलों में सफलता मिल सकती है। इसके साथ ही इस समय ये अपने शत्रुओं पर विजय पाने में सफल रहेंगे। वहीं इनकी सुख-सुविधाएं भी बढ़ेंगी, जिससे इनका मन प्रसन्न होगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र पर नए अवसर भी मिलेंगे।

वृश्चिक राशिः- इस राशि के व्यक्ति के लिए शनिदेव का नक्षत्र परिवर्तन अनुकूल सिद्ध होगा। शनिदेव इस राशि से चतुर्थ भाव पर भ्रमण कर रहे हैं। इस समय इस राशि के व्यक्ति को सभी भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी। इसके साथ ही करियर में आगे बढ़ने के लिए भरपूर नए अवसर मिलेंगे, जिसका उपयोग करके ये लोग अपने करियर में तरक्की करेंगे। वहीं इस समय कोई वाहन या प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं। इनकी सुख- सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। वैवाहिक जीवन खुशहाल रहने से मन प्रसन्न रहेगा। इनको कोई खुशखबरी भी मिल सकती है, वहीं माता के साथ संबंध मजबूत होंगे।

कुंभ राशिः- इस राशि के व्यक्ति के लिए शनिदेव का नक्षत्र परिवर्तन लाभप्रद साबित होगा, क्योंकि शनिदेव इनकी गोचर कुंडली के लग्न भाव पर भ्रमण कर रहे हैं। इस समय इनके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। इसके साथ ही पद, आय में तेजी से बढ़ोतरी होगी। इस कारण से समाज में इनका मान-सम्मान भी बढ़ेगा। साथ ही इनके बड़े-बड़े लोगों के साथ संबंध बनेंगे। इसके कारण इनको भविष्य में लाभ मिलेगा। इस समय इनकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। इसके साथ ही इनकी सोची हुई योजनाएं सफल होंगी। वैवाहिक जीवन शानदार रहेगा। पैसों की बारिश हो सकती है। इसके अलावा नौकरी-बिजनेस में तरक्की मिलेगी।

अप्रैल में खरीदनी है नई कार या प्रॉपर्टी, 7 दिन हैं शुभ मुहूर्त

2024 का प्रारंभ होने वाला है। इस महीने में आप अपने लिए नई कार या बाइक खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं या फिर रहने के लिए नया मकान या फ्लैट खरीदना चाहते हैं। इससे इतर कोई प्लॉट खरीदने का मन बना रहे हैं तो आपको अप्रैल में खरीदारी के शुभ मुहूर्त के बारे में भी जानना चाहिए। कहा जाता है कि शुभ मुहूर्त में की गई खरीदारी आपके लिए उन्नतिदायक हो सकती है। वह नई गाड़ी, मकान, घर या दुकान आपकी तरक्की में सहायक होगी। अप्रैल 2024 में वाहन खरीदारी के लिए 7 दिन शुभ मुहूर्त हैं, वहीं प्रॉपर्टी की खरीदारी के लिए 5 दिन ही शुभ हैं।

मकान, दुकान, फ्लैट खरीदने का शुभ समय

1. 12 अप्रैल, दिन शुक्रवार, मुहूर्तः पूरे दिन
12:51 ए एम से 13 अप्रैल को 05:58 ए एम तक

मृगशिरा नक्षत्र, तिथिः पंचमी

2. 18 अप्रैल, दिन गुरुवार, मुहूर्तः पूरे दिन
05:52 एएम से 19 अप्रैल को 05:51 एएम तक, अप्रैल 19
अश्लेषा और मघा नक्षत्र, तिथिः दशमी और एकादशी

3. 19 अप्रैल, दिन शुक्रवार, मुहूर्तः पूरे दिन
05:51 एएम से 20 अप्रैल को 05:50 एएम तक

मघा और पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र
तिथिः एकादशी और द्वादशी

4. 25 अप्रैल, दिन गुरुवार, मुहूर्तः पूरे दिन
05:45 एएम से 26 अप्रैल को 05:45 एएम तक

विशाखा और अनुराधा नक्षत्र

तिथिः द्वितीया- 5. 26 अप्रैल, दिन शुक्रवार, मुहूर्तः पूरे दिन
05:45 एएम से 27 अप्रैल को 03:40 एएम तक

अनुराधा नक्षत्र

तिथिः द्वितीया और तृतीया

नई गाड़ी या बाइक खरीदने का शुभ समय
1. 4 अप्रैल, दिन गुरुवार, मुहूर्तः पूरे दिन
06:07 एएम से 05 अप्रैल को 06:06 एएम तक
श्रवण और धनिष्ठा नक्षत्र

तिथिः दशमी और एकादशी

2.5 अप्रैल, दिन शुक्रवार, मुहूर्तः दोपहर तक
06:06 एएम से दोपहर 01:28 पीएम तक
धनिष्ठा नक्षत्र, तिथिः एकादशी

3. 12 अप्रैल, दिन शुक्रवार, मुहूर्तः दोपहर से पूरे दिन
दोपहर 01:11 पीएम से 13 अप्रैल को 05:58 एएम तक
रोहिणी और मृगशिरा नक्षत्र

तिथिः पंचमी

4. 15 अप्रैल, दिन सोमवार, मुहूर्तः दोपहर से पूरे दिन
दोहपर 12:11 पीएम से 16 अप्रैल को 05:54 एएम तक
पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र

तिथिः अष्टमी

5. 21 अप्रैल, दिन रविवार, मुहूर्तः शाम से रात तक
शाम 05:08 पीएम से 22 अप्रैल को 01:11 एएम तक
हस्त नक्षत्र, तिथिः त्रयोदशी

6. 24 अप्रैल, दिन बुधवार, मुहूर्तः पूरे दिन
05:46 एएम से 25 अप्रैल को 12:41 एएम तक

स्वाति नक्षत्र, तिथिः प्रतिपदा

7. 26 अप्रैल, दिन शुक्रवार, मुहूर्तः पूरे दिन
07:45 एएम से 27 अप्रैल को 03:40 एएम तक
अनुराधा नक्षत्र, तिथिः तृतीया

मां बनने वाली हैं अथिया शेट्टी ! सुनील शेट्टी ने कहा- अगले सीजन नाना बनकर स्टेज पर एंट्री लूंगा

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी इन दिनों डांस दीवाने 4 में बतौर जज माधुरी दीक्षित के साथ नजर आ रहे हैं। एक एपिसोड के दौरान सुनील कुछ ऐसा कह गए कि उनकी बेटी अथिया शेट्टी के प्रेग्नेंसी रूमर्स सुर्खियों में आ गए हैं।

हाल ही में डांस दीवाने 4 शो में दादा-दादी स्पेशल एपिसोड रखा गया था। इस दौरान कई कंटेस्टेंट्स ने इसी थीम पर मजेदार परफॉर्मेंस दी है। एक परफॉर्मेंस के बाद शो की होस्ट भारती सिंह ने सुनील शेट्टी से कहा है कि वो जब भी नाना बनेंगे तो उन्हें काफी बदलना पड़ेगा, क्योंकि वो नाना की उम्र के नहीं लगते। कोई भी बच्चा इतने गुड लुकिंग नाना नहीं संभाल सकता।

इस पर जवाब देते हुए सुनील ने कहा, हां, अगले सीजन जब मैं आऊंगा, तो नाना की तरह ही स्टेज पर चलूंगा। सुनील के बयान के बाद लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि अगले सीजन तक वो नाना बन सकते हैं। हालांकि इस बात की कोई कन्फर्मेशन नहीं है।

बताते चलें कि सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी ने 23 जनवरी 2023 में क्रिकेटर के.एल. राहुल से शादी की थी। शादी से पहले दोनों करीब 4 सालों तक रिलेशनशिप में रहे थे। सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी ने साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म हीरो से सूरज पंचोली के साथ बॉलीवुड डेब्यू किया था। हालांकि फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी थी। इसके बाद अथिया मुबारकां, मोतीचूर चकनाचूर जैसी चंद फिल्मों में ही नजर आई हैं। शादी के बाद से ही उन्होंने कोई फिल्म साइन नहीं की है।

सुनील शेट्टी के पास हैं 2 बड़ी फिल्में

इन दिनों डांस दिवाने 4 जज करते नजर आ रहे सुनील शेट्टी, जल्द ही दो बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। पहली फिल्म वेलकम फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म वेलकम टू द जंगल है, जबकि दूसरी फिल्म हेरा फेरी फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म हेरा फेरी 3 होने वाली है।

जान्हवी के बॉयफ्रेंड की तारीफ में बोले बोनी कपूर

कहा- मुझे यकीन है कि शिखर बेटी के कभी एक्स नहीं बनेंगे

बोनी कपूर ने हालिया इंटरव्यू में जान्हवी कपूर के बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ अपने बॉन्ड पर बात की है। बोनी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि जान्हवी और शिखर का रिश्ता ताउम्र बना रहेगा। यह भी बताया कि शिखर ने उस वक्त बोनी के परिवार का साथ दिया था, जब चीजें बहुत खराब चल रही थीं। उनका कहना है कि जान्हवी के अलावा शिखर परिवार के बाकी सदस्य के साथ भी बहुत अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं।

जूम के साथ हालिया इंटरव्यू में बोनी ने बताया कि शिखर उनके साथ किसी इवेंट में तस्वीरें क्यों नहीं क्लिक कराते हैं। बोनी ने कहा, 'ऐसा केवल इसलिए क्योंकि वो नहीं चाहते हैं कि उनकी तस्वीरें क्लिक की जाएं। बाकी मुझे इसका मेन कारण नहीं पता है। शायद वो चाहते हैं कि मैं सुर्खियों में रहूं, इसलिए वो मुझे हर बार आगे कर देते हैं। वर्ना खबरों की हेडिंग सिर्फ बोनी नहीं बल्कि शिखर-बोनी होतीं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं शिखर से बहुत प्यार करता हूं। जब जान्हवी और उनकी मुलाकात नहीं हुई थी, तब से हम दोस्त हैं।'

बोनी ने आगे कहा, 'मुझे विश्वास कि वो (शिखर) कभी भी जान्हवी के एक्स नहीं हो सकते हैं, वो उसके आसपास हमेशा रहेंगे।

शिखर को पाकर भाग्यशाली हैं बोनी

बोनी ने यह भी बताया कि शिखर पूरे परिवार के साथ बहुत अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं। शिखर, जान्हवी के परिवार के साथ तब खड़े थे, जब चीजें बहुत खराब चल रही थीं। इस बारे में बोनी ने आगे कहा, 'शिखर हमेशा जान्हवी, मेरे और अर्जुन के लिए मौजूद रहते हैं। मुझे लगता है कि हम वास्तव में भाग्यशाली हैं कि हमारे सेटअप में वो हैं।

लंबे वक्त से शिखर के साथ रिश्ते में हैं जान्हवी

जान्हवी लंबे वक्त से शिखर पहाड़िया को डेट करने के चलते सुर्खियों में हैं। दोनों को अक्सर साथ में स्पॉट किया है। डिनर डेट्स से वेकेशन तक पर जान्हवी और शिखर एक-दूसरे को कंपनी देते हैं। शिखर पहाड़िया महाराष्ट्र के पूर्व CM सुशील कुमार शिंदे के नाती हैं। कुछ समय पहले कॉफी विद करण में बतौर गेस्ट पहुंचीं जान्हवी ने यह बात बताई थी कि उनके फोन के स्पीड डायल पर शिखर का नंबर है।

रात भर थाने में रहे सलमान : एक्टर महेश ठाकुर ने शेयर किया किस्सा

'हम साथ-साथ हैं' के सेट से एक्टर्स को उठा ले गई थी पुलिस

1999 में रिलीज हुई मल्टीस्टारर फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' में सलमान खान, सैफ अली खान, तब्बू और करिश्मा कपूर समेत कई कलाकारों ने साथ काम किया था। 1998 में इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान जोधपुर में सलमान समेत फिल्म की स्टार कास्ट से जुड़े कुछ कलाकारों ने काले हिरण का शिकार किया था। अब एक इंटरव्यू में फिल्म में आनंद बाबू का किरदार निभाने वाले एक्टर महेश ठाकुर ने बात की है। महेश ने बताया कि उस वक्त पुलिस सेट पर आई और इन पांचों कलाकारों को उठाकर पुलिस स्टेशन ले गई थी।

यूट्यूबर सिद्धार्थ कानन को दिए एक इंटरव्यू में महेश ने कहा, 'यह बहुत ही बुरा एक्सपीरियंस था। हम जोधपुर में एक गाने की शूटिंग कर रहे थे तभी सेट पर कुछ पुलिस वाले आए और

सबको उठाकर पुलिस स्टेशन ले गए। इस पूरे मामले में मेरी, मोहनीश बहल की और करिश्मा कपूर की कोई इन्वॉल्वमेंट नहीं थी पर हम लोगों ने जो भी देखा और एक्सपीरियंस किया वो बहुत ही बेकार था।'

अगले दिन सलमान और सैफ एकदम नॉर्मल थेः महेश

महेश ने आगे बताया, 'पुलिस सेट से सलमान खान, सैफ अली खान, नीलम कोठारी, तब्बू और सोनाली बेंद्रे को उठाकर ले गई थी। इनमें से उन्होंने सलमान को रात भर थाने में बैठाकर रखा। उसके बाद उनके भाई अरबाज और सोहेल उन्हें छुड़ाने आए। अगले दिन सलमान वापस सेट पर आए और एक दम नॉर्मल तरीके से फिल्म की शूटिंग जारी रखी। सैफ भी अगले दिन नॉर्मल थे।'

इस पूरे मामले में महेश ने मीडिया को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा, 'चूंकि इस मामले में कई बड़े कलाकारों का नाम जुड़ा हुआ था। खासतौर पर सलमान खान का, ऐसे में न्यूज वालों ने इस मामले को काफी उछाला। मीडिया ने काफी नेगेटिविटी फैलाई पर अंत में कुछ भी नहीं निकला। इस मामले के चलते जोधपुर शेड्यूल जरूर कैंसल हो गया था और पूरी कास्ट को वापस मुंबई भेज दिया गया था। हालांकि, कुछ वक्त के बाद हम फिर मिले और हमने सही वक्त पर इस फिल्म की शूटिंग पूरी की।' 19 करोड़ के बजट में बनी 'हम साथ-साथ हैं' ने 81 करोड़ रुपए की कमाई की थी। इसके साथ ही यह साल 1999 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। इसे सूरज बड़जात्या ने डायरेक्ट किया था।

शादी करके सेटल होना चाहते हैं विजय देवरकोंडा

रश्मिका के साथ डेटिंग रूमर्स के बीच बोले, जल्द पिता बनने की इच्छा भी जताई

रश्मिका मंदाना के साथ डेटिंग की खबरों के बीच विजय देवरकोंडा ने मैरिज प्लान पर बात की है। उन्होंने कहा है कि वो जल्द शादी करना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने पिता बनने की इच्छा भी जताई है।

लव मैरिज करेंगे विजय

अपकमिंग फिल्म फैमिली स्टार के प्रमोशन के दौरान विजय से पूछा गया कि क्या वह जल्द ही शादी करने के लिए तैयार हैं। जवाब में विजय ने कहा- मैं भी शादी करना चाहता हूं और पिता बनना चाहता हूं। रिपोर्ट के अनुसार विजय ने यह भी कंफर्म किया है कि वो लव मैरिज ही करेंगे। लेकिन यह तभी होगा, जब उनके पेरेंट्स इसके लिए हामी भरेंगे।

इससे पहले भी विजय और रश्मिका सेम लोकेशन पर छुट्टियां मनाते देखे गए हैं। साथ ही वो दोनों सोशल मीडिया पर एक दूसरे के फोटोज पर कमेंट भी करते हैं। यह सब देखकर फैंस के बीच अफेयर की खबरें और तूल पकड़ लेती हैं।

पिछले लंबे वक्त से विजय का नाम एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के साथ जोड़ा जाता है। खबरें हैं कि दोनों लंबे समय से रिलेशनशिप हैं। हालांकि दोनों में से किसी ने भी इस बारे में खुलकर बात नहीं की है। कुछ समय पहले एक इंटरव्यू के दौरान विजय से उनके रोमांटिक रिलेशनशिप के बारे में पूछा गया तो उन्होंने ना इस बात पर हामी भरी थी और ना ही इनकार किया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म गीता गोविंदम में साथ काम करने से विजय और रश्मिका के बीच नजदीकियां बढ़ी थीं। बाद में दोनों को फिल्म डियर कॉमरेड में भी देखा गया था। इस साल की शुरुआत में ऐसी खबरें थीं कि विजय और रश्मिका सगाई करने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन अभी तक इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है।

फिल्म पुष्पा 2 की शूटिंग में बिजी हैं रश्मिका

दोनों के वर्क फ्रंट की बात करें तो विजय आने वाले दिनों में फिल्म फैमिली स्टार में नजर आएंगे। वहीं, रश्मिका को फिल्म पुष्पा 2 में देखा जाएगा। फिल्म में उनके साथ अल्लू अर्जुन, साई पल्लवी और विजय सेतुपति भी दिखेंगे। फिलहाल रश्मिका इसी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं।

कपिल शर्मा ने पहले ही एपिसोड में दिखाए तेवर, सुनील ग्रोवर को मारा ताना !

कपिल शर्मा एक बार फिर दर्शकों के बीच हाजिर हो चुके हैं और वह भी डबल सरप्राइज के साथ. कपिल शर्मा इस बार अपने पुराने दोस्त सुनील ग्रोवर के साथ फिर वापस आ गए हैं, जिससे फैंस बेहद खुश हैं. फैंस लंबे समय से इस रीयूनियन का इंतजार कर रहे थे, जो अब खत्म हो गया है. सुनील ग्रोवर अब कपिल शर्मा के शो अब द ग्रेट इंडियन कपिल शो का हिस्सा हैं जिसका प्रीमियर शनिवार को हुआ. शो के पहले एपिसोड में रणबीर कपूर, नीतू कपूर और रिद्धिमा कपूर साहनी का मेहमान के तौर पर स्वागत किया गया. एपिसोड में, सुनील ग्रोवर अपने लोकप्रिय चरित्र गुत्थी के रूप में लौटे. इस दौरान कपिल शर्मा के साथ उन्हें मजाक करते हुए भी देखा गया.

कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर शो में एक-दूसरे को मजाकिया अंदाज में कई बार ताने मारते भी दिखे. यही नहीं दोनों ने शो में मजाक ही मजाक में अपनी पुरानी लड़ाई पर भी चुटकी ली. जैसे ही शो में सुनील ग्रोवर की एंट्री होती है, कपिल शर्मा कहते हैं- 'मुझे ऐसा क्यों लग रहा है कि मैं पहले भी कहीं इस वेबकूफ लड़की से मिल चुका हूं.' इस पर सुनील ग्रोवर कहते हैं- 'मुझे भी ऐसा लग रहा है कि मैंने आपको किसी फूड डिलीवरी एप के लिए फूड डिलीवर करते देखा है.'

जब कपिल ने पूछा कि क्या उन्होंने ज्विगाटो देखी है, तो ग्रोवर ने तुरंत जवाब में कहा- "नहीं, यहां तक कि मैंने भी इसे नहीं देखा." इसके बाद कपिल ने सुनील को चेतावनी देते हुए कहा, "यही तो झगड़े का कारण बनता है." ग्रोवर ने यह भी कहा, "खैर, झगड़े होते रहते हैं. दरअसल, कुछ लोग इन झगड़ों का आनंद लेते हैं. बाहर किसी ने मुझसे पूछा कि उन्हें हमारी लड़ाई का दूसरा सीजन कब देखने को मिलेगा."

बाद में एपिसोड में, सुनील ने रणबीर, नीतू और रद्धिमा को देखा तो सुनील ने उनसे पूछा, "आप सब कब आए?" इस पर, कपिल ने एक मजेदार प्रतिक्रिया दी और कहा, "वे यहां कुछ समय से हैं. आप अभी यहां आये हैं."

इतना ही नहीं, जब ग्रोवर ने कहा कि ट्रैफिक के कारण उन्हें देर हो गई, तो कपिल ने कहा, "आप किस तरह के ट्रैफिक में फंस गए थे कि आपको यहां आने में छह साल लग गए?" हालांकि, सुनील ने भी उन्हें करारा जवाब दिया और कहा- "ठीक है, कम से कम मैंने इसे छह साल में वापस कर दिया. आपको ऑस्ट्रेलिया से वापस आने में नौ साल लग गए होंगे."

सलमान खान ने फिल्म दबंग 4 पर दी अपडेट

कहा- जब मैं और अरबाज सेम कहानी को फाइनल कर देंगे, फिल्म बन जाएगी

सलमान खान ने हाल ही में फिल्म दबंग 4 पर अपडेट दी है। उन्होंने कहा है कि जब उनकी और अरबाज खान की सहमति एक कहानी पर हो जाएगी, तब फिल्म की शूटिंग कर दी जाएगी। अभी तब की कहानियों पर दोनों की सोच मेल नहीं खा रही है। दबंग सीरीज की पहली फिल्म 2010 में रिलीज हुई थी। इसके 2 साल बाद, 2012 में फिल्म का दूसरा पार्ट दबंग 2 रिलीज हुआ था। 7 साल के लंबे अंतराल के बाद सीरीज का तीसरा पार्ट दबंग 3 रिलीज किया गया था। इन तीनों ही पार्ट में सलमान खान, सोनाक्षी सिन्हा और अरबाज खान को देखा गया था।

फिल्म में सोनाक्षी ने सलमान की पत्नी का किरदार निभाया था। वहीं, अरबाज उनके भाई के रोल में दिखे थे। रवीना टंडन की फिल्म पटना शुक्ला की स्क्रीनिंग के दौरान सलमान खान से दबंग 4 के बारे में सवाल किया गया। इस पर सलमान ने कहा- जब हम दोनों भाई (सलमान और अरबाज) एक ही स्क्रिप्ट को लॉक कर देंगे, फिल्म आ जाएगी। अभी अरबाज को कुछ और बनाना है, मुझे कुछ और। 2021 में पिंकविला के सूत्रों का कहना था कि तिग्मांशु धूलिया, सलमान की फिल्म दबंग 4 की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, तिग्मांशु पिछले एक साल से अधिक समय से दबंग 4 की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं।

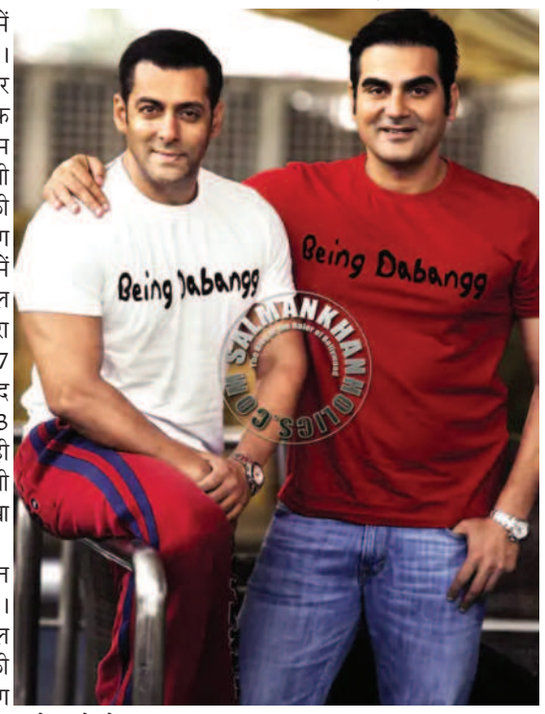

25 साल बाद करण जौहर के साथ काम करेंगे सलमान

सलमान को आखिरी बार फिल्म टाइगर 3 में देखा गया था। फिल्म में उनके साथ कटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी नजर आए थे। आने वाले समय में सलमान 25 साल बाद करण जौहर के साथ काम करने वाले हैं। फिल्म का टाइटल द बुल है, जिसके निर्देशन का जिम्मा 'शेरशाह' फेम डायरेक्टर विष्णुवर्धन पर होगा। वहीं, करण इसे प्रोड्यूस करेंगे। इसके अलावा सलमान के पास 'टाइगर वर्सेज पठान' और सूरज बड़जात्या की फिल्म 'प्रेम की शादी' भी है।

बनानी है अपनी अलग पहचान तो जल्द से जल्द अपनाएं ये टिप्स

आज के समय में हर कोई अलग पहचान बनाना चाहता है. इसके लिए जिसके बहुत सी ऐसी आदतें है जिन्हे अपनाकर अलग पहचान बनाते हैं. यही कुछ आदतें हैं जो लोगों को खास बनाती हैं. आज हम आपको उन्हीं आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं. हम रोज बहुत से लोगों से मिलते हैं लेकिन उनमें से बहुत ही कम लोग होते हैं जो हमें याद रहते हैं. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कुछ खास आदत जो आपको उनकी अच्छी लग जाती है.

कुछ व्यक्ति कई लोगो से अलग होते हैं ऐसे लोगो को सब याद रखते हैं. क्योंकि ऐसे लोग पर्सनल लाइफ में भी काम आ सकते हैं जिसका फायदा भी आप लें सकते हैं. करियर में ऐसे बहुत से मौके आते हैं जिनके लिए आपको इन लोगो की जरूरत पढ़ सकती है, जो आपको सफलता की ओर ले जा सकते हैं. कौन सी हैं वो बातें जिन्हें फॉलो करके या अपनी आदत में शुमार करके बेहतर इंसान बना जा सकता है.

अपनी खुद की राय देना : बहुत से लोग ऐसे हैं जो दूसरों के दबाव में न आ कर अपनी खुद की राय देते हैं. अगर सारी जनता किसी एक बात के लिए सहमति दिखाती है तब भी वो उनसे अलग अपना निर्णय लेते हैं. यह हिम्मत हर किसी में नहीं होती क्योकि जनता के सामने उनकी परवाह किए बिना अपने विचार रखना बहुत बड़ी बात मानी जाती है.

दूसरों के लिए जजमेंटल न होनाः बहुत अच्छी बात जब लोग किसी और को जज नहीं करते. यह खूबी हर किसी में नहीं होती. यही वजह है कि दूसरे क्या कर रहे हैं, कैसे कर रहे हैं, इस पर अपनी राय नहीं देते हैं, ऐसे लोग समझदार होने के साथ दूसरों को भी समझते हैं.

किसी और पर नहीं निर्भर करती अपनी खुशी : आपकी खुशी दूसरों की राय पर निर्भर नहीं होनी चाहिए. जब अपने हिसाब से रहना हो आप रहें, लाइफ एंजॉय करें. ऐसे लोग अपने में खुश रहना जानते हैं. अगर आप भी ऐसे हैं तो मुमकिन है कि आप दूसरों से अलग हैं.

आज के लिए जीना : जो लोग दूसरों से अलग होते हैं अक्सर वो आज में जीते हैं. ज़्यादातर लोग या तो अपने पास्ट को लेकर परेशान होते हैं या अपने भविष्य की चिंता करते हैं. लेकिन बहुत कम लोग ऐसे हैं जो आज में जीते हैं. आप भी ऐसे बनिए, दूसरों से अलग दिखेंगे. खुश रहेंगे.

इनकम टैक्स ऑफिसर कैसे बनें? कौन सी परीक्षा होगी, कितनी होगी सैलरी?

सरकारी नौकरी में इनकम टैक्स ऑफिसर की काफी ओहदे वाली नौकरी होती है. इस लोकप्रिय नौकरी को पाने के लिए हर साल हजारों युवा आवेदन करते हैं और इसकी तैयारी करते हैं. इनकम टैक्स ऑफिसर बनने के लिए युवा अभ्यर्थियों को कड़ी मेहतन के साथ लगन से तैयारी करनी होती है. हम बताने जा रहे हैं कि इनकम टैक्स अधिकारी बनने के लिए क्या ज़रूरी योग्यता है और इसमें कितनी सैलरी मिलती है.

इनकम टैक्स ऑफिसर बनने के लिए दो तरीके हैं. युवा अभ्यर्थी यूपीएससी यानी सिविल सेवा परीक्षा या एसएससी सीजीएल के लिए आवेदन कर सकते हैं. इन दोनों में

किसी भी एक परीक्षा को पास करने वाले अभ्यर्थी इनकम टैक्स ऑफिसर बनने की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं. हालांकि आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को इस बात का ध्यान रखना होता है कि यूपीएससी परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स अधिकारी बनने के लिए उन्हें इंडियन रेवेन्यू ऑफिसर का ऑप्शन चुनना होगा. आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू की प्रक्रिया में शामिल होना होता है.

इनकम टैक्स अधिकारी के लिए जरूरी योग्यता

उम्मीदवारों के पास इनकम टैक्स अधिकारी के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री अनिवार्य रूप से होनी चाहिए. इसके साथ ही आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए.

इनकम टैक्स अधिकारी के लिए उम्र सीमा

SSC CGL के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की उम्र 17 से 30 साल के बीच होनी चाहिए. इसमें आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी की अधिकतम उम्र 33 वर्ष हो सकती है. वहीं यूपीएससी परीक्षा के लिए 21 से 32 साल के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं. इसमें आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी की अधिकतम उम्र 37 वर्ष हो सकती है.

इनकम टैक्स अधिकारी की सैलरी

इनकम टैक्स अधिकारी की शुरूआती सैलरी 40 से 60 हजार तक होती है. इसके साथ कई तरह की सुविधाएं भी मितली हैं. समय के साथ ये सैलरी बढ़ती जाती है.

लाखों में करनी है कमाई तो करें ये कोर्स

अच्छी नौकरी करना चाहते हैं तो ऐसा कोर्स करे जिसमें आपको सीखने के साथ कमाई भी अच्छी हो सक. अनुभवी लोगों की जरूरत तो हमेशा से ही मार्केट में होती है. इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे कोर्स के बारे में बताने जा रहे है जो आपके बेहतर भविष्य के लिए सही साबित हो सकते हैं.

इंटीग्रेशन विथ जॉब मार्केटः आज के समय में पढ़ाई को थ्योरी में बदल दिया गया है जिससे जॉब मार्केट के हिसाब से नई सोच और विषयों पर कम ध्यान दिया जा रह है. जिसकी वजह से जॉब न मिलने के भी आसार नजर आ रहे हैं. इन्हीं सब कमियों को देखते हुए आज के समय में शॉर्ट टर्म कोर्स चलाये जा रहे हैं. जो छात्रो को आज के हिसाब से जरूरी स्किल सीखने में मदद कर सकते हैं.

मेडिकल कोडरः इस कोर्स के लिए हाई स्कूल डिप्लोमा पास हो. एक कोडिंग प्रमाण के साथ आप इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं. इस क्षेत्र में डॉक्टरों के कार्यालयों, अस्पतालों और पुनर्वसन सुविधाओं जैसे स्वास्थ्य संस्थानों में जाकर मेडिकल कोर्स रिपोर्ट और बिल बीमा बनाने का काम किया जाता है.

एयर ट्रैफिक कंट्रोलरः एयर ट्रैफिक कंट्रोलर का प्राथमिक उद्देश्य टकरावों को रोकना, हवाई यातायात के प्रवाह को व्यवस्थित और तेज करना होता है. इसके अलावा पायलटों के लिए सूचना और अन्य सहायता प्रदान करना है. कुछ देशों में, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर एक सुरक्षा या रक्षात्मक भूमिका निभाता है. इस क्षेत्र में जाने के लिए 12वीं विज्ञान से पास हो. साथ ही हर साल भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा आयोजित हवाई यातायात नियंत्रक प्रवेश परीक्षा को पास करना होता है.

रियल एस्टेट : रियल एस्टेट ब्रोकर बनने के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है, जिसमें एक परीक्षा पास करनी होगी. इस परीक्षा की तैयारी के लिए छात्रो को सर्टिफिकेट प्रोग्राम में शामिल हो सकते हैं. इसके पाठ में रियल एस्टेट सिद्धांत, व्यापार कानून, संपत्ति प्रबंधन जैसे नाम शामिल हैं. खासतौर पर रियल एस्टेट का काम बड़ी बिल्डिंग बनवाकर इसे मोटी कीमत में बेचने का काम करता है.

साइबर सुरक्षा : साइबर सिक्योरिटी के अंतर्गत एथिकल हैकर्स की एक बड़ी टीम होती है, जो आपका डेटा चोरी होने, डेटा डिलीट होने या आपके किसी भी डिवाइस को नुकसान होने से बचाते हैं. इसे इनफार्मेशन सिक्योरिटी और टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी के नाम से भी जाना जाता है.

फ्लाइट अटेंटेंड : एक फ्लाइट अटेंडेंट की भूमिका यात्री जहाजों या यात्री ट्रेनों में समान स्थिति से प्राप्त होती है. इसके अतिरिक्त, एक फ्लाइट अटेंडेंट का काम परिवहन के अन्य रूपों पर समान कर्मचारियों की तुलना में काफी हद तक सुरक्षा के इर्द-गिर्द घूमता है. फ्लाइट में सवार फ्लाइट अटेंडेंट सामूहिक रूप से एक केबिन क्रू बनाते हैं, जो कॉकपिट में पायलटों और इंजीनियरों से अलग होता है.

गर्मियों में सही प्रिंट और कलर से पाएं स्टाइलिश लुक

फैशन भी मौसम के हिसाब से समय-समय पर बदलता है। अब गर्मियों के मौसम ने दस्तक दे दी है, जिससे गर्मियों के हिसाब से फैशन में भी बदलाव आने लगा है। खासकर लड़कियों के लिए हर मौसम खास होता है। ऐसे में आपको आज हम देंगे कुछ फैशन टिप्स। गर्मियों के हिसाब से क्या पहनें और कैसे कपड़े चुनें

सफेद रंग चुनें सबसे पहले-

गर्मियों के मौसम में अपने वॉर्डरोब में सफेद (व्हाइट) कलर के आउटफिट जरूर रखें। इस मौसम में सफेद रंग की बात ही अलग होती है साथ ही ये तेज धूप में चुभता भी नहीं है। सफेद रंग की शॉर्ट ड्रेस, मैक्सी ड्रेस, लखनवी सूट, अनारकली, साड़ी, शर्ट, पेंसिल स्कर्ट, ट्राउजर आदि आप ट्राई कर सकती हैं।

प्रिंट का रखें खास ख्याल-

गर्मियों में फ्लोरल प्रिंट ज्यादा पसंद किया जाता है। वैसे तो ये प्रिंट बरसात के मौसम में भी पसंद किया जाता है, लेकिन गर्मियों के समय में लाइट कलर के साथ फ्लोरल प्रिंट कूल लुक देता है।

फ्लोरल के अलावा चेक्स, स्ट्राइप्स, ज्योमैट्रिक प्रिंट्स भी आजमाए जा सकते हैं।

कंफर्टेबल हो ड्रेस-

गर्मियों के मौसम में पसीना बहुत आता है इसलिए कोशिश करें कि चुस्त और टाइट फिटेड कपड़े अवॉइड करें। ऐसे में कंफर्टेबल कपड़े पहनने से आपको सुकून मिलेगा। शॉर्ट ड्रेस, मैक्सी ड्रेस, कॉटन टी-शर्ट, प्लाजो, लॉन्ग कुर्ती, प्लीटेड स्कर्ट, व्हाइट शर्ट या लिनेन जैकेट, एसिमिट्रिकल टॉप, कॉटन साड़ी आदि समर के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं।

इवनिंग पार्टी के लिए चुनें ड्रेस-

वैसे तो पार्टी में अक्सर ब्लैक रंग ही पसंद किया जाता है, लेकिन गर्मियों के मौसम में आप कुछ अलग और हटकर पहन सकती हैं। इसमें आप गोल्ड या सिल्वर रंग को भी ट्राई कर सकती हैं। इवनिंग पार्टी के लिए शिफॉन, जॉर्जेट या सिल्क की वन शोल्डर, ऑफ शोल्डर वाली शॉर्ट ड्रेस या मैक्सी ड्रेस भी पहन सकती हैं।

वेडिंग लुक पर दें ध्यान-

गर्मियों के मौसम में शादी के मौके पर भारी ड्रेस और डार्क कलर पहनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इसलिए इस दौरान गोल्ड व सिल्वर के साथ ही ऑलिव ग्रीन, पिंक, पीच जैसे पेस्टल कलर भी पहन सकती हैं। इन रंगों की अनारकली ड्रेस, लहंगा-चोली, ट्रेडिशनल गाउन या साड़ी पहनी जा सकती है।

सरकारी नौकरी

उत्तराखंड को-ऑपरेटिव बैंक में 233 पदों पर भर्ती के लिए आज से आवेदन शुरू

उत्तराखंड को-ऑपरेटिव बैंक की ओर से क्लर्क, कैशियर और मैनेजर पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है। उम्मीदवार वेबसाइट copperative.uk.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :क्लर्क-सह-कैशियर/जूनियर शाखा प्रबंधक/वरिष्ठ शाखा प्रबंधकः ग्रेजुएट।

सहायक प्रबंधकः 55% मार्क्स के साथ ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री।

प्रबंधकः 60% के साथ ग्रेजुएट या 55% के साथ पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री।

आयु सीमा :21 से 42 वर्ष के बीच।

सिलेक्शन प्रोसेस :लिखित परीक्षा कुछ पदों के लिए इंटरव्यू

सैलरी :27,950 - 1,21,450 रुपए प्रतिमाह।

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट cooperative.uk.gov.in पर जाएं।

नवीनतम विकल्प और भर्ती सेक्शन पर क्लिक करें।

यहां आपको क्लर्क/कैशियर और अन्य पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करें लिंक मिलेगा, इस पर क्लिक करें।

सभी डिटेल्स दर्ज करके नेक्स्ट बटन पर क्लिक करें।

अपना फोटो और अंगूठे का निशान अपलोड करें।

फीस जमा करें। आगे की जरूरत के लिए फॉर्म सबमिट कर दें।

बिहार स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी में ढाई हजार से ज्यादा वैकेंसी, आज से शुरू आवेदन

बिहार स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड ने 2600 से अधिक पदों पर भर्ती के लिए 5 अलग-अलग भर्ती नोटिफिकेशन जारी किए हैं। इसके मुताबिक टेक्निशियन ग्रेड-3 के 2000, जूनियर एकाउंट्स क्लर्क के 300, कॉरेस्पॉन्डेंस क्लर्क के 150 पदों समेत कुल 2610 पदों पर भर्ती की जानी है। उम्मीदवार 1 अप्रैल से ऑफिशियल वेबसाइट bsphcl.co.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :उम्मीदवारों को 10वीं पास होने के बाद इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में आईटीआई किया होना चाहिए।

आयु सीमा :

उम्मीदवारों की आयु 31 मार्च 2024 को 18 वर्ष से कम और 37 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। महिला उम्मीदवारों के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष है। अधिकतम आयु सीमा में राज्य के SC/ST/EBC/BC उम्मीदवारों को बिहार सरकार के नियमों के अनुसार छूट दी जाएगी।

सैलरी :9,200 - 58,600 रुपए प्रतिमाह।

सिलेक्शन प्रोसेस :

रिटन एग्जाम,डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशनए मेडिकल एग्जामए असिस्टेंट इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के लिए गेट स्कोर के बेसिस पर सिलेक्शन होगा।

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट bsphcl.co.in पर जाएं।

भर्ती का नोटिफिकेशन पीडीएफ फाइल के माध्यम से डाउनलोड करें।

अप्लाय ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।

मांगी गई जानकारी ऑनलाइन अपलोड करें।

अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें।

फॉर्म सबमिट करें। इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

दिल्ली जिला न्यायालय में ड्राइवर सहित 142 पदों पर वैकेंसी, 10वीं, 12वीं पास को मौका

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से दिल्ली जिला न्यायालय में प्रॉसेस सर्वर, चपरासी, ड्राइवर, चौकीदार समेत अन्य पदों पर भर्ती निकाली गई है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। 18 अप्रैल तक आवेनद कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : 10वीं या 12वीं कक्षा पास।

आयु सीमा : 18 से 27 वर्ष के बीच।

सैलरी : 25,500 – 81,100 रुपए प्रतिमाह, लेवल - 4, ग्रुप - सी के अनुसार।

फीस :सामान्य और ओबीसी वर्ग को 100 रुपए फीस देना होगा। अन्य सभी श्रेणियों को फीस से छूट दी गई है।

सिलेक्शन प्रोसेस :रिटन एग्जाम इंटरव्यू

ऐसे करें आवेदन :

DSSSB की वेबसाइट https://delhidistrictcourts.nic.in/ पर जाएं।

UPSC ने साइंटिस्ट सहित 147 पदों पर निकाली भर्ती, फीस 25 रुपए

संघ लोक सेवा आयोग ने साइंटिस्ट-बी, एंथ्रोपोलॉजिस्ट, असिस्टेंट प्रोफेसर सहित तकरीबन 147 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार इन पदों के लिए ऑफिशियल वेबसाइट upsconline.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

साइंटिस्ट-बी : मास्टर डिग्री और एक साल का एक्सपीरियंस या बी.ई/बी.टेक और 2 साल का एक्सपीरियंस।

मानवविज्ञानी : फाइनल ईयर की परीक्षा में भौतिक मानवविज्ञान या जैविक मानवविज्ञान में 50% से अधिक मार्क्स साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मानवविज्ञान में मास्टर डिग्री। मानवविज्ञान में तीन साल का शोध अनुभव।

असिस्टेंट प्रोफेसर : एमबीबीएस डिग्री, संबंधित स्पेशलिटी या सुपर-स्पेशियलिटी में पीजी डिग्री और 3 साल का अनुभव।

आयु सीमाः पद के अनुसार 50 साल तक।

सिलेक्शन प्रोसेस :एग्जाम इंटरव्यू

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट upsconline.gov.in पर जाएं।

रिक्रूटमेंट बटन पर क्लिक करें।

विशेषज्ञ और अन्य पदों के लिए आवेदन टैब पर क्लिक करें।

निर्देश पढ़ें और फॉर्म भरें।

सबमिट करने पर एक यूनिक नंबर जनरेट होगा।

फीस का भुगतान करें (जहां लागू हो)।

आगे की जरूरत के लिए फॉर्म का प्रिंटआउट लेकर रखें।

तपती गर्मी में करें स्लीवलेस कुर्ती स्टाइल

गर्मी का मौसम आने के साथ ही अब वॉर्डरोब को रिफ्रेश करने का समय भी आ गया है। हाई टेम्परेचर वाले इस मौसम में हमें लाइटवेट और ब्रिजी फीलिंग देने वाले कपड़े पहनना चाहिए, जो हमें कूल और स्टाइलिश लुक दे। स्लीवलेस कुर्ती गर्मी के मौसम में हमें परफेक्ट कंफर्ट देने के साथ ही एक वर्सेटाइल स्टाइलिंग भी देता है। इसके ट्रेंडी आउटफिट को हम प्रोफेशनल वियर, कैजुअल वियर और पार्टी वियर सभी तरह से कैरी कर सकते हैं।

अगर आप वर्सेटाइल पर्सनालिटी रखती हैं, तो जाहिर है कि आपको हमेशा कुछ नया और स्टाइलिश पहनने का मन करता होगा। आपको अपने स्टाइल के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद होगा। स्लीवलेस में ऐसी ही वर्सेटाइल लुक की मिसाल हैं। इस तरह का कुर्ती पहनकर आपको क्लासिक लुक मिलता है और आप एलिगेंट दिखती हैं। इन्हें अलग-

अलग तरह के बॉटम वियर के साथ स्टाइल कर आप इस आउटफिट में कुछ ट्विस्ट भी ला सकती हैं। डिजाइनर साड़ीके और विकल्प यहां देखें।

गर्मी के मौसम में न तो फुल कपड़ा पहनने का मन करता है और न ही हैवी वर्क वाला ड्रेस। ऐसे में हमारी स्टाइल और फैशन प्रॉब्लम्स को सॉल्व करते हैं स्लीवलेस आउटफिट्स। अगर आपको भी अपने फैशन सेंस को अपग्रेड करना हो या फिर एथनिक वियर में कूल एंड स्टाइलिश लुक चाहिए, तो नए डिजाइन की स्लीवलेस कुर्ती पहनकर देखें।

1. जनसया कुर्ता पैंट

यह सी ग्रीन कलर का स्लीवलेस कुर्ता पैंट है, जो ऑफिस पहनकर जाने के लिए एकदम परफेक्ट है। लाइट कलर के इस सूट में आपको क्लासी और एलिगेंट लुक मिलेगा। इस स्लीवलेस कुर्ती में आपको कीहोल नेकलाइन, काफ लेंथ और एम्ब्रॉयडरी वर्क देखने को मिल रहा है।

2. फर्न कुर्ता

फर्न ग्रीन कलर का यह कुर्ता सेट बहुत ही प्यारा एथनिक पीस है। इसका नेकलाइन, प्रिंट डिजाइन, बॉटम वियर सब अट्रैक्टिव है। कुर्ता, प्लाजो और मैचिंग दुपट्टा के साथ आ रहा यह कॉटन का है, जो गर्मी में पहनने के लिए बहुत आरामदायक है।

3. स्टाइल कुर्ता पैंट

गर्मी का मौसम यानी कि अब प्रिंटी प्रिंटेड कॉटन कुर्ती पहना जा सकता है। ऊपर से अगर उस कुर्ती का कलर ऑरेंज हो, तो इससे अच्छी बात क्या हो सकती है। लाइट एंड ब्राइट ऑरेंज कलर काफी यूनिक और अट्रैक्टिव कलर है। ऑरेंज कलर की इस स्लीवलेस कुर्ती को आप सैंडल्स और सनग्लासेज के साथ पेयर कर शीक लुक पा सकती हैं।

वित्त मंत्री का दावा, सही ट्रैक पर है भारत की अर्थव्यवस्था मार्च तिमाही में जीडीपी ग्रोथ रहेगी 8 फीसदी

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि मौजूदा वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर आठ फीसदी या इससे ज्यादा रह सकती है. मुंबई के फाइनेंशियल हब में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निर्मला सीतारमण ने यह दावा किया. गौरतलब है कि कई रेटिंग एजेंसियां भी भारतीय अर्थव्यवस्था को 'दमदार' बता चुकी हैं. हाल ही में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने भी भारतीय जीडीपी के ग्रोथ अनुमान को बढा दिया था.

बेहतर महंगाई प्रबंधन और व्यापक आर्थिक स्थिरता का हवाला देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में भी विकास दर सालाना आधार पर समान दिखने की उम्मीद है. इससे पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में भी औसत वृद्धि दर

आठ फीसदी या इससे ज्यादा होगी. सरकार चौथी तिमाही के आर्थिक आंकड़े 31 मई को जारी करेगी. अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही के दौरान भारत की विकास दर 8.4 प्रतिशत रही है. सरकार के ताजा अग्रिम अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में विकास दर 7.6 प्रतिशत रह सकती है.

एसएंडपी ने भी बढ़ाया था ग्रोथ अनुमान

रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के जीडीपी अनुमान में 40 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी कर 6.8 फीसदी कर दिया है. एसएंडपी ग्लोबल का ये आंकलन फिच के 7 फीसदी से कम है लेकिन मूडीज के 6.8 फीसदी के अनुमान के बराबर ही है. ये सरकार और सेंट्रल बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के 7 फीसदी के अनुमान से भी कम है. एजेंसी ने मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी 7.6 फीसदी रहने का अनुमान जताया है. एस एंड पी ने जहां भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रोथ अनुमान में वृद्धि की है, वहीं चीन की जीडीपी ग्रोथ वित्त वर्ष 2025 में 5.2 फीसदी से घटकर वित्त वर्ष 2025 में 4.6 फीसदी होने की संभावना जताई.

भारतीय अर्थव्यवस्था हासिल कर सकती है 10% की वृद्धि दर

हाल ही में रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा ने कहा था कि भारत अगले दशक में 10 फीसदी की वृद्धि दर हासिल कर सकता है. उन्होंने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा और बदलावों के जरिये चुनौतियों से उबर रहा है. ऐसे में 2032 तक भारत दुनिया दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2050 तक विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है.

भारत के आगे लगा 0, लेकिन वजह जानकर खुश हो जाएगा एक-एक भारतीय, यूएस-जर्मनी पीछे छूटे

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारत लगातार तेजी से विकास की सीढ़ी चढ़ रहा है. जीडीपी ग्रोथ रेट के मामले में देश कई प्रमुख विकासशील देशों से आगे है. अब एक नई रिपोर्ट सामने आई है, इसमें जो बात भारत को लेकर कही गई है वह हर भारतीय को दिल से खुश कर सकती है. यह रिपोर्ट फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने जारी की है. इसका नाम वर्ल्डवाइड रिसेशन प्रॉबेबिलिटी है. इस रिपोर्ट में बताया गया है कि किस देश में मंदी की कितनी आशंका है.

भारत इस मामले में सबसे बेहतर स्थिति है. रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अगले एक साल में मंदी की आशंका 0 परसेंट है. जबकि कई विकसित देशों की स्थिति चिंताजनक दिख रही है. इन देशों में अमेरिका, यूके, जर्मनी और फ्रांस जैसे देश भी शामिल हैं. वहीं, भारत के लिए आने वाला समय काफी उज्जवल दिख रहा है.

कहां कितनी आशंका

जर्मनी में सबसे ज्यादा 73 फीसदी चांस है कि अगले साल तक वहां मंदी आ जाएगी. इसके बाद इटली का नंबर है. इटली के लिए यह आशंका 65 फीसदी है. यूके मंदी की आशंका तीसरी सबसे अधिक है. यूके में 53 मंदी आने के 53 फीसदी चांस हैं. न्यूजीलैंड और कनाडा में यह आशंका 50-50 फीसदी है. अमेरिका भी इसकी चपेट में आता दिख रहा है. अमेरिका में इसकी आशंका 45 फीसदी है. मैक्सिको में मंदी की आशंका 25 फीसदी व स्विट्जरलैंड में 20 फीसदी है. वहीं, स्पेन, जापान, साउथ कोरिया और चीन के लिए भी यह अनुमान 15 फीसदी है.

भारत का आखिरी स्थान

इस लिस्ट में भारत को आखिरी स्थान मिला है. जबकि हम से ऊपर 2 परसेंट के साथ इंडोनेशिया, 10 फीसदी के साथ सऊदी अरब और 10 फीसदी के साथ ही ब्राजील भी है. आपको बता दें कि इंडोनेशिया और ब्राजील दोनों तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाए हैं और जीडीपी ग्रोथ के मामले में भारत से इनका तगड़ा मुकाबला चलता है. साथ ही जो कंपनियां चीन के अलावा अन्य देशों में विकल्प तलाश रही हैं उनके लिए इंडोनेशिया और ब्राजील

यूरोपीय नॉर्डिक-बाल्टिक देशों में निर्यात 10 तो आयात 9.5% बढ़ा, स्वीडन भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। यूरोप के नॉर्डिक-बाल्टिक देशों के समूह के साथ भारत का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। निर्यात में 10.16 फीसदी, जबकि आयात में 9.5 फीसदी की वृद्धि हुई है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के मुताबिक, 2022-23 में इन देशों से भारत का आयात 540 करोड़ डॉलर पार हो गया। वहीं, स्वीडन इन देशों के समूह में भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बन गया है। स्वीडन के साथ भारत ने करीब 269 करोड़ डॉलर का कारोबार किया, इसमें से 96.16 करोड़ डॉलर का निर्यात और 173 करोड़ डॉलर का आयात शामिल है। इसके बाद फिनलैंड के साथ भारत ने 202 करोड़ डॉलर का कारोबार किया। नॉर्डिक देशों में शामिल डेनमार्क और नॉर्वे के साथ भी भारत के द्विपक्षीय कारोबार में खासी बढ़ोतरी हुई है। 2022-23 में डेनमार्क के साथ भारत का द्विपक्षीय कारोबार 168 करोड़ डॉलर व नॉर्वे के साथ 150 करोड़ डॉलर रहा है। वहीं, इस दौरान आइसलैंड के साथ 1.5 करोड़ डॉलर का द्विपक्षीय कारोबार हुआ है। बाल्टिक देशो में 47.2 करोड़ डॉलर के कारोबार के साथ लिथुआनिया सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बनकर उभरा है। इसमें से भारत ने 35.7 करोड़ डॉलर का निर्यात और 11.4 करोड़ डॉलर का आयात किया है।

बिना परमिशन बड़ी कंपनियों की जांच नहीं कर पाएंगे जीएसटी अधिकारी, सीबीआईसी ने जारी किए नए दिशा-निर्देश

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों को अब किसी भी बड़े औद्योगिक घराने या प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले अपने क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्तों की मंजूरी लेनी होगी. उन्हें पहली बार वस्तुओं/सेवाओं पर शुल्क लगाने के लिए भी क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्तों की मंजूरी लेनी होगी. केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) अधिकारियों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं.

इन दिशानिर्देशों के अनुसार जब एक करदाता की जांच राज्य जीएसटी और डीजीजीआई अधिकारी कर रहे हैं, तो प्रधान आयुक्त इस संभावना पर विचार करेंगे कि करदाता के संबंध में सभी मामलों को एक कार्यालय द्वारा आगे बढ़ाया जाए. दिशानिर्देशों में कर अधिकारियों के लिए जांच शुरू होने के एक साल के भीतर जांच पूरी करने की समय सीमा भी तय की गई है. सीबीआईसी ने आगे कहा कि किसी सूचीबद्ध कंपनी या पीएसयू के संबंध में जांच शुरू करने या उनसे विवरण मांगने के लिए सीजीएसटी अधिकारियों को इकाई के नामित अधिकारी को समन भेजने के बजाय आधिकारिक पत्र जारी करना चाहिए.

क्या नहीं करना है?

बोर्ड ने कहा कि इस पत्र में जांच के कारणों का विवरण देना चाहिए और उचित समय अवधि के भीतर दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की मांग करनी चाहिए. इसमें आगे कहा गया है कि कर अधिकारियों को करदाता से वह जानकारी नहीं मांगनी चाहिए, जो जीएसटी पोर्टल पर पहले से ही ऑनलाइन उपलब्ध है. दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि प्रत्येक जांच प्रधान आयुक्त की मंजूरी के बाद ही शुरू की जानी चाहिए.

लिखित में मंजूरी

चार श्रेणियों में जांच शुरू करने और कार्रवाई करने के लिए क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्त की लिखित में पूर्व मंजूरी की जरूरत होगी. इन चार श्रेणियों में किसी भी क्षेत्र/वस्तु/सेवा पर पहली बार कर/शुल्क लगाने की मांग करने वाली व्याख्या के मामले शामिल हैं. इसके अलावा बड़े औद्योगिक घराने और प्रमुख बहुराष्ट्रीय निगम से जुड़े मामले, संवेदनशील मामले या राष्ट्रीय महत्व के मामले और ऐसे मामले जो पहले से ही जीएसटी परिषद के समक्ष हैं, इसमें शामिल हैं।

सरकार की पीएलआई स्कीम ने दिखा दिया अपना कमाल, पाई जबरदस्त सफलता

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। 14 क्षेत्रों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं से दिसंबर 2023 तक 1.06 लाख करोड़ रुपये के निवेश आये हैं. कुल निवेश में औषधि और सौर मोड्यूल का योगदान करीब आधा रहा. सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले साल दिसंबर तक सूचना प्रौद्योगिकी, हार्डवेयर, वाहन और वाहल कल-पुर्जे, कपड़ा और एसीसी (उन्नत रसायन सेल) बैटरी भंडारण जैसे क्षेत्रों में योजना को लेकर प्रतिक्रिया धीमी रही. सरकार ने 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के व्यय के साथ दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं, कपड़ा, चिकित्सा उपकरणों के विनिर्माण, वाहन, विशेष इस्पात, खाद्य उत्पाद, उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल, उन्नत रसायन बैटरी, ड्रोन और औषधि जैसे 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना की घोषणा की.

आंकड़ों के मुताबिक औषधि क्षेत्र ने पिछले साल दिसंबर तक 25,813 करोड़ रुपये आकर्षित किये. यह 17,275 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद से अधिक है. इस क्षेत्र के प्रमुख लाभार्थियों में डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, सिप्ला, ग्लेनमार्क फार्मा, बायोकॉन और वॉकहार्ट लिमिटेड शामिल हैं. जहां तक उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल का संबंध है, कुल निवेश 22,904 करोड़ रुपये रहा. जबकि इस क्षेत्र से 1.10 लाख करोड़ के निवेश की उम्मीद थी. इस क्षेत्र में, पीएलआई लाभार्थियों में शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स, रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर लिमिटेड, अडाणी इंफ्रास्ट्रक्चर और टाटा पावर सोलर शामिल हैं.

कहां कम निवेश मिला?

पिछले साल दिसंबर तक जिन अन्य क्षेत्रों में अच्छा निवेश प्राप्त हुआ, उनमें थोक दवाएं, चिकित्सा उपकरण, खाद्य प्रसंस्करण और दूरसंचार शामिल हैं. सबसे कम निवेश आईटी हार्डवेयर में 270 करोड़ रुपये प्राप्त हुआ, जबकि इस क्षेत्र में 2,517 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद थी. कम निवेश वाले अन्य पीएलआई क्षेत्रों में वाहन और वाहन कल पुर्जे (67,690 करोड़ रुपये के अपेक्षित निवेश के मुकाबले 13,037 करोड़ रुपये), कपड़ा (19,798 करोड़ रुपये के अपेक्षित निवेश के मुकाबले 3,317 करोड़ रुपये) और एसीसी बैटरी स्टोरेज (13,810 करोड़ रुपये के अपेक्षित निवेश के मुकाबले 3,236 करोड़ रुपये) शामिल हैं.

सरकार क्या कर रही आगे के लिए विचार?

एक अधिकारी के मुताबिक सरकार इस पर गौर कर रही है और उन क्षेत्रों के लिए योजना में बदलाव पर विचार कर सकती है जो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं. सरकार ने इस वित्त वर्ष में अक्टूबर तक इलेक्ट्रॉनिक्स और औषधि सहित आठ क्षेत्रों के लिए योजना के तहत 4,415 करोड़ रुपये वितरित किए हैं. पीएलआई योजना का लक्ष्य प्रमुख क्षेत्रों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में निवेश आकर्षित करने के साथ दक्षता सुनिश्चित करना, विनिर्माण को गति देना और भारतीय कंपनियों तथा विनिर्माताओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है.

इनकम टैक्स एक्ट की धारा 43बी(एच) के तहत एमएसएमई पेमेंट

सीए मधुसूदन अग्रवाल

आज सबसे ज्यादा चर्चा का विषय है धारा 43बी(एच) । इस धारा 43बी(एच) के तहत विक्रेता को 15 या 45 दिन में भुगतान करना है । इस विषय पर आपको मैं बता दूं एक ऐसी धारा 43बी(एच) है जिसमें वास्तविक पेमेंट करने पर ही उसका लाभ मिलेगा अन्यथा उस पर टैक्स लगेगा या फिर जिस वित्तीय वर्ष में इसका भुगतान किया जाएगा उसी वित्तीय वर्ष में उसका लाभ मिलेगा, जैसे की कुछ प्रकार के ड्यूटी, कुछ प्रकार के टैक्स, ड्यूटी इंटरेस्ट, एम्प्लाइज का PF,ESI कंट्रीब्यूशन, बोनस, कमिशन, इत्यादि । इसी श्रेणी में एक नया नयी धारा 43बी(एच) को भी जोड़ा गया है।

इस धारा के अनुसार यदि आप सप्लायर का पेमेंट 15 दिन या 45 दिन के भीतर नहीं करते हो तो यह आपकी आमदनी में जोड़ा जाएगा और आपको इस पर इनकम टैक्स भरना होगा । इसका लाभ उस वर्ष में मिलेगा जिस वित्तीय वर्ष में आप इसका पेमेंट करेंगे ।

कई लोगों ने कई प्रकार के सवाल इस पर मुझसे किए हैं उनमें से कुछ महत्वपूर्ण सवालों का जवाब मैं यहां दे रहा हूं ।

यह धारा 43बी(एच) वित्तीय वर्ष 2022-23 से लागू है।

प्रश्नः यह धारा किन पर लागू होती है

उत्तरः यह धारा स्मॉल और माइक्रो एंटरप्राइजेज पर लागू होती है यह धारा ट्रेडर्स और मीडियम इंटरप्राइजेज पर लागू नहीं होती है ।

प्रश्नः कुछ ट्रेडर्स ने भी रजिस्ट्रेशन ले रखा है तो क्या उनको 45 दिन में पेमेंट देना होगा या 15 दिन में पेमेंट देना होगा ।

उत्तरः ट्रेडर्स को यह धारा लागू नहीं होती है। ट्रेडर्स साधारणतः बैंक लोन में इंटरेस्ट और ड्यूटी बचाने के लिए रजिस्ट्रेशन लेते है ।

प्रश्नः जो मैन्युफैक्चरर और सर्विस देने वाले रजिस्टर नहीं है क्या उनको भी यह धारा लागू होती है ।

उत्तरः जो मैन्युफैक्चरर और सर्विस देने वाले रजिस्टर नहीं है उनको यह धारा लागू नहीं होती है । उनके पेमेंट की कोई सीमा इस धारा में नहीं है वे अपने बिजनेस का पेमेंट बिजनेस के टर्म पर कर सकते हैं।

प्रश्नः माइक्रो ओर स्मॉल यूनिट्स की परिभाषा क्या है

उत्तरः जिस बिजनेस की प्लांट,मशीनरी और इक्विपमेंट मैं इन्वेस्टमेंट 1 करोड़ तक है और उसका टर्नओवर 5 करोड़ तक है तो उसे माइक्रो इंटरप्राइजेज कहा जाता है

जिस बिजनेस की प्लांट, मशीनरी और इक्विपमेंट में इन्वेस्टमेंट 10 करोड़ तक है और उसका टर्नओवर 50 करोड़ तक है उसे स्मॉल इंटरप्राइजेज कहां जाता है

इस धारा के लिए आप यह समझ सकते हैं की बिज़नेस लागत 10 करोड़ तक है और उनका टर्नओवर 50 करोड़ तक है उन सभी के लिए धारा 43बी(एच) लागू होती है।

प्रश्नः यह 15 दिन और 45 दिन कब-कब लागू होते हैं

उत्तरः यदि आपका सप्लायर के साथ कोई करार है तब 45 दिन लागू होते हैं अन्यथा 15 दिन में आपको पेमेंट देना होगा । यदि आपका करार 45 दिन से ज्यादा है, उस स्थिति में भी आपको 45 दिन के अंदर ही पेमेंट देना होगा ।

प्रश्नः 15 दिन और 45 दिन कब से लागू होते हैं, क्या यह इनवॉइस की डेट से लागू होते हैं।

उत्तरः नहीं यह इनवॉइस की डेट से नहीं लागू होते हैं यह उस दिन से लागू होते हैं जिस दिन आपने माल प्राप्त कर लिया है सर्विसेज ली है । यदि आपका माल 1st मार्च को ट्रांसपोर्ट में है और आपने उसे रिसीव नहीं किया है तब यह धारा आप पर लागू नहीं होगी।

प्रश्नः यह पेमेंट की 15 दिन या 45 दिन आवशकता साल भर होती है या सिर्फ 31st मार्च को होती है।

उत्तरः यह पेमेंट की 15 दिन या 45 दिन आवशकता साल भर रहती है लेकिन उसका कोई असर नहीं होता है, क्योंकि जिस फाइनेंशियल ईयर में पैसा दिया जाता है उसी फाइनेंशियल ईयर में डिडक्शन मिल जाता है । जैसे की किसी सप्लायर का देय 20 दिसंबर को आता है और आपने उसे 28 फरवरी दे दिया है लेकिन लेट से दिया, फिर भी फाइनेंसियल ईयर समाप्त होने से पहले दे दिया तब उस पर कोई टैक्स नहीं लगेगा । इसलिए 31st मार्च का बकाया यानी कि जो बकाया 15 या 45 दिन का हो और 31st मार्च को ड्यू हो जायेगा वह 31st मार्च के पहले पेमेंट हो जाना चाहिए।

प्रश्नः किसी भी खाते में जो ओपनिंग बैलेंस होता है 1-4-2023 का, क्या उस पर भी यह लागू होता है।

उत्तरः यह धारा ओपनिंग बैलेंस पर लागू नहीं होती है यह 1-4-2023 से लागू होती है इसलिए पिछले साल का बैलेंस इस धारा में नहीं आता है।

प्रश्नः ओपनिंग बैलेंस का पेमेंट नहीं करूं और इस साल में जो खरीदा है सिर्फ उसी का पेमेंट करूं तो क्या यह मान्य होगा।

उत्तरः साधारण तौर पर आप जो भी पेमेंट देंगे वह सबसे पहले ओपनिंग बैलेंस के साथ एडजस्ट होगा और इस साल के परचेज का ड्यू दिखाई देगा ।

प्रश्नः मेरे बिजनेस में किसी बात की डिस्प्यूट हो माल या सर्विस को लेकर क्या करना चाहिए क्या तब भी इस धारा के तहत में पेमेंट देना होगा

उत्तरः यदि आप किसी भी माल सर्विस को लेकर अपने सप्लायर के साथ डिस्प्यूट और आप इसका डिस्प्यूट 15 दिन के अंदर रजिस्टर करवाते हैं तब एमएसएमईडी एक्ट के तहत जिस दिन आपका डिस्प्यूट खत्म हो जाएगा उसी दिन गुड्स की डिलीवरी और सर्विसेज की प्राप्ति माना जाएगा । उस दिन से 15 दिन या 45 दिन के भीतर आपको पेमेंट देना होगा ।

प्रश्नः यदि मैं ड्यू डेट के भीतर सप्लायर को चेक दे देता हूं ,क्या यह मान्य होगा।

उत्तर : यदि आप ड्यू डेट के भीतर सप्लायर को चेक दे देते हैं और उसकी रसीद लेते हैं तो यह मान्य होगा । इसमें शर्त यह है कि किसी भी परिस्थिति में वह चेक बाउंस नहीं होना चाहिए और चेक का समय समाप्त नहीं होना चाहिए।

प्रश्नः क्या मैट कैलकुलेट करते समय इस धारा का डिसएलाउंस आएगा

उत्तर : नहीं, मैट कैलकुलेट करते समय इस धारा का डिसएलाउंस नहीं आएगा। यह धारा सामान्य टैक्स कैलकुलेशन के लिए ही लागू है । यह धारा विशेष टैक्स कैलकुलेशन के लिए लागू नहीं है ।

प्रश्नः हमें कैसे पता चलेगा कि हमारे सप्लायर की यूनिट माइक्रो, स्मॉल या मीडियम है।

उत्तरः इस के लिए आपको अपने सप्लायर का उद्यम आधार नंबर लेना होगा ।आप उद्यम आधार नंबर को एमएसएमई की पोर्टल में जाकर चेक कर सकते हैं । यह सप्लायर के नाम या किसी और जानकारी से नहीं होगा । केवल उद्यम आधार नंबर से ही होगा ।

प्रश्नः क्या यह धारा कैपिटल गुड्स के लिए भी लागू होगी

उत्तरः यह धारा कैपिटल गुड्स के लिए इस उस समय लागू होगी जब आप उसका 100% डिडक्शन प्रॉफिट कैलकुलेशन में लेंगे अन्यथा किसी भी असेट्स के डेप्रिसिएशन का डिसएलाउंस नहीं होगा ।

16 प्रश्नः क्या यह धारा अनुमान से टैक्स लगाने वाली धारा (प्रिजप्टिव टैक्स) 44एडी, 44एई, 44एडीए के लिए भी लागू होती है।

उत्तरः यह धारा प्रिजप्टिव टैक्स के लिए लागू नहीं होती है । 44एडी, 44एई, 44एडीए धाराओं के लिए लागू नहीं होती है । धारा 43बी(एच)केवल साधारण टैक्स में ही लागू होती है ।विशेष टैक्स की धाराओं के लिए लागू नहीं होगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

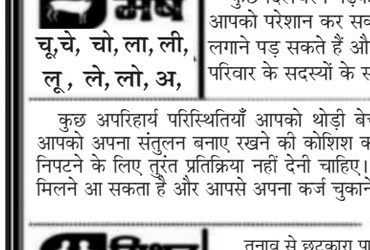

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	में	मीन ..	05-17 बजे
चंद्र-	धनु	में	मेष--	06-53 बजे
मंगल	कुंभ	में	वृष--	08-40 बजे
बुध-	मेष	पें	मिथुन..	10-40 बजे
गुरु-	मेष	में	कर्क...	12-52 बजे
शुक्र-	मीन	में	सिंह...	15-03 बजे
शनि-	कुंभ	में	कन्या..	17-10 बजे
राहु-	मीन	में	तुला.....	19-16 बजे
केतु-	कन्या	में	वृश्चिक..	21-05 बजे
			धनु.....	23-40 बजे
			मकर...	00-45 बजे
			कुंभ....	03-36 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945**, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2550**,हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-14** सूर्यास्त. - **18-25**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच में मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - **21:09** - तक उपरान्त अष्टमी
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष , सोमवार **01 April**
नक्षत्र - मूल- **23 - 11** - तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - वरियान - **20 - 29** - तक उप परिघ
करण- विष्टि - **09 - 25** - तक उप- बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - शीतला सप्तमी बासोडा

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 07:44 से 09:16 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06:14 - 07:44 शुभ	चंचल.	18:25 - 19:56 शुभ
काल	07:44 - 09:16 अशुभ	रोग	19:56 - 21:24 अशुभ
शुभ	09:16 - 10:48 शुभ	काल	21:24 - 22:52 अशुभ
रोग	10:48 - 12:20 अशुभ	लाभ	22:52 - 24:20 शुभ
उत्पात	12:20 - 13:52 अशुभ	उत्पात	24:20 - 01:47 अशुभ
चंचल	13:52 - 15:24 शुभ	शुभ	01:47 - 03:15 शुभ
लाभ	15:24 - 16:56 शुभ	अमृत.	03:15 - 04:43 शुभ
अमृत	16:56 - 18:25 शुभ	चंचल.	04:43 - 06:14 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

कुछ दिलचस्प पढ़कर मानसिक व्यायाम करें। कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है, जिसके कारण आपको अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं और अच्छी खासी रकम भी खर्च होने की संभावना है। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ सुकून भरे पल बिताएँ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

कुछ अपरिहार्य परिस्थितियाँ आपको थोड़ी बेचैनी दे सकती हैं। लेकिन आपको अपना संतुलन बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए और स्थिति से निपटने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। आज कोई लेनदार आपसे मिलने आ सकता है और आपसे अपना कर्ज चुकाने के लिए कह सकता है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

तनाव से छुटकारा पाने के लिए कोई सुखदायक संगीत सुनें। जो व्यापारी काम के सिलसिले में घर से बाहर निकल रहे हैं उन्हें आज अपना पैसा सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए, चोरी होने की आशंका है। आपका कोई करीबी बेहद अप्रत्याशित मूड में होगा। झूठ न बोलें क्योंकि इससे आपका प्रेम संबंध ख़राब हो सकता है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

जब आप किसी पेचीदा स्थिति का सामना करें तो परेशान न हों। जिस प्रकार भोजन का स्वाद नमक के कारण होता है, उसी प्रकार कुछ दुःख भी आवश्यक हैं, तभी आपको ख़ुशी के मूल्य का एहसास होता है। अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक समारोह में भाग लें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

मोतियाबिंद के रोगियों को प्रदूषित वातावरण में जाने से बचना चाहिए क्योंकि धूम्रपान से आपकी आँखों को और अधिक नुकसान हो सकता है। यदि संभव हो तो धूप के अधिक संपर्क में आने से बचें। इस राशि के कुछ जातकों को आज अपने बच्चों के माध्यम से आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

कुछ अपरिहार्य मेहमानों से मिलते समय अपनी भावनाओं को नियंत्रण में रखने का प्रयास करें। समय की मांग आत्म-नियंत्रण है-जो आपके चरित्र का सार है। बेवजह तनाव लेने की जरूरत नहीं है, मुलाकात आपके लिए फायदेमंद रहेगी। आज आप पैसे जमा करने और बचाने का हुनर सीख सकते हैं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

असीम ऊर्जा और उत्साह आप पर हावी रहेगा और आप किसी भी अवसर का उपयोग अपने लाभ के लिए करेंगे। परिवार के छोटे सदस्यों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है, जिसके कारण आपको स्थिति का ध्यान रखना होगा और काफी धन भी खर्च करना पड़ेगा। बच्चों के प्रति आपका कठोर व्यवहार उन्हें परेशान करेगा।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

गुस्से के कारण बहस और टकराव हो सकता है। अधिक ख़र्च करने और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं से बचें। माता-पिता और दोस्त आपको खुश रखने की पूरी कोशिश करेंगे। कोई खास दोस्त आपके आंसू पोछ सकता है। यात्रा से आपके व्यावसायिक संपर्क बेहतर होने की संभावना है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

खासकर क्रॉसिंग पर सावधानी से गाड़ी चलाएं। संयुक्त उद्यमों और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं में निवेश न करें। पारिवारिक तनाव के कारण आपका ध्यान भटकने न पाए। बुरा समय हमें और भी बहुत कुछ देता है। रोमांटिक मामला आज खटाई में पड़ सकता है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

स्वास्थ्य अच्छा रहता है. आज आप अपने परिवार के वरिष्ठों से वित्त प्रबंधन और बचत के बारे में सलाह ले सकते हैं और उसे अपने दैनिक जीवन में इस्तेमाल कर सकते हैं। अपनी राय दूसरों पर न थोपें- विवादों से बचने के लिए आपको दूसरों की बातों को सुनना चाहिए। आज अपने प्रिय के साथ शालीनता से व्यवहार करें।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

दाँत का दर्द या पेट की खराबी आपके लिए कुछ परेशानी खड़ी कर सकती है। तुरंत राहत पाने के लिए डॉक्टर की सलाह लें। अगर आपको लगता है कि आपका पैसा बिना किसी अच्छे कारण के खर्च हो रहा है तो आज आपको एक सही और प्रभावी बजट योजना बनाने की जरूरत है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप पाएंगे कि आपके आस-पास ऐसे लोग हैं जो बहुत ज्यादा मांग कर रहे हैं- जितना आप पूरा कर सकते हैं उससे ज्यादा का वादा न करें- और केवल दूसरों को खुश करने के लिए खुद पर थकान का दबाव न डालें। चूँकि आपने अतीत में बहुत ख़र्च किया है, इसलिए आपको इसका परिणाम अपने वर्तमान में भुगतना पड़ सकता है।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

'मुझे सीएम के साथ फोटो खिंचाना है'

पखांजूर जनसभा में तख्ती लेकर पहुंची मासूम; मुख्यमंत्री साय ने किया सम्मान

रायपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। 'मुझे सीएम के साथ फोटो खिंचवाना है। यही मांग लेकर हाथों में तख्ती थामे मासूम बच्ची छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की चुनावी सभा में पहुंची। फिर क्या था सभा में मौजूद सभी लोगों की नजर उस प्यारी से बच्ची पर टिकी की टिकी रह गई।

सीएम साय भी अपने आप को नहीं रोक पाये। बच्ची की इस मांग को पूरा करते हुए उन्होंने अपने पास बुलाया और प्यार से दुलारते हुए उसे बुके देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री साय ने सुरक्षाकर्मियों को भेजकर बच्ची को मंच पर बुलाकर उसके साथ फोटो खिंचवाया और उस पर स्नेह उड़ेलते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं की। इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पखांजूर के बांदे में चुनावी सभा को संबोधित करते सीएम कांग्रेस पर जमकर बरसे। कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि वादाखिलाफी उसकी फितरत है,उनका मूल चरित्र भ्रष्टाचार है। पूर्व सरकार ने केवल प्रदेश में भ्रष्टाचार किया। जिसकी जांच चलने से कांग्रेसी तिलमिलाये हुये हैं। हमने छत्तीसगढ़ के 90 विधानसभा क्षेत्र में बूथ विजय अभियान की शुरुआत कर दी है। इस अभियान के तहत एक-एक कार्यकर्ता कम से कम 10 मतदाता घरों तक पहुंचेंगे।

सीएम ने कहा कि लोकसभा चुनाव में अब कुछ ही दिन रह गए हैं। हमें जी-तोड़ मेहनत कर मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। आज दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हमारे प्रधानमंत्री हैं। उनकी वजह से 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। मोदी ने सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास को मूल मंत्र मानते हुए काम किया है। आप सभी स्वयं को महेश कश्यप मानकर मतदाताओं के घर-घर जाएं और उन्हें भाजपा की नीतियों और योजनाओं के लाभ के बारे में बताएं।

निशिकांत दुबे पर खएश, मेडिकल कॉलेज हड़पने का आरोप

पत्नी-बेटे समेत 9 के खिलाफ कंप्लेन; बीजेपी सांसद बोले-आरोप साबित हुआ तो राजनीति छोड़ दूंगा

देवघर, 31 मार्च (एजेंसियां)। गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे पर मेडिकल कॉलेज हड़पने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई गई है। सांसद के साथ-साथ उनकी पत्नी अनामिका गौतम सहित नौ लोगों पर परित्राण मेडिकल कॉलेज हड़पने का आरोप लगाते हुए जसीडीह थाने में मामला दर्ज कराया गया है।

मेडिकल कॉलेज के मालिक और बावनबिघा कस्टर टाउन देवघर के रहनेवाले शिव दत्त शर्मा (शंभु शर्मा) ने मामला दर्ज कराया है। जिसमें परित्राण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को साजिश के तहत हड़पने, धोखाधड़ी करने सहित अन्य धारा 406, 409, 420, 467, 468, 471, 120बी, 34 के तहत शिकायत की गई है।

थाने में शिकायत दर्ज होने पर आपत्ति जताते हुए गोड्डा से भाजपा प्रत्याशी निशिकांत ने कहा कि अगर झारखंड पुलिस आरोप साबित कर दे तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

दर्ज शिकायत में क्या कहा गया

दर्ज एफआईआर के मुताबिक शिव दत्त शर्मा जसीडीह थाना क्षेत्र के दर्दमारा के दम्मा के पास परित्राण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) खोलने वाले थे। कॉलेज भवन बनकर तैयार हो गया। इस कॉलेज को संचालन के लिए पीएनबी की अगुआई में बैंकों के संघ ने 93 करोड़ रुपए के ऋण को मंजूर किया।

लेकिन साल 2009 मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया ने नियमों में बदलाव किया। इस बदलाव की शर्तों को पूरा नहीं कर पाने की वजह से कॉलेज खोलने की अनुमति नहीं मिल सकी। कॉलेज नहीं खुलने की वजह से बैंक ने मेरे लोन खाते को एनपीए घोषित कर दिया। बिना मेरी किसी गलती के बैंक कंसोर्टियम द्वारा समझौते का पालन न करने की बात कही गई।

दर्ज एफआईआर में शिव दत्त शर्मा (शंभू शर्मा) ने कहा है कि इस बात की जानकारी सांसद निशिकांत और उनकी पत्नी अनामिका को हुई तो उन्होंने मालिक बनने की इच्छा जाहिर की। सांसद निशिकांत दुबे ने यह कहकर मेरा विश्वास जीता कि वो पीएमसीएच के लिए एक साझेदार ढूंढेंगे और इसे वित्तीय संकट से उबारेंगे।

सांसद और उनकी पत्नी ने बना लिया नया ट्रस्ट

जिसके बाद 24 जून को उन्होंने कॉलेज के सभी दस्तावेज सौंपने की बात कही। कागजी कार्रवाई की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए 25 लाख रुपए की मांग की। जिसे उन्होंने दो महीने में वापस करने का वादा किया।

इसके बाद मैंने उन्हें 20 लाख रुपए भी दिए। दर्ज एफआईआर में बताया गया है कि परित्राण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) परित्राण ट्रस्ट के तहत संचालित होना था। लेकिन बीते साल दिसंबर के दूसरे सप्ताह में मुझे पता चला कि 22 नवंबर 2023 को बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट नाम से एक नया ट्रस्ट पंजीकृत किया गया है। जिसका मुख्य कार्यालय धवनदीप बिल्डिंग, जंतर मंतर रोड, नई दिल्ली में है। जिसकी मालकिन अनामिका गौतम हैं, जबकि उनके दो बेटे ट्रस्टी हैं।

नक्सलियों ने लौह अयस्क से भरे ट्रकों को लगाई आग

पूरे इलाके में दहशत का माहौल

नारायणपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। नारायणपुर जिले के छोटे डोंगर में एक बार फिर नक्सलियों ने उत्पात मचाया है। आमदई माइंस की लौह अयस्क भरी चार ट्रकों को नक्सलियों ने आग के हवाले कर दिया है। छोटेडोंगर थाना से महज कुछ ही दूरी पर नक्सलियों ने घटना को अंजाम दिया है। छोटेडोंगर के हाई स्कूल के पास चारों ट्रक खड़े थे, जहां बीती रात नक्सलियों ने आग के हवाले कर दिया है। नक्सलियों की इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

गौरतलब हो कि बीते कल ही नारायणपुर के अबूझमाड़ के जंगलों में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हुई थी। एंटी नक्सल ऑपरेशन में निकले जवानों के साथ 48 घंटे के अंदर तीन बार मुठभेड़ हुई थी। जहां जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली भाग निकले थे।

इलाके में सर्चिंग करने पर घटना स्थल से भारी मात्रा में नक्सली सामग्री बरामद किया गया था। वहीं जवानों ने पांच किलो के आईडी बम को निष्क्रिय किया था।

40 लोगों से भरी पिकअप पलटी

महिला समेत 2 की मौत, 15 की हालत गंभीर; बेटी को लेने उसकी ससुराल जा रहे थे

बिलासपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है. यहां 40 लोगों से भरी एक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई. हादसे में एक महिला और एक बुजुर्ग समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 लोग घायल हो गए, जिनमें से 15 की हालत गंभीर है. ये लोग शादी के बाद पहली बार अपनी बेटी को चौथिया के लिए लेने ससुराल जा रहे थे.

40 लोगों से भरी पिकअप पलटी

मामला कोटा थाना क्षेत्र का है. जानकारी के मुताबिक बेलगहना क्षेत्र के ग्राम सोनपुरी निवासी रामायण भानू की बेटी की शादी 2 दिन पहले मटियाडांड में हुई थी. शनिवार को परिवार के लोग बेटी की पहली विदाई के लिए उसकी ससुराल जा रहे थे. इसी दौरान एक बड़ा हादसा हो गया जिसमें दो लोगों की जान चली गई. आपको बता दें कि पिकअप में 40 लोग सवार थे.

दिल्ली से रायपुर पहुंचे टेनिस कोच की मौत

पड़ा दिल का दौरा; खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने आया था राजधानी

रायपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली से रायपुर आये टेनिस कोच को दिल का दौरा पड़ने पर मौत हो गई। राजधानी के जोरा स्थित न्यू इंटरनेशनल टेनिस स्टेडियम में खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देते समय टेनिस कोच शरद कुमार राजपूत को दिल का दौरा आया। इस दौरान टेनिस कोर्ट में ही उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 29 मार्च की शाम लगभग साढ़े पांच बजे उनकी मौत हुई है।

मृतक दिल्ली से एशियन अंडर 14 टेनिस प्रतियोगिता में शामिल होने रायपुर पहुंचे हुए थे। वे जब खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दे रहे तब अचानक जमीन पर गिरे गए। इस दौरान उसे सीपीआर देने की कोशिश की गई। साथ ही मौके पर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन जान नहीं बची। वहीं मौजूद

खिलाड़ी घटना को देखकर दंग रह गए।

टेनिस संघ के महासचिव गुरुचरण सिंह होरा ने घटनाक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देते समय वे अचानक जमीन पर गिर पड़े। तुरंत सीपीआर देने की कोशिश की गई। आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बची। उन्होंने बताया कि शरद राजपूत छतरपुर साउथ दिल्ली के रहने वाले थे। वे दिल्ली के जाने-माने टेनिस परिवार के सदस्य थे।

टूर्नामेंट कोर्डिनेटर रूपेंद्र चौहान ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद उनके पार्थिव शरीर को दिल्ली से आए उनके परिजनों को सौंपा गया है। परिजन शव को लेकर वायुमार्ग से दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। रविवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। आइटीएफ जूनियर के पुरस्कार वितरण से पहले छत्तीसगढ़ टेनिस के पदाधिकारियों की उपस्थिति में खिलाड़ियों ने उन्हें दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी है।

सरयू राय व कृष्णा अग्रवाल को धमकी

वायरल ऑडियो में गालियों की भरमार

रांची, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनतंत्र मोर्चा के संरक्षक सरयू राय को एक आडियो में धनबाद के गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम से धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। इसके बाद भाजमो के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने एक बयान जारी कर कहा है कि इस आडियो की जांच होनी चाहिए और इसपर कार्रवाई होनी चाहिए। धर्मेंद्र तिवारी ने अपने बयान में सरयू राय और व्यवसायी कृष्णा अग्रवाल की सुरक्षा की मांग की है।

उन्होंने प्रदेश की सरकार से इस मामले में त्वरित कार्रवाई कर ऐसी शक्तियों को रोकने की मांग की

है। बयान में भाजमो की तरफ से एक आडियो का हवाला दिया गया है, जिसमें धनबाद का गैंगस्टर प्रिंस खान विधायक सरयू राय और व्यवसायी कृष्णा अग्रवाल को अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए धमकी दे रहा है। दैनिक जागरण आडियो की सत्यता व प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

इस मामले में धनबाद के एसएसपी एचपी जनार्दनन ने बताया कि इस मामले की कोई शिकायत मौखिक या लिखित उनसे किसी ने नहीं की है। इंटरनेट मीडिया से जानकारी मिली है। उसकी जांच होगी। साथ ही कृष्णा अग्रवाल को सुरक्षा दी जाएगी।

वायरल आडियो में गालियों की भरमार के बीच धमकी देनेवाला व्यक्ति कह रहा है कि एक पिछड़ा नेता को टिकट मिला है तो कुछ लोगों के पेट में दर्द होने लगा है। आडियो के आधार पर विधायक सरयू राय ने भी धनबाद एसएसपी को मोबाइल पर संदेश भेजते हुए आग्रह किया है कि वे कृप्या आवाज की पहचान कर कार्रवाई करें।

झारखंड में सीट बंटवारे को लेकर इंडिया में तनाव!

कांग्रेस के बाद अब भाकपा माले ने मैदान में उतारे उम्मीदवार

रांची, 31 मार्च (एजेंसियां)। आइएनडीआइ गठबंधन में सीट शेयरिंग पर फैसला नहीं होने के बावजूद लोकसभा सीटों पर गठबंधन दल की पार्टियां अपना-अपना प्रत्याशी उतारना शुरू कर दी है। भाकपा माले ने झारखंड में कोडरमा लोकसभा सीट पर बगोदर के विधायक विनोद सिंह को उतारा है।

विनोद सिंह पहली बार पार्टी की टिकट से वर्ष 2005 में बगोदर से विधायक बने थे। इसके बाद वर्ष 2009 व 2019 में विधायक बने। इस बार पार्टी ने उन्हें कोडरमा लोकसभा सीट पर प्रत्याशी बनाया है।

इधर, सीट शेयरिंग पर फैसला नहीं होने के बावजूद कांग्रेस ने भी झारखंड की तीन लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। इनमें खूंटी से कालीचरण मुंडा, लोहरदगा से सुखदेव भगत व हजारीबाग से जयप्रकाश भाई पटेल को कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

महागठबंधन में नहीं मिला भाकपा को जगह

भाकपा को महागठबंधन में जगह नहीं मिला है। यही वजह है कि पार्टी ने झारखंड की आठ लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ये सीटें रांची, हजारीबाग, लोहरदगा, चतरा, पलामू, गिरिडीह, दुमका व जमशेदपुर हैं। इनमें लोहरदगा, पलामू, चतरा व दुमका सीट के लिए प्रत्याशियों के चयन का कार्य पूरा हो गया है।

अन्य सीटों के प्रत्याशियों का चयन चल रहा है। एक-दो दिनों के भीतर पार्टी अपने सभी आठ सीटों के प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर देगी।

पलामू में ऑनलाइन जुआ खेलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

पुलिस ने 30 मोबाइल; पॉच लैपटॉप- 9 कंप्यूटर सेट किए जब्त

पलामू, 31 मार्च (एजेंसियां)। पलामू पुलिस ने आनलाइन जुआ खिलाने के गिरोह का उद्भेदन किया है। यह मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत चियांकी स्थित राधिका निवास के पहले तल पर आनलाइन बेटिंग एप्प के माध्यम से लोगों को जुआ खिलाते थे। पुलिस ने गिरोह के 13 सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

इसमें चतरा जिला के सिमरिया निवासी मुकेश कुमार, रांची के अरगोड़ा निवासी आनंद कुमार, अमित कुमार, रामगढ़ जिला के मांडू निवासी राजेश कुमार, रांची रवि स्टील का रोहित कुमार सोनी, बिहार के सिवान जिला के मैरवा निवासी ऋषिराज सिंह, उतरप्रदेश के देवरिया जिला के लार निवासी अविनाश कुमार, हजारीबाग के केरेडारी निवासी सुशील कुमार सोनी, मनीष कुमार, नीरज कुमार, हजारीबाग के चरही निवासी विकास कुमार महतो, पिंटू कुमार व पलामू के मेदिनीनगर सदर थाना के जमुने गांव निवासी पारसनाथ प्रजापति शामिल हैं।

पुलिस ने उनके पास से सिम समेत 30 मोबाइल, पांच लैपटाप, नौ कंप्यूटर सेट, नौ यूपीएस, नौ राउटर, पांच सीमकार्ड बरामद किया है। इस संबंध में सदर थाना कांड संख्या 24/2024, दिनांक 30.03.2024 भादवि की धारा 420, 34,आइटी एक्ट 66 डी व 11 बंगाल गेमिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया है। पलामू की एसपी रीष्मा रमेशन ने पुलिस कार्यालय सभागार में प्रेस वार्ता की।

बिगड़ने वाला है झारखंड का मौसम

अगले दो दिन इन 8 जिलों में होगी बारिश

रांची, 31 मार्च (एजेंसियां)। पिछले तीन चार दिनों से राजधानी रांची व आसपास के जिलों में गर्मी से जहां आम जनजीवन का हाल बेहाल है, वहीं मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने राहत भरी सूचना दी है।

केंद्र के अनुसार अगले दो दिनों के अंदर निकटवर्ती व मध्य हिस्से यानी रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो, खूंटी के अलावा दक्षिणी हिस्से यानी पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा व सरायकेला-खरसावां में कहीं-कहीं मेघगर्जन व वज्रपात के साथ वर्षा होने का पूर्वानुमान है। इसे लेकर यलो अलर्ट भी जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में वर्षा होने के बाद 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक तापमान में गिरावट के संकेत हैं।

इसके बाद राजधानी समेत पूरे राज्य में 1 से 5 अप्रैल तक आसमान के साफ रहने और मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। मार्च महीने में ही लोगों के पसीने छूट रहे हैं।

30 से 40 किमी प्रतिघंटे की गति से हवा चलने का अनुमान

चिलचिलाती धूप ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद की माने तो दो दिनों तक राजधानी व आसपास के जिलों में 30 से 40 किमी प्रतिघंटे की गति से हवा बहने और आंशिक बादल छाए रहने का पूर्वानुमान है।

मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने भी अलर्ट जारी करते हुए लोगों से अपील की है कि तेज हवा बहने के दौरान सावधान रहें। सुरक्षित स्थान में शरण लें, बिजली के खंभों से दूर रहें। साथ ही किसान अपने खेतों में न जाएं एवं मौसम सामान्य होने की प्रतीक्षा करें। बताया कि बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव का असर 31 मार्च को देखने को मिल सकता है। राज्य के अधिकांश जिलों में वर्षा होने की संभावना है।

झारखंड के लिए लालू-तेजस्वी का क्या है प्लान?

चुनाव से पहले इस नेता को दी बड़ी जिम्मेदारी

रांची, 31 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष संजय प्रसाद सिंह यादव ने कैलाश यादव को पार्टी का प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी के पद पर मनोनीत किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि कैलाश यादव जनप्रिय नेता हैं। ये पूर्व में भी राजद में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।

अपने अनुभव का इस्तेमाल कर संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे एवं एक प्रखर वक्ता के तौर पर विपक्ष के जनविरोधी व नकारात्मक कार्यशैली को बेनकाब करने का काम करेंगे।

महासचिव और मीडिया प्रभारी बनने पर कैलाश यादव ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव बिहार में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव,

प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, प्रदेश अध्यक्ष संजय प्र सिंह यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

गालूडीह के बड़ाखुर्शी पंचायत के सालबनी गांव के हरी मंदिर एवं जोरिसा पंचायत के जोरिसा दुर्गा मंदिर परिसर स्थित हरी मंदिर में 24 प्रहर हरिनाम संकीर्तन शुरू हुआ। दोनों गांव के 24 प्रहर कीर्तन में झामुमो के वरीय नेता आस्तिक महतो शामिल हुए।

कीर्तन में शामिल होकर भगवान श्री कृष्ण एवं राधा माता की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख शांति की कामना की। कीर्तन मंडली संग कीर्तन गीत गाने के उपरांत महाप्रसाद ग्रहण किया।

मौके पर झामुमो नेता करुणाकर महतो, अवनी महतो, धीरेंद्र नाथ महतो, लखपति गिरी, मृत्युंजय गिरी, मोतीलाल प्रमाणिक, उत्तम कुमार बेरा, वृंदावन सिंह, विमल सतपति उपस्थित थे।

न कोई महामारी, न हिंसा

फिर क्यों अमेरिका के लिए चीन को जारी करनी पड़ी ट्रैवल एडवाइजरी?

वॉशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन के बीच टकराव की बात किसी से छिपी नहीं है। हालांकि, पिछले कुछ वक्त से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है, जिसका सीधा असर अमेरिका की यात्रा करने वाले चीनी नागरिकों पर दिख रहा है। यही वजह है कि अब चीन को उन लोगों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी करनी पड़ी है, जो अमेरिका की यात्रा करने वाले हैं। उनसे कहा गया है कि वे तलाशी समेत सभी संभावित परेशानी भरे हालातों के लिए तैयार रहें। दरअसल, चीन के विदेश मंत्रालय ने वीचैट अकाउंट पर अमेरिका से जुड़ी ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। चीनी मीडिया में दावा किया जा रहा है कि चीनी छात्रों और कंपनी के कर्मचारियों के अमेरिका पहुंचने पर एयरपोर्ट अधिकारी उनसे बहुत ज्यादा पूछताछ कर रहे हैं। कहा ये भी जा रहा है कि चीनी नागरिकों को अमेरिकी एयरपोर्ट्स पर उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। इसके बाद ही विदेश मंत्रालय की तरफ से ट्रैवल एडवाइजरी जारी की गई है, ताकि लोग सावधान रहें। अमूमन ट्रैवल एडवाइजरी तभी जारी की जाती है, जब कोई महामारी हो या फिर किसी देश में हिंसा की संभावना हो। मगर चीन ने नागरिकों के साथ हो रहे बर्ताव से परेशान होकर ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। हालांकि, चीन अपने नागरिकों के साथ हो रहे बर्ताव से परेशान होकर ये कदम उठाने पर मजबूर हुआ है।

चीनी नागरिकों को दूतावास से कॉन्टैक्ट करने की मिली सलाह

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रैवल एडवाइजरी में कहा गया है कि जिन नागरिकों को अमेरिका में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वो तुरंत चीनी दूतावास या महावाणिज्य दूतावास से कॉन्टैक्ट करें। हाल ही में बायोलॉजिकल साइंस में पीएचडी करने वाली एक चीनी छात्रा को पढ़ाई के लिए अमेरिका पहुंचने पर डिपोर्ट कर दिया गया। उसके पूरे शरीर की जांच की गई और 12 घंटे तक एकांत में रखा गया। इस तरह की घटना कई चीनी छात्रों के साथ हुई है।

अमेरिका दिखा रहा शीत युद्ध की मानसिकता: चीन

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने दोनों देशों के बीच आदान-प्रदान को बाधित करने के लिए अमेरिका की आलोचना की। उन्होंने अमेरिका की हरकत को शीत युद्ध की मानसिकता करार दिया। इसी तरह से मंत्रालय के एक और प्रवक्ता वांग वेनबिन ने अमेरिका पर एकेडमिक रिसर्च और हथियार बनाने और द्विपक्षीय संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डालने का आरोप लगाया।

जिनपिंग ने अमेरिकी छात्रों के लिए बनाई योजना

भले ही दोनों मुल्कों के बीच तनाव है, लेकिन फिर भी चीन और अमेरिका ने एजुकेशन और कल्चरल आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में दिलचस्पी दिखाई है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नवंबर में अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान अगले पांच सालों में 50 हजार अमेरिकियों को चीन में पढ़ने के लिए बुलावा देने की योजना का ऐलान किया। चीन ने अमेरिका के साथ स्टूडेंट एक्सचेंज और दोनों देशों की यूनिवर्सिटीज के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए भी बात की है।

थाईलैंड की सड़कों पर बंदरों के दो गुटों में झड़प, लोगों के बीच मची भगदड़

लोपबुरी, 31 मार्च (एजेंसियां)। थाईलैंड में बंदरों की आबादी इतनी ज्यादा हो गई है कि लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। थाईलैंड के तटीय क्षेत्रों में बंदरों की अधिक संख्या होने की वजह से पर्यटकों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बार बंदर इतने हिंसक हो जाते हैं कि उन्हें रोक पाना बहुत मुश्किल होता है। सोशल मीडिया पर इस समय एक ऐसा ही वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सैकड़ों बंदरों का दो झुंड बीच सड़क पर लड़ते नजर आ रहा है। वहीं, आम लोग इधर उधर जान बचाकर भागते नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि लोपबुरी शहर बंदरों के दो गैंग के बीच झड़प हो रही है। वहीं, अधिकारी अराजकता को खत्म करने के लिए जुट गए हैं और वर्तमान में प्राइमेट्स को स्थानांतरित करने का प्रयास कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में वहां के प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण मंत्री पटारावत वोंगसुवान ने डिप्टी सरकारी प्रवक्ता केनिकर ओनजीत के जरिए कहा कि क्षेत्र में बंदरों की नसबंदी कर उन्हें स्थानांतरित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया कि ये बंदर लोगों का खाना चुरा लेते हैं और लोगों को परेशान भी करते हैं। साल 2017 में बंदरों की संख्या पर लगाम लगाने की कोशिश की गई थी, लेकिन सारी कोशिशें फेल हो गई थी।

इंदौर से काशी के लिए डायरेक्टर फ्लाइट शुरू

काशी विश्वनाथ मंदिर और उज्जैन महाकाल लोक के दर्शन हुए आसान

इंदौर, 31 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर एयरपोर्ट ने एक और नई सौगात दी है। इंदौर में आज से इंदौर-वाराणसी के बीच सीधी उड़ान फ्लाइट शुरू हो गई है। इंडिगो एयरलाइंस इस फ्लाइट का संचालन कर रही है। इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार सप्ताह के सातों दिन इंडिगो द्वारा इस फ्लाइट का संचालन किया जाएगा। पहले भी इंडिगो इंदौर-वाराणसी के लिए सीधी उड़ान का संचालन करती थी लेकिन कोरोना काल के दौरान यह फ्लाइट बंद हो गई थी। अब यात्रियों की मांग को देखते हुए कंपनी ने इसे दोबारा शुरू करने का फैसला किया है।

धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन ने बताया कि इस फ्लाइट से धार्मिक पर्यटन को सबसे ज्यादा बढ़ावा मिलेगा। इंदौर से वाराणसी फ्लाइट शुरू होने से इंदौर के आसपास के लोगों को भी फायदा मिलेगा। कुछ समय पहले काशी विश्वनाथ मंदिर और कॉरिडोर को नए रूप में तैयार किए जाने के बाद यहां जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ गई है। इसी तरह उज्जैन में महाकाल लोक के निर्माण के बाद भी यही हाल है। दोनों ही ज्योर्तिलिंगों में बड़ी संख्या में भक्त आ रहे हैं। इस फ्लाइट के शुरू होने से दोनों ज्योतिर्लिंग हवाई मार्ग से भी जुड़ जाएंगे और भक्तों को काफी सुविधा होगी। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के एक और शहर से इंदौर का कनेक्शन भी जुड़ जाएगा। यदि किसी को एक ही दिन में लौटना हो तो यह फ्लाइट काफी सुविधाजनक रहेगी।

न्यायाधीश की बेटी पर पोस्ट कर फंसे डोनाल्ड ट्रंप

मैनहट्टन के वकीलों ने लगाया गैग का उल्लंघन करने का आरोप

वॉशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। वह कई मुकदमे में अदालतों के चक्कर काट रहे हैं। इस बार हश-मनी मामले में डोनॉल्ड ट्रंप मुश्किल में पड़ते नजर आ रहे हैं। दरअसल, मैनहट्टन अभियोजकों ने शुक्रवार को सुझाव दिया कि ट्रंप ने हाल ही में न्यायाधीश की बेटी पर हमला करके और सोशल मीडिया पर उसके बारे में झूठा दावा करके एक गैग आदेश का उल्लंघन किया हैं।

गैग आदेश के दायरे को स्पष्ट करें

न्यायाधीश जुआन एम। मर्चन ने मंगलवार को जांच का एक आदेश जारी किया था। साथ ही पूर्व राष्ट्रपति को अदालत से जुड़े कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों पर हमलों से तुरंत बचने का निर्देश दिया गया था।अब मैनहट्टन जिला अटॉर्नी के कार्यालय ने गैग आदेश के दायरे को स्पष्ट करने के लिए कहा है।

सजा दी जानी चाहिए

सहायक जिला अटॉर्नी जोशुआ स्टींगलास ने मर्चन को लिखे एक पत्र में तर्क दिया कि अदालत के कर्मचारियों या उनके परिवारों को परेशान करने वाले बयानों पर प्रतिबंध लगाने से ट्रंप की बयानबाजी बंद हो सकती है।उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप अगर आगे उल्लंघन करते हैं तो उन्हें सजा दी जानी चाहिए।

ट्रंप के वकीलों का यह तर्क

इस पर ट्रंप के वकीलों ने तर्क दिया कि जिला अटॉर्नी का कार्यालय आदेश की गलत व्याख्या कर रहा है। यह आदेश उन्हें एक राजनीतिक सलाहकार लॉरेन मर्चन के बारे में टिप्पणी करने से नहीं रोकता है। बता दें, लॉरेन ने ट्रंप के प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रपति जो बाइडन और अन्य डेमोक्रेट के लिए अभियानों पर काम किया है। ट्रंप के वकील टॉड ब्लैंच और सुसान नेशेल्स ने अभियोजन पक्ष के पत्र के जवाब में मर्चन को लिखा, 'अदालत राष्ट्रपति ट्रंप को ऐसा कुछ करने का निर्देश नहीं दे सकती, जहां गैग आदेश की जरूरत नहीं है। गैग ऑर्डर के अर्थ को स्पष्ट या पुष्टि करने के लिए जिस तरह से लोग सुझाव देते हैं, उसका विस्तार करना होगा।

यह है मामला

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बुधवार को एक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि मर्चन ट्रंप को लाने के लिए पैसे बनाने का काम कर रही हैं। साथ ही ट्रंप ने गलत तरीके से उन्हें सलाखों के पीछे दिखाते हुए एक फोटो पोस्ट करने का आरोप लगाया। वहीं, न्यूयॉर्क की स्टेट कोर्ट सिस्टम के एक प्रवक्ता का कहना है कि ट्रंप का दावा झूठा है। वह जिस सोशल मीडिया अकाउंट का जिक्र कर रहे हैं, वह अब लॉरेन मर्चन का नहीं है।

आखिर क्या है हश-मनी?

आपको बता दें कि किसी को ब्लैकमेल करने या मुंह बंद करने के लिए दी जाने वाली राशि को 'हश-मनी' कहा जाता है। जानकारी के मुताबिक न्यूयॉर्क के एक न्यायाधीश ने डोनाल्ड जे। ट्रंप के उस प्रयास को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने एक पोर्न स्टार को चुपचाप पैसे देकर उनके खिलाफ लगाए गए आपराधिक आरोपों को खारिज करने की मांग की थी। इस मामले में अब अगले महीने के लिए सुनवाई की तारीख तय की गई है। न्यायाधीश जुआन एम। मर्चन ने लोअर मैनहट्टन अदालत कक्ष में सुनवाई के दौरान इस निर्णय की घोषणा की, जब ट्रंप बचाव पक्ष की मेज से कार्यवाही को देख रहे थे।

रूस के ताबड़तोड़ हमलों के बीच यूक्रेन में हलचल

जेलेंस्की ने अपने सहयोगी और कई सलाहकारों को बर्खास्त किया

कीव, 31 मार्च (एजेंसियां)। यूक्रेन और रूस के बीच हो रही जंग को 2 साल से ज्यादा का समय हो गया है। हाल ही में रूस ने यूक्रेन पर एक बार फिर कई हमले किए इसी बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने लगातार अपने सहयोगियों में फेरबदल किया है। इस दौरान 30 मार्च को वलोडिमिर जेलेंस्की ने लंबे समय के सहयोगी और कई सलाहकारों को उनके पद से बर्खास्त कर दिया। रूस के किए इन हमलों में यूक्रेन को काफी नुकसान का सामना करना पड़ा है। रूस ने यूक्रेन पर हाल के दिनों में लगातार कई हमले किए, जिसमें रूसी सेना ने यूक्रेन पर पिछले 24 घंटों में 38 मिसाइलें, 75 हवाई हमले और कई रॉकेट लॉन्चरों से 98 हमले किए। इस हमले के बाद से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने लंबे समय से कार्यरत कुछ सहयोगियों को उनके पद से हटा दिया। इस दौरान

जेलेंस्की ने अपने टॉप सहयोगी सेरही शेफिर को उनके पहले सहायक के पद से बर्खास्त कर दिया, सेरही शेफिर अपने पद पर साल 2019 से कार्यरत थे। इसके साथ ही तीन एडवाइजर और 2 प्रेसिडेंशियल रिप्रेजेंटेटिव को भी उनके पद से जाने दिया। प्रेसिडेंशियल रिप्रेजेंटेटिव वॉलेंटियर एक्टिविटी और सैनिकों के अधिकारों की देखरेख का काम करते थे।

नहीं बताई बर्खास्त करने की वजह

हालांकि किसी ने भी इस रिशफल की कोई बी वजह नहीं बताई है और न ही कोई स्पष्टीकरण दिया है। इसी कड़ी में 8 फरवरी को ओलेक्सी डेनिलोव को भी बर्खास्त कर दिया गया जो कि नेशनल सिक्योरिटी और डिफेंस काउंसिल के सचिव के तौर पर कार्यरत थे, इनके साथ ही आर्म फोर्स के हेड वेलेरी जालुजनी को भी बर्खास्त कर दिया गया है। वैलेरी जालुजनी को मार्च की शुरुआत में यूनाइटेड किंगडम में यूक्रेन का राजदूत नियुक्त किया गया था।

यूक्रेन को हो रहा काफी नुकसान

यूक्रेन की फोर्स ने बताया कि 30 मार्च को रूस ने हमला किया जिसमें रूसी सेना ने 12 शहीद ड्रोन लॉन्च किए। इन ड्रोन में से 9 ड्रोन को मार कर गिरा दिया गया जबकि पूर्वी यूक्रेन में 4 मिसाइल लॉन्च की गई थी। क्षेत्रीय गवर्नर वादिम फिलाश्किन ने हुए हमले के बाद बताया कि यूक्रेन के आंशिक रूप से कब्जे वाले डोनेट्स्क प्रांत में रूसी गोलाबारी में दो लोग मारे गए और एक घायल हो गया। 29 मार्च को भी पूरे यूक्रेन के क्षेत्रों में 99 ड्रोन और मिसाइलों को लॉन्च किया गया था, जिसमें 1 नागरिक की मौत हो गई थी और 1 व्यक्ति घायल हो गया था। पिछले हफ्ते हमले में पूर्वी खार्किव क्षेत्र के सबसे बड़े थर्मल पावर प्लांट में से एक, जमीव थर्मल पावर प्लांट, रूसी गोलाबारी के बाद पूरी तरह से नष्ट हो गया था, जिसके बाद से उस क्षेत्र में रहने वाले 700,000 लोगों की बिजली चली गई थी। रूस ने यूक्रेन पर किए जा रहे अपने हमले का पूरा फोकस यूक्रेनी एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर कर दिया है, जिससे यूक्रेन को काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

नेतन्याहू पर बढ़ा इस्तीफे का दबाव, बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर तेल अवीव में प्रदर्शन; 16 लोग गिरफ्तार

तेल अवीव, 31 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल-हमास युद्ध को पांच महीने से अधिक समय हो गया है। इस बीच इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ विरोध की आवाजें उठने लगी हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली पुलिस ने तेल अवीव में 16 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, हमास की कैद से बंधकों की रिहाई और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों द्वारा तेल अवीव में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था। पुलिस ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि प्रदर्शनकारियों को ट्रैफिक में बाधा डालने और सड़क जाम करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर 270 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया है। पुलिस ने बयान में कहा कि बड़ी संख्या में मौजूद प्रदर्शनकारियों ने आग लगाकर, पुलिस बैरिकेड को तोड़कर कानून व्यवस्था को बाधित किया। इसके साथ ही सड़कों को बंद करने और पुलिस अधिकारियों के साथ झड़प भी की। इस मामले में 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही उन पर जुर्माना भी लगाया गया है। सीएनएन ने एक वीडियो का हवाला देते हुए बताया कि पुलिस ने तेल अवीव में अयालोन राजमार्ग पर मौजूद प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। साथ ही मौके से एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया, जिसे पुलिस वाहन में ले जाया गया। बता दें कि बीते साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजराइल के खिलाफ बड़े पैमाने पर आतंकवादी हमला किया था। इस दौरान 1200 से अधिक लोग मारे गए थे और हमास ने लगभग 250 लोगों को बंधक बना लिया था। हालांकि, बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए पीएम बेंजामिन नेतन्याहू पर दबाव बढ़ गया है। उनके इस्तीफे की मांग को लेकर देश भर में कई विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

सीरिया के अजाज प्रांत में कार बम धमाका, हमले में 8 लोगों की मौत; 20 घायल

बेरूत, 31 मार्च (एजेंसियां)। रविवार सुबह तुर्की समर्थक बलों के कब्जे वाले उत्तरी सीरियाई शहर के एक बाजार में एक बम विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक अन्य घायल हो गए हैं। मौके पर मौजूद एक युद्ध निगरानीकर्ता ने इसकी जानकारी दी।

सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि अलेप्पो प्रांत के अजाज में एक लोकप्रिय बाजार के बीच में एक कार में बम विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में आठ लोग के मारे गए हैं और 23 अन्य घायल हैं। मरने वालों की संख्या अभी और भी बढ़ सकती है। ब्रिटेन स्थित ऑब्जर्वेटरी, जिसके पास सीरिया के अंदर स्रोतों का एक नेटवर्क है उसने जानकारी दी कि विस्फोट स्थल पर कई एम्बुलेंस और बचाव कर्मी मौजूद थे। तुर्की सेना और उनके सीरियाई प्रतिनिधियों ने सीमा के बड़े हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया है, जिसमें अज़ाज़ जैसे कई प्रमुख शहर और कस्बे शामिल हैं। साल 2011 में सरकार द्वारा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को दबाने के बाद सीरिया का युद्ध शुरू हुआ और यह एक घातक संघर्ष में बदल गया जिसमें जिहादियों और विदेशी सेनाओं को शामिल किया गया।

धार्मिक गाना बजाने पर दो पक्षों में विवाद के बाद पथराव, पुलिस ने बल प्रयोग कर हालत काबू में किए

सागर, 31 मार्च (एजेंसियां)। सागर जिले के सदर इलाके में देर रात्रि दो पक्षों में विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि एक ई रिक्शा चालक धार्मिक गाने बजाते हुए जा रहा था। इस दौरान उसे और उसके साथी को एक खास वर्ग के लोगों ने जमकर पीट दिया। साथ ही बीच बचाव के दौरान एक युवक पर चाकू से हमला भी कर दिया। घटना की जानकारी दूसरे पक्ष के लोगों को लगी तो वे मौके पर जमा हो गए। इससे हाल तनाव पूर्ण हो गए। गाली गलौज के बाद पथराव शुरू हो गया और वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई। बबाल रोकने के लिए सागर एसपी समेत बड़ी संख्या में पहुंचे पुलिस बल ने लाठी चार्ज कर लोगों को खदेड़ा और हालात काबू में किए। जानकारी अनुसार यह घटना केंट थाना क्षेत्र के सदर इलाके के मुहाल 12 की है।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर हिंदू संगठन और भाजपा से जुड़े लोगों के साथ नरयावली विधायक केंट थाने पहुंचे और मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मांगे नहीं मानने पर सदर इलाके में बंद का एलान किया गया है। सागर एसपी अभिषेक तिवारी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज निकलवा रही है। इसके आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हालत पर नजर बनाए हुए है, इलाके में पुलिस बल तैनात किया गया है।

तालिबान राज में भर पेट खाना तक नहीं! अफगानिस्तान में लाखों बच्चे और महिलाएं कुपोषण की चपेट में

तेहरान, 31 मार्च (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने अफगानिस्तान की एक भयानक तस्वीर सामने रखी। जहां तालिबान राज में महिलाओं और बच्चों को भर पेट खाना भी नहीं मिल पा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि अफगानिस्तान में बच्चों और महिलाओं में कुपोषण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि इस साल तीन मिलियन बच्चे कुपोषण का शिकार हो सकते हैं। वहीं 12 लाख से ज्यादा महिलाएं फिलहाल कुपोषण से जूझ रही है। अफगानिस्तान में कुपोषण के ये बढ़ते आंकड़े खतरे के निशान को पार कर रहे हैं। जिसके चलते डब्ल्यूएफपी कई कदम उठा रहा है। डब्ल्यूएफपी के द्वारा पूरे देश में बच्चों के लिए 2, 700 स्पेशल क्लीनिक चलाए जा रहे हैं। डब्ल्यूएफपी लगातार देश में बढ़ रहे कुपोषण को रोकने की कोशिश कर रहा है। अफगानिस्तान में डब्ल्यूएफपी का नेतृत्व मोना शेख कर रही हैं। मोना शेख कुपोषित बच्चों की हालत को ठीक करने के लिए क्लीनिकों में भेजने का काम कर रही है। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, शेख ने चेतावनी देते हुए बताया कि इस साल कुपोषण से तीन मिलियन बच्चे प्रभावित हो सकते हैं। डब्ल्यूएफपी कुपोषण के इन बढ़ते आंकड़ों पर कहता है कि पिछले साल, देश भर में लगभग 80 हजार गर्भवती और बच्चों को दूध पिलाने वाली महिलाएं कुपोषण से पीड़ित थी। वही रिपोर्ट में चौंकाने वाली बात ये बताई गई है कि यह आंकड़ा बढ़ कर लगभग दो मिलियन तक पहुंच गया है। डब्ल्यूएफपी ने कहा कि इस साल ये तादाद और बढ़ने के संकेत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डब्ल्यूएफपी देश में सहायता बढ़ाने की लगातार कोशिश कर रहा है, जिसका मकसद लगभग छह मिलियन इस परेशानी से जूझ रहे लोगों की मदद करना है। रिपोर्ट में मोना शेख ने देश में बढ़ रहे कुपोषण की वजह बताई, उन्होनें जानकारी दी कि कुपोषण के आंकड़ों के बढ़ने की वजह परिवारों के सामने आने वाले वित्तीय संकट है, जिसकी वजह से उनको भरपूर खान-पान नहीं मिल पा रहा है।

पेरू की राष्ट्रपति के घर में ऐसा क्या छिपा था जो रेड मारने पहुंच गई जांच एजेंसी

पेरू, 31 मार्च (एजेंसियां)। पेरू की राष्ट्रपति डीना बोलुआर्टे के घर पर भ्रष्टाचार निरोधक जांच दल ने छापा मारा। यह छापेमारी अघोषित रोलेक्स घड़ियों के संग्रह को लेकर हुई। पुलिस ने एक अखबार की रिपोर्ट के बाद राष्ट्रपति के घर पर छापा, जिसमें कहा गया था कि रहस्यमय मूल की लक्जरी घड़ियों को सार्वजनिक रिकॉर्ड में घोषित नहीं किया गया। हालांकि, छापेमारी के समय राष्ट्रपति बोलुआर्टे अपने घर पर नहीं थीं।

कोर्ट ने दी थी डीना बोलुआर्टे के घर पर छापेमारी की अनुमति

छापेमारी पुलिस और अभियोजक के कार्यालय के बीच संयुक्त अभियान के तहत हुई। इसका प्रसारण स्थानीय टेलीविजन चैनल पर किया गया। राजधानी लीमा के सुरक्विलो जिले में बोलुआर्टे के आवास की घेराबंदी की गई थी। अधिकारी सुबह-सुबह राष्ट्रपति के घर पहुंचे और तलाशी अभियान शुरू किया। अचानक छापेमारी का अनुरोध सरकारी वकील

की ओर से किया गया था और सुप्रीम कोर्ट ऑफ प्रिपरेटरी इन्वेस्टिगेशन ने इसे अधिकृत किया था।

डीना बोलुआर्टे ने 2022 में संभाला था राष्ट्रपति का पदभार

डीना बोलुआर्टे ने दिसंबर 2022 राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला था। इस जांच के कारण वह राजनीतिक संकट में फंस गई हैं कि क्या उन्होंने पद पर रहते हुए अवैध रूप से खुद को समृद्ध किया है। देश के संविधान के अनुसार अगर बोलुआर्टे पर अभियोग लगाया जाता है तो जुलाई 2026 में उनका कार्यकाल समाप्त होने या उन पर महाभियोग चलाए जाने तक मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है।

महंगी घड़ियों के बारे में राष्ट्रपति डीना बोलुआर्टे ने क्या कहा?

61 वर्षीय बोलुअर्ट ने मजबूती से अपना बचाव किया है। जब पिछले हफ्ते पूछा गया कि वह सार्वजनिक वेतन पर महंगी घड़ियां कैसे खरीद सकती हैं तो राष्ट्रपति ने जब वह 18 साल की थीं तब से वे (घड़ियां) कड़ी मेहनत का परिणाम हैं। उन्होंने मीडिया से उनके निजी मामलों में दखल न देने का आग्रह किया।

पेरू की पहली महिला राष्ट्रपति हैं डीना बोलुआर्टे

बता दें कि डीना बोलुआर्टे पेरू की पहली महिला राष्ट्रपति हैं।

दिसंबर 2022 में वामपंथी नेता पेड्रो कैस्टिलो को राष्ट्रपति पद से हटाने के लिए सांसदों ने मतदान किया था और अगले राष्ट्रपति के रूप में डीना बोलुआर्टे को कमान मिली थी। पेड्रो कैस्टिलो ने 28 जुलाई 2021 से 7 दिसंबर 2022 तक पेरू के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। पेरू की दक्षिणपंथी नियंत्रित कांग्रेस ने नैतिक अक्षमता का हवाला देते हुए कैस्टिलो को हटाने का प्रयास किया था।

इसके बाद कैस्टिलो ने 7 दिसंबर 2022 को कांग्रेस को भंग करने की कोशिश की, जो आखिरकार विफल रही और परिणामस्वरूप विधायी निकाय ने महाभियोग चलाया और उसी दिन कैस्टिलो को पद से हटा दिया। टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, डीना बोलुआर्टे के घर पर छापेमारी का घटनाक्रम से पेरू में राजनीतिक उथल-पुथल बढ़ गई है। देश ने पिछले पांच वर्षों में छह राष्ट्रपति देखे हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की नौवीं सूची

भीलवाड़ा से दामोदर अग्रवाल बनाया उम्मीदवार

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की एक और सूची जारी कर दी है। इसमें राजस्थान की भीलवाड़ा लोकसभा सीट से दामोदर अग्रवाल को टिकट दिया गया है। इससे पहले भाजपा ने बीते दिन अपने उम्मीदवारों की आठवीं सूची जारी की थी। इसमें पंजाब की गुरदासपुर लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद और बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल का टिकट काट दिया गया था। उनकी जगह दिनेश सिंह को टिकट दिया गया था।

भाजपा ने 543 सदस्यीय लोकसभा चुनाव के लिये अब तक 412 सीट पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। लोकसभा की 543 सीट के लिए 19 अप्रैल से एक जून के बीच सात चरण में चुनाव होना है। मतगणना चार जून को होगी।

भाजपा की पहली सूची में 195 नामों का एलान किया गया था, जिसमें 34 केंद्रीय और राज्य मंत्रियों के नाम सूची में थे। पहली सूची में 28 महिलाओं को भी मौका दिया गया था।

दूसरी सूची में 72 नामों को शामिल किया गया था। 72 उम्मीदवारों की दूसरी सूची में नागपुर से नितिन गडकरी और हमीरपुर से अनुराग ठाकुर को

टिकट दिया गया था।

21 मार्च को भाजपा ने तीसरी लिस्ट जारी करते हुए नौ उम्मीदवारों की घोषणा की थी। तमिलनाडु भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई को भाजपा ने कोयंबटूर चुनावी मैदानी में उतारा था। चेन्नई दक्षिण से तमिलिसाई सुंदरराजन, चेन्नई सेंट्रल से विनोज पी. सेल्वम, वेल्लोर से ए. सी. शनमुगम. कृष्णागिरी से सी. नरसिम्हन, नीलगिरी से एल. मुरुगन, पेरम्बलुर से टी. आर. परिवेन्धर, थूथुकुड़ी से नैनार नागेन्द्रन और कन्याकुमारी से पोन. राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया गया था।

इसके बाद 22 मार्च को लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने तमिलनाडु की 14 सीटों के लिए प्रत्याशियों का एलान किया था। इसके अलावा पुडुचेरी की एक सीट के लिए भी उम्मीदवार का एलान कर दिया गया था।

24 मार्च को 111 उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी की गई। सूची में पार्टी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री वीके सिंह की जगह गाजियाबाद से स्थानीय विधायक अतुल गर्ग को टिकट दिया है, जबकि बिहार के बक्सर से केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे का टिकट काटकर उनके स्थान पर मिथिलेश तिवारी को उम्मीदवार बनाया गया है। पीलीभीत से वरुण गांधी का टिकट भी काट दिया गया।

26 मार्च को भाजपा ने छठी सूची जारी की थी। इसमें तीन उम्मीदवारों का एलान किया गया था। सूची में राजस्थान के लिए दो और मणिपुर के लिए एक उम्मीदवार का नाम घोषित किया गया था।

इसके अगले दिन यानी 27 मार्च को भाजपा ने सातवीं सूची जारी कर दी थी। इसमें दो उम्मीदवारों के नामों का एलान किया गया था। इसमें महाराष्ट्र की अमरावती सीट से भाजपा ने नवनीत राणा को अपना उम्मीदवार बनाया गया था। वहीं, कर्नाटक की चित्रदुर्ग सीट से भाजपा ने गोविंद करजोल को अपना उम्मीदवार बनाया था।

30 मार्च को लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की आठवीं सूची जारी की थी। सूची में ओडिशा की तीन, पंजाब की छह और पश्चिम बंगाल की दो लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों का एलान किया गया था।

जिससे मुकाबला, आशीर्वाद लेने पहुंचा ये प्रत्याशी

बोले- 'ये मेरी बड़ी बहन जैसी'

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले राजधानी जयपुर में रविवार सुबह एक सुखद तस्वीर देखने को मिली। चुनावी दौर में जब नेता एक-दूसरे पर कटाक्ष करने में लगे हुए हैं, ऐसे में जयपुर में कांग्रेस और बीजेपी के प्रत्याशी एक साथ नजर आए। मौका था सेंट्रल पार्क में आयोजित योगा कैंप का।

जहां जयपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी प्रताप सिंह खाचरियावास और बीजेपी प्रत्याशी मंजू शर्मा पहुंची। इस दौरान दोनों पार्टियों ने एक दूसरे से मुलाकात की। इस मौके पर विधायक कालीचरण सराफ भी मौजूद रहे। बता दें कि कालीचरण सराफ और प्रताप सिंह खाचरियावास किसी जमाने में साथ मिलकर जनता के मुद्दों पर आंदोलन भी कर चुके हैं।

सेंट्रल पार्क में आयोजित योगा कैंप में हुई मुलाकात के दौरान खास बात ये रही कि कांग्रेस प्रत्याशी प्रताप सिंह खाचरियावास ने बड़ी बहन मंजू शर्मा से आशीर्वाद लिया। साथ ही बड़े भाई कालीचरण सराफ से भी आशीर्वाद लिया। मीडिया से चर्चा के दौरान खाचरियावास ने कहा कि मंजू शर्मा उम्र में मेरे से बहुत बड़ी हैं। मेरी बड़ी बहन हैं। जयपुर प्यार और ठाकुर गोविंद देव जी की नगरी है। जयपुर ठिकाने के मालिक गोविंद देव जी है। खाचरियावास के ठिकाने के मालिक गोपीनाथ जी प्यार और प्रेम बरसाते हैं, यहां नफरत के लिए टकराव की कोई जगह नहीं है।

हमेशा करते रहेंगे एक-दूसरे का सम्मान

उन्होंने कहा कि हम सब गंगा जमुनी तहजीब से प्यार और प्रेम से चुनाव लड़ रहे हैं और वह हमेशा बना रहेगा। हम सब भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता एक दूसरे का सम्मान करते हैं। आगे भी करते रहेंगे। वहीं, खाचरियावास से मुलाकात पर भाजपा के सीनियर विधायक एवं पूर्व मंत्री कालीचरण सराफ ने कहा कि यह भी हमारे ही हैं।

राजस्थान के चुनावी रण में उतरेंगे 'मोदी- शाह- योगी'

16 दिन गरमाएगा सियासी पारा, कांग्रेस नेता भी करेंगे जनसभा

अलवर, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसी के साथ अब राजनीतिक माहौल गर्माने बड़े चेहरे मैदान में उतरने जा रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी भूपेंद्र यादव के लिए माहौल बनाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह तक के यहां आने की योजना है। इनके अलावा कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी सियासी पारा हाई करने आएंगे। कांग्रेस भी अपने स्तर पर बड़ी तैयारी कर रही है।

भाजपा इस तरह बना रही योजनाः 19 अप्रेल को यहां चुनाव हैं। ऐसे में 16 दिन राजनीतिक दलों के लिए खास हैं। इन्हीं दिनों में जनता के दिलों पर जो नेता प्रभाव छोड़ गया, समझो उसकी लॉटरी लग गई। इसी को देखते हुए पीएम नरेंद्र मोदी बहरोड़ में जनसभा अप्रेल के प्रथम सप्ताह में कभी भी कर सकते हैं। तिजारा क्षेत्र में गृह मंत्री अमित शाह की जनसभा हो सकती है। रामगढ़ विधानसभा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मैदान में उतारा जा सकता है। इनके अलावा हरियाणा सीएम नायाब सैनी भी अलवर शहर में जनसभा कर सकते हैं। यहां भी सैनी वोट काफी हैं। मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव भी बहरोड़ से लेकर किशनगढ़बास, मुंडावर आदि एरिया में पदयात्रा निकाल सकते हैं। मुख्यमंत्री भजन लाल भी कई जनसभाओं में शिरकत करेंगे। माना जा रहा है कि अलवर सीट पर जीत-हार अब आसान नहीं रह गई। कांग्रेस ने भी पूरी ताकत लगा दी है।

खड़गे, सोनिया, राहुल, गहलोत, पायलट आएंगे मैदान में

कांग्रेस प्रत्याशी ललित यादव के पक्ष में माहौल बनाने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे आ सकते हैं। उनकी एससी-एसटी वोटों पर पकड़ है। अलवर में 4 लाख से ज्यादा वोट इसी वर्ग से आते हैं। इनके अलावा वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविन्द्र सिंह सुक्खू, पूर्व सीएम अशोक गहलोत, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट आदि नेताओं को भी कांग्रेस यहां मैदान में उतारेगी। राष्ट्रीय महासचिव जितेंद्र सिंह खुद प्रचार-प्रसार में जुटे हैं। इन सभी नेताओं की जनसभाओं के लिए भी कार्यक्रम तय हो रहे हैं।

राजघरानों का प्रभाव, क्या है राजसमंद का चुनावी समीकरण

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की सबसे हाई प्रोफाइल सीट में शुमार राजसमंद से पिछली बार दीया कुमारी चुनाव जीतकर संसद पहुंची थीं। यह एक ऐसी सीट है, जहां राजघराने का प्रभाव सबसे ज्यादा नजर आता है। भाजपा ने पिछले चुनाव 2019 में जयपुर राजघराने की दीया कुमारी को राजसमंद से टिकट दिया था। उनके विधानसभा चुनाव जीतकर उपमुख्यमंत्री बनने के बाद इस बार पार्टी ने मेवाड़ के पूर्व राजघराने पर विश्वास जताया है।

राजसमंद लोकसभा सीट बनने के बाद यहां पर चौथी बार चुनाव होने वाला है। साल 2008 के परिसीमन में यह सीट अस्तित्व में आई थी और उसके बाद अगले ही साल साल 2009 में यहां पहला चुनाव हुआ था, तब कांग्रेस के गोपाल सिंह शेखावत चुनाव जीते थे। उसके बाद से लगातार दो बार बीजेपी के खाते में यह सीट रही। साल 2014 में हरिओम सिंह राठौड़ और फिर साल

2019 में जयपुर के पूर्व राजघराने की दीया कुमारी सांसद चुनी गईं।

इस लोकसभा क्षेत्र में राजसमंद जिले की चार विधानसभा सीटें नाथद्वारा, राजसमंद, कुंभलगढ़ और भीम आती हैं, जबकि बाकी चार विधानसभा सीटें पाली की जैतारन, नागौर की मेडता, डेगाना और अजमेर जिले की ब्यावर शामिल हैं। कांग्रेस के लिए चिंता की सबसे बड़ी वजह यह भी है कि यहां की सभी 8 विधानसभा सीटों पर बीजेपी का कब्जा है।

बीजेपी ने यहां से मेवाड़ राजघराने की महिमा कुमारी मेवाड़ को टिकट दिया है। वे पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। उनकी शुरुआती पढ़ाई उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हुई थी। इसके बाद उन्होंने ग्वालियर और फिर दिल्ली के कॉलेज शिक्षा लेडी श्रीराम कॉलेज में शिक्षा ग्रहण की। उनके पति महाराणा प्रताप के वंशज विश्वराज सिंह मेवाड़ पहली बार नाथद्वारा से कांग्रेस के सीपी जोशी को हराकर विधानसभा पहुंचे हैं। अब उनकी पत्नी महिमा लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं। हालांकि, यहां राजपूत समाज का बड़ा प्रभाव है और मेवाड़ से लगता इलाका भी है तो भले ही महिमा यहां के लोगों के लिए नई हैं, लेकिन स्थानीय लोगों में आज भी उनके परिवार के लिए सम्मान बरकार है। वे नाथद्वारा में अपने पति के लिए जमकर चुनाव प्रचार कर चुकी हैं। ऐसे में वहां का राजनीतिक अनुभव उनके कुछ काम आ सकता है।

दामोदर गुर्जर आरपीएस अधिकारी रह चुके हैं। वे मूलरूप से सवाईमाधोपुर के निवासी हैं। वे वर्तमान में जयपुर में देव मेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशन ग्रुप के अध्यक्ष हैं। वे कांग्रेस के टिकट पर राजसमंद सीट से चुनाव लड़ने वाले हैं। हालांकि, कांग्रेस ने पहले उन्हें भीलवाड़ा से उम्मीदवार बनाया था, लेकिन सुदर्शन रावत ने टिकट लौटा दिया। इसके बाद पार्टी ने दामोदर गुर्जर को राजसमंद से चुनावी मैदान में उतारने का ऐलान किया।

पहले जयपुर की पूर्व राजघराने की दीया कुमारी और अब उसी सीट पर मेवाड़ के पूर्व राजघराने से महिमा। यूं तो महिमा पश्चिम बंगाल के पंचकोट पूर्व राजघराने से ताल्लुक रखती हैं, लेकिन उनका बचपन वाराणसी में बीता है। महिमा के मामा मध्य प्रदेश की सतना सीट से सांसद रह चुके हैं। ममेरे भाई वर्तमान में एमपी की एक सीट से विधायक हैं और चाची टिहरी-गढ़वाल से सांसद हैं। कहा जा रहा है कि पीएम मोदी पहले ही उनके पति विश्वराज सिंह और महिमा के नाम पर मुहर लगा चुके थे।

राजसमंद सामान्य कोटे की सीट है। इस लोकसभा क्षेत्र में करीब 19 लाख वोटर हैं, जिनमें करीब दो लाख से ज्यादा रावत, पौने दो लाख जाट, पौने दो लाख राजपूत, सवा लाख ब्राह्मण, ढाई लाख के करीब एससी-एसटी, करीब एक लाख महाजन, एक लाख मुस्लिम, 57 हजार कुमावत, 55 हजार गुर्जर, 60 हजार खरबड़, 29 हजार काठात के अलावा चार लाख अन्य मतदाता भी हैं।

जनता नौकर नहीं, राजा है- एक सभा में बोले राज्यवर्धन राठौड़

कहा- भारत फिर से सोने की चिड़िया बनेगा

दौसा, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों की बढ़ती हलचलों के बीच दौसा लोकसभा क्षेत्र में प्रचार के लिए आए प्रदेश के खेल एवं युवा मामलों के मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 के बाद देश में पैसों का लीकेज तो दूर की बात है, किस क्षेत्र में, किस नेता को टिकट मिलेगा, इसका भी लीकेज नहीं होता। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा- पिछले दो महीने में प्रदेश में तीन प्रतियोगी परीक्षा हुई है लेकिन एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। इसे डबल इंजन की ताकत कहते है। उन्होंने कहा कि देश में 35 साल बाद 2014 में केंद्र में जनता ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। ऐसे में 2014 से 2024 का काम जनता ने देखा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि 2047 तक भारत को सबसे विकसित राष्ट्र बनाना है। ऐसे में हमारे जीते जी भारत फिर से सोने की चिड़िया बनेगा।

देश के लोगों को प्रधानमंत्री पर इतना भरोसा है कि अगर प्रधानमंत्री ने बोल दिया कि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा, तो सभी को मालूम है कि देश विकसित राष्ट्र बनेगा। इसलिए प्रधानमंत्री ने सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास का नारा दिया है। उन्होंने कहा कि जनता नौकर नहीं, राजा है। वही सही व्यक्ति को चुनकर भेजेगी।

ज्यादा देना होगा टोल टैक्स, अब सफर होगा महंगा

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश में आज रात 12 बजे से नेशनल हाईवे पर सफर करना महंगा हो जाएगा। एनएचएआई के टोल पर एक अप्रैल से ज्यादा फीस देकर वाहनों को गुजरना होगा। राजस्थान नेशनल हाइवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया के राजस्थान में 95 से ज्यादा टोल बूथ संचालित है। जिसमें से अधिकांश टोल बूथ पर आज रात 12 बजे से रेट रिवाइज हो रही है। सभी टोल प्लाजा पर यह रेट रिवाइज नहीं होगी। जयपुर सहित 30 टोल प्लाजा पर रेटे बढ़ेगी। वहीं कई टोल प्लाजा पर एक जुलाई और एक सितंबर से टोल की रेटे बढ़ेगी।

राजधानी जयपुर की बात करें तो एक अप्रैल से जयपुर से सीकर और टोंक जाना महंगा हो जाएगा। इन दोनों ही बाइपास पर बने टोल बूथों पर 31 मार्च की रात से टोल टैक्स बढ़ जाएगा. टाटियावास (जयपुर-सीकर), बरखेड़ा चंदलाई (जयपुर-टोंक) के अलावा हिंगोनिया (रिंग रोड दक्षिण) पर भी टोल की रेट रात 12 बजे से बढ़ जाएगी। टोल की ये दरें 10 फीसदी की दर से बढ़ाई जाएगी।

हालांकि जयपुर-आगरा, जयपुर-दिल्ली और जयपुर-अजमेर बाइपास पर टोल की दरें अभी नहीं बढ़ेगी। इन बाइपास पर टोल की दरें जून-जुलाई के बाद से बढ़ेगी। जयपुर में हाइवे पर बने टोल बूथों पर टोल की दरें कार चालकों के लिए 5 रुपए से लेकर 10 रुपए तक बढ़ेगी। रिंग रोड दक्षिण पर अभी हिंगोनिया टोल से गुजरने वाले कार चालक को 60 रुपए देने पड़ते है। जो 1 अप्रैल से बढ़कर 65 रुपए हो जाएंगे। इसी तरह इसी रोड पर सीतारामपुरा टोल पर 55 रुपए देने होते है, जो बढ़कर 60 रुपए हो जाएंगे।

डिस्पोजेबल बिजनेस की आड़ में कर रहा था नशे का कारोबार, पुलिस ने धरदबोचा

श्रीगंगानगर, 31 मार्च (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर पुलिस ने डिस्पोजेबल बिजनेस की आड़ में नशे का कारोबार कर रहे एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से नशे की 25 हजार 500 गोलियां बरामद की हैं। युवक शहर के पुरानी आबादी थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वह श्याम नगर पुलिया के पास के इलाके से पैदल आ रहा था। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने युवक को रोका तो वह घबरा गया। शक पुख्ता होने पर पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास साढ़े पच्चीस हजार नशे की गोलियां मिलीं। इस पर पुलिस आरोपी युवक नीरज कुमार पुत्र हीरानंद को थाने ले आई।

बूंदी में पुलिस टीम पर हमला, पथराव कर 2 आरोपियों को छुड़ा ले गए गांववाले

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के बूंदी में गांववालों ने पुलिस टीम पर हमला बोल दिया और दो आरोपियों को एक निजी कार से छुड़ाकर फरार हो गये. पुलिस टीम आरोपियों को गिरफ्तार कर ले जा रही थी. बूंदी के माटुंदा गांव के पास यह बाकया हुआ है. गांव की एक नहर के पास जब एक एएसआई और तीन अन्य पुलिसकर्मी दो आरोपियों को लेकर जा रहे थे. उस समय यह घटना घटी. पुलिस ने आरोपियों को आईपीसी की धारा (चाकू मारकर, गोली मारकर, काटकर घायल करना) के तहत गिरफ्तार किया था और अपने साथ ले जा रही थी.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तालेरा पुलिस स्टेशन की टीम नंदपुर गांव गई थी और वहां से आरोपियों को गिरफ्तार कर लौट रही थी. उसी समय एक समूह ने पुलिस टीम पर पथराव किया.

पुलिस टीम पर गांववालों ने किया पथराव

ग्रामीणों के एक समूह ने हमले के बाद दो बंदियों को भी साथ लेकर फरार हो गए. बूंदी सदर पुलिस थाने के प्रभारी भगवान सहाय का कहना है कि गांव वालों के हमले में पुलिस के एएसआई गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि एक अन्य पुलिसकर्मी को भी चोटें लगी हैं.

थाना प्रभारी भगवान सहाय का कहना है कि पुलिस टीम पर हमला करने और बंदियों को छुड़ाकर ले जाने के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस आरोपियों के साथ-साथ हमला करने वाले अज्ञात लोगों की तलाश शुरू की है.

हमले में थाना प्रभारी हुआ गंभीर रूप से घायल

पुलिस का कहना है कि पुलिस ने इलाके में गश्त तेज कर दी है और उन आरोपियों की तलाश की जा रही है, जिन्होंने पुलिस टीम पर हमला किया है. पुलिस ने बूंदी इलाके में तैनाती बढ़ दी है. इस घटना के बाद जिला पुलिस ने थाने से रिपोर्ट तलब की है और यह जानकारी मांगी है कि यह घटना कैसे घटी?

मौत का सामान बेचता था गैंग, लीडर थी 60 साल की महिला, गिरोह के साथ हुई गिरफ्तार

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान से लगातार रोडवेज और प्राइवेट बसों से नशीले पदार्थों की तस्करी की खबरें सामने आ रही थीं. पुलिस के मुताबिक तस्करी करने वाले आरोपियों को दबोचने की कोशिश काफी समय से की जा रही थी. इसी कड़ी में उदयपुर पुलिस ने नशे की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच शातिर महिला समेत सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया है.चौंकाने वाली बात यह है कि इस गैंग की लीडर एक 60 साल की महिला है.

प्रताप नगर के थाना अधिकारी के मुताबिक, इस गिरोह ने काफी समय से पुलिस की नाक में दम किया हुआ था. पुलिस इन आरोपियों को पकड़ने के लिए कई दिनों से कोशिश में जुटी हुई थी. साथ ही चुनाव के चलते सभी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी. इस दौरान पुलिस को गुप्त जानकारी मिली की देबारी काया हाईवे पर कुछ लोग नशीली वस्तुओ को लेकर जा रहे हैं. पुलिस बिना वक्त गंवाए हाइवे पर पहुंच गई और 60 साल की गैंग की सरगना समेत इन आरोपियों को दबोच लिया. इस दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 123 किलो डोडा चूरा बरामद किया है, जिसकी कीमत 40 लाख रुपए बताई जा रही है.

पकड़े गए आरोपियों में 60 साल की बलजीत कौर है. इसके अलावा चार महिलाएं, एक 19 साल का राहुल बेनीवाल और दूसरा हरियाणा का छत्तीसगढ़ से सूखा सिंह सरदार है. पुलिस के मुताबिक, इस गैंग की लीडर एक यही 60 साल की बुजुर्ग महिला थी, जो कि गैंग को लीड किया करती थी. ये आरोपी मंगलवाड चौराहे के पास कीर चौकी से 123 किलो डोडा चूरा खरीदकर और 14 बैगों में भरकर बस से देबारी काया ओवर ब्रिज पर पंजाब जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे थे.

इस दौरान पुलिस ने इन्हें दबोच लिया. पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पिछले 5 महीने से सात बार उदयपुर के आसपास चित्तौड़ और मंगलवाड में आ चुके हैं और यहां से करीब 600 किलो डोडा चूरा खरीद कर ले जा चुके है. इसके बाद यह नशीली पदार्थ पंजाब और हरियाणा में उसे बेचा गया था.वहीं गैंग की सरगना बलजीत कौर पिछले कई सालों से पंजाब में नशीली पदार्थ बेच रही थी.

आबकारी विभाग ने पुलिस के साथ मारा छापा

20 लीटर लाहन के साथ 14 कच्ची भट्टियां नष्ट

हनुमानगढ़, 31 मार्च (एजेंसियां)। जिले में आबकारी विभाग की टीम ने टाउन थाना पुलिस टीम के साथ गंगाघाट, गंगागढ़ और अमरपुरा थेड़ी में दबिश देकर 12 से अधिक कच्ची भट्टियां और करीब 20 हजार लीटर लाहन नष्ट किया। यह कार्रवाई जिला आबकारी अधिकारी संजीव पटावरी के नेतृत्व में की गई। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि विभाग ने हनुमानगढ़, संगरिया और टाउन पुलिस थाने की टीमों के साथ गंगाघाट और आसपास के क्षेत्र में कार्रवाई की। इसके बाद अमरपुरा थेड़ी में गश्त कर 14 कच्ची भट्टियां और करीब 20 हजार लीटर लाहन नष्ट किया गया। डीईओ पटावरी के अनुसार आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर विभाग की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है।

विभाग द्वारा अब तक 33 लाख रुपये कीमत की अवैध शराब जब्त की जा चुकी है।

ठेकों का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। वर्तमान में ठेकों के नवीनीकरण की कार्रवाई चल रही है और उनसे रिकवरी के प्रयास किए जा रहे हैं। अब तक आबकारी विभाग की ओर से 352 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त कर लिया गया है।

पोडु भूमि मुद्दे पर आदिवासियों ने पुलिस वालों की पिटाई की

खम्मम, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को जिले के सथुपल्ली मंडल के बुग्गापाडु में पोडु भूमि मुद्दे के संबंध में आदिवासियों का एक बड़ा समूह उग्र हो गया और पुलिस कर्मियों की पिटाई कर दी, जिससे गांव में भारी तनाव पैदा हो गया। इस घटना में सथुपल्ली के पुलिस निरीक्षक किरण कुमार और चार कर्मचारियों को गंभीर चोटें आईं, जिससे पुलिस विभाग आदिवासियों के हिंसक हमले से स्तब्ध रह गया। बताया गया कि मंडल के चंद्रायपलेम में नौ हेक्टेयर वन भूमि को लेकर आदिवासियों के बीच विवाद चल रहा था। चंद्रायपलेम आदिवासियों ने खेती के लिए जमीन साफ कर दी, जबकि बुग्गापाडु नागुपल्ली, वर्रे कॉलोनी, नल्लीवारिगुडेम के आदिवासियों ने जमीन पर अधिकार का दावा किया, जिससे झड़प हुई। एक स्थानीय व्यक्ति, वाई साबा द्वारा 100 नंबर पर पुलिस को फोन करने के बाद, इंस्पेक्टर किरण कुमार और कर्मचारी मामले को सुलझाने के लिए मौके पर पहुंचे। पुलिस के साथ तीखी बहस कर रहे आदिवासी अचानक उस समय हिंसक हो गए जब इंस्पेक्टर ने एक आदिवासी युवक कुरम महेंद्र का कॉलर पकड़ लिया और उसे घसीटने लगे। जो कुछ हुआ वह बिना किसी रोक-टोक के पुलिस कर्मियों पर दुर्व्यवहार और हमला था। आदिवासियों ने इंस्पेक्टर और अन्य पुलिस कर्मियों पर चारों तरफ से सामूहिक रूप से लाठी-डंडों, हाथों और चप्पलों से हमला कर दिया। यहां तक कि जब पुलिस कर्मियों ने इंस्पेक्टर, जो मुफ़्ती थे, को सुरक्षित बाहर ले जाने की कोशिश की, तो आदिवासियों ने उन्हें पकड़ लिया और उनकी शर्ट फाड़ दी।

कड़ी मशक्कत के बाद पुलिसकर्मी वहां से निकलने में कामयाब रहे। घटना के बाद, अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को गांव भेजा गया, जिन्होंने महेंद्र सहित कथित तौर पर हमले में शामिल 20 से अधिक आदिवासियों को हिरासत में लिया, जबकि कुछ गांव से भाग गए।

जब पुलिस ने गिरफ़्तारी रोकने की कोशिश की तो पुलिस ने बल प्रयोग किया जिससे कुछ महिलाएँ घायल हो गईं। एसीपी ए रघु, एफडीओ मंजुला और एफआरओ स्नेहलता ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया।

रिश्ते में परेशानी के कारण दंपति ने आत्महत्या कर ली

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडापुर में अपने घर पर एक जोड़े नेशनिवार रात आपस में झगड़े के बाद कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार, बिहार के मूल निवासी रोहित कुमार (23) और बिहार की मूल निवासी महिला के पृथ्वी (23) कोंडापुर में एक घर में रहते थे और शहर में निजी कंपनियों में काम करते थे। वे एक साल से साथ रह रहे थे। शनिवार की रात उनका किसी बात पर झगड़ा हो गया। बाद में, रोहित को एक कमरे में छत के पंखे से लटका हुआ पाया गया, जबकि महिला दूसरे कमरे में बिस्तर पर मृत पाई गई, संदेह है कि उसने जहरीला पदार्थ खाया था। पुलिस ने शवों को उस्मानिया जनरल अस्पताल के शवगृह में स्थानांतरित कर दिया, जहां रविवार को शव परीक्षण किया गया। पुलिस को संदेह है कि दोनों अपने रिश्ते में घटनाक्रम को लेकर अवसाद में आ गए और उन्होंने अपनी जान दे दी। जांच चल रही हैं।

तबाही का मंजर : अचानक आए बारिश-तूफान से गुवाहाटी एयरपोर्ट की छत उड़ी

जलपाईगुड़ी में चार की मौत, 70 घायल

गुवाहाटी, 31 मार्च (एजेंसियां)। इस समय मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। देश के कई हिस्सों में जहां लोग तेज धूप से परेशान हैं, वहीं कई जगहों पर भारी बारिश से समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, आज पश्चिम बंगाल समेत पूर्वोत्तर के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश और तूफान ने वहां तबाही वाला मंजर ला दिया है। अचानक हुई तेज बारिश-तूफान और ओलावृष्टि से असम में जहां लोगों के घरों, फसलों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, गुवाहाटी में स्थित गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भी पानी भर गया है। एयरपोर्ट के अंदर आई बाढ़ के कारण वहां दीवारों, छतों को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके खौफनाक वीडियो भी सामने आए हैं। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम 70 लोग घायल हो गए।

गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के बारे में वहां के सीएओ उत्पल बरुआ ने बताया कि भारी बारिश और तूफान के कारण एक पेड़ उखड़ गया है, जिसे टर्मिनल तक लोगों और ईंधन की आपूर्ति में बाधा आई है। इसके अलावा, मौसम की बदली दशाओं के कारण कुछ देर के लिए परिचालन को भी रोकना पड़ा। इतना ही नहीं, कई उड़ानों को भी डायवर्ट करना पड़ा है। बरुआ ने यह भी कहा कि बारिश और तूफान के कारण फोरकोर्ट एरिया में छत का एक हिस्सा भी टूट गया। इसके कारण पानी भी अंदर भर गया था। हालांकि किसी यात्री को कोई चोट नहीं आई है।

सीएओ बरुआ ने कहा कि वे खुद हालात की जानकारी ले रहे हैं जिससे यात्रियों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि तूफान और भारी बारिश के कारण दृश्यता कम हो गई और हमें छह उड़ानें डायवर्ट करनी पड़ीं हैं। इनमें इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित उड़ानों को अगरतला और कोलकाता की ओर मोड़ दिया गया है।

जलपाईगुड़ी में भी हाल बेहाल :

वहीं, उत्तरी पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के कुछ हिस्सों में भी बारिश और तूफान ने कहर बरपाया। तूफान के कारण यहां चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम 70 लोग घायल हो गए।

अधिकारियों बताया कि जिला मुख्यालय शहर के अधिकांश हिस्सों और पड़ोसी मैनागुरी के कई इलाकों में तेज हवाओं के कारण कई घर क्षतिग्रस्त हो गए, पेड़ उखड़ गए और बिजली के खंभे गिर गए। सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में राजारहाट, बरनीश, बकाली, जोरपाकडी, माधबडांगा और सप्तीबारी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान सेनपारा के दिजेंद्र नारायण सरकार (52), पहाड़पुर की अनिमा बर्मन (45), पुतिमारी के जगन रॉय (72) और राजारहाट के समर रॉय (64) के रूप में हुई है।

ममता बनर्जी बोलीं- बचाव अभियान जारी :

बारिश और तूफान को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि बचाव और राहत कार्य जारी हैं। इसके लिए नागरिक प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन के कर्मियों को तैनात किया गया है। वहीं, त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) भी तैनात किए गए हैं और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

बनर्जी ने उन्हें आश्वासन देते हुए कहा कि वह प्रभावित परिवारों के साथ हैं। प्रशासन सभी पीड़ितों की हर तरह से सहायता प्रदान करेगी। जिला प्रशासन मौतों के मामले में परिजनों और घायलों को नियमों के अनुसार और एमसीसी (आदर्श आचार संहिता) का पालन करते हुए मुआवजा प्रदान करेगा। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्थिति का जायजा लेने और चक्रवात प्रभावित लोगों से मिलने के लिए जलपाईगुड़ी के लिए रवाना हो रही हैं। इसे देखते हुए, टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की कल की जलपाईगुड़ी यात्रा रद्द कर दी गई है। पार्टी ने इस बारे में जानकारी दी है।

पत्नी समेत निशिकांत दुबे के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भाजपा सांसद बोले- आरोप साबित हुए तो राजनीति छोड़ दूंगा

रांची, 31 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के देवघर में धोखाधड़ी से मेडिकल कॉलेज को हड़पने के आरोप में भाजपा के गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे, उनकी पत्नी और अन्य के खिलाफके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, निशिकांत दुबे ने इन आरोपों से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर उनके खिलाफ लगाए गए आरोप साबित हो गए, तो वह राजनीति छोड़ देंगे।

भाजपा सांसद पर लगे आरोपों के बारे में थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिव दत्त शर्मा नामक व्यक्ति ने भाजपा सांसद और उनकी पत्नी समेत अन्य लोगों के खिलाफ जिले की जसीडीह पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि निशिकांत दुबे और उनकी पत्नी ने अपने ट्रस्ट बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट के जरिए उनके संस्थान परिट्रान मेडिकल कॉलेज और अस्पताल से संबंधित दस्तावेजों का दुरूपयोग करके नीलामी के माध्यम से उनके अस्पताल को हड़प लिया।

शर्मा ने एफआईआर में बताया था कि उन्होंने मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के लिए 93 करोड़ रुपये का ऋण लिया था, लेकिन मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा संस्थान के लिए मंजूरी नहीं मिलने के बाद, उनकी ऋण राशि को गैर-निष्पादित संपत्ति घोषित कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि दुबे ने उनसे 20 लाख रुपये लिए थे और उन्हें वित्तीय संकट से बाहर निकालने की बात कही थी। लेकिन इसके बजाय उन्होंने पिछले साल दिसंबर में नीलामी के जरिए उसे हड़प लिया।

राजपूत सेवा संघ का वार्षिक महोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बी जे युपी राजपूत सेवा संघ का वार्षिक महोत्सव का आयोजन गीता ज्ञान भवन आरके पुरम में किया गया। जिसमें नए अध्यक्ष ललन सिंह का चयन सदस्यों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, सचिव धनंजय सिंह, संयुक्त सचिव अविनाश सिंह, संजय सिंह, केके सिंह, अजय कुमार सिंह, पप्पू सिंह, रमेश कुमार सिंह, नागमणि सिंह, उत्तम सिंह, हरि सिंह, सुजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, हरिश्चंद्र सिंह, हिमांशु सिंह, निरंजन सिंह, उदय सिंह, राज नारायण सिंह, संतोष सिंह, सोनू सिंह, ललन सिंह उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जी रामना रेड्डी एवं नामपल्ली रेलवे स्टेशन मास्टर अखिलेश सिंह सम्मान किया गया।

सोनम वांगचुक : 60 पर्यावरण समूह बोले- सुरक्षित करें हिमालय

सभी मेगा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर लगे प्रतिबंध

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। देश के 60 से अधिक पर्यावरण और सामाजिक संगठनों ने हिमालय में रेलवे, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं तथा चार लेन राजमार्गों जैसी सभी मेगा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। साथ ही इन संगठनों ने सभी विकास परियोजनाओं के लिए जनमत संग्रह और सार्वजनिक परामर्श को अनिवार्य बनाने की अपील की।

पीपुल फॉर हिमालय अभियान का संयुक्त रूप से नेतृत्व करने वाले संगठनों ने एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आगामी लोकसभा चुनावों के लिए सभी राजनीतिक दलों के लिए पांच सूत्री मांग पत्र जारी किया। इन्होंने मौजूदा परियोजनाओं के प्रभावों की व्यापक समीक्षा के साथ-साथ रेलवे, बांध, पनबिजली परियोजनाओं, सुरंग निर्माण, ट्रांसमिशन लाइनों और चार लेन राजमार्गों से संबंधित सभी मेगा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर पूर्ण रोक लगाने का आह्वान किया।

परियोजनाओं के लिए हो जनमत संग्रह :

संगठनों ने मांग की कि बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए जनमत संग्रह और सार्वजनिक परामर्श के माध्यम से लोकतांत्रिक निर्णय लेना अनिवार्य बनाया जाए। संगठनों ने पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना-1994 को मजबूत करने, ईआईए-2020 संशोधनों और एफसीए-2023 संशोधनों को खत्म करने और सभी विकास परियोजनाओं के लिए ग्राम सभाओं की पूर्व सूचित सहमति की भी मांग की।

हिमालय की संपदा का शोषण कर रहे उद्योग :

पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कहा कि जहां उद्योग हिमालय की संपदा का शोषण करते हैं, वहीं स्थानीय लोग आपदाओं का खामियाजा भुगतते हैं।

सरकार पुनर्वास प्रयासों के लिए करदाताओं के पैसे का उपयोग करती है, फिर भी जो लोग लाभ उठाते हैं उन्हें जवाबदेह नहीं ठहराया जाता है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ या लखनऊ के नौकरशाह इस क्षेत्र की नाजुकता को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं। सबसे अच्छा व्यक्ति भी गलती कर सकता है और सबसे खराब व्यक्ति भी इसे उद्योगों को बेच देगा। पूर्वोत्तर संवाद मंच के मोहन सैकिया ने स्थानीय स्वदेशी समुदायों की सहमति के बिना ब्रह्मपुत्र और उसकी घाटियों पर प्रस्तावित जलविद्युत विकास के गंभीर पारिस्थितिक प्रभावों की चेतावनी दी।

बिहार एसोसिएशन होली स्नेह मिलन संपन्न

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार भवन परिसर में रविवार को बिहार एसोसिएशन द्वारा होली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के फगुआ व चईता गानों के साथ हुआ, जिसका उपस्थितों ने आनंद उठाया। बडी संख्या में महिलाओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। समारोह में अध्यक्ष हरे राम सिंह, मानवेन्द्र मिश्रा, उत्तम यादव, रवि शंकर सिंह, भरत सिंह, दिनेश सिंह, विनोद गुप्ता, दिलीप कुमार, मनोज यादव, मदन सिंह, प्रभास कुमार एवं अन्य उपस्थित थे।

गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में सेना के जीसीएम ने रिटायर्ड सूबेदार को किया बरी

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। सेना के जनरल कोर्ट मार्शल ने एक सेवानिवृत्त सूबेदार को उस मामले में बरी करने की सिफारिश की है, जिस पर सेना से जुड़े संवेदनशील जानकारी की रक्षा करने में विफल होने का आरोप लगाया गया था। गौरतलब है कि सेवानिवृत्त सूबेदार पर आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोप लगाए गए थे और हेड क्लर्क के कर्तव्यों को पालन करने समय दस्तावेजों की देखभाल करने में विफल रहे थे।

ये लगाए गए थे आरोप :

वर्ष 2020-21 में जूनियर कमीशंड अधिकारी सेवा पर था और सेना के एक फॉर्मेशन में तैनात सैनिकों द्वारा कथित तौर पर जानकारी लीक की गई थी। सेना अधिनियम की धारा 63 के तहत भी आरोप लगाए गए और सूचना और दस्तावेजों की निगरानी नहीं करने का आरोप लगाया गया, जिसके कारण वे लीक हो गए।

सेवानिवृत्त होने के बाद भी चला मुकदमा :

सूबेदार अक्टूबर 2021 में ही सेना से सेवानिवृत्त हो गए थे, लेकिन उनके खिलाफ लंबित अनुशासनात्मक कार्रवाई को पूरा करने के लिए सेना अधिनियम की धारा 123 लागू होने के बाद उन्हें वापस बुला लिया गया था। जनरल कोर्ट मार्शल 4 जनवरी, 2024 को इकट्ठा हुआ, जिसमें कुल मिलाकर 8 अभियोजन गवाहों से पूछताछ की गई।

सेना के जवान को किया गया बरी :

जूनियर अधिकारी के वकील अक्षित आनंद ने बताया कि रिकॉर्ड पर इस बात का कोई सबूत नहीं है कि सेना के जवान के पास उन दस्तावेजों पर कोई पहुंच या अधिकार था, जिन्हें कथित तौर पर लीक किया गया था। अदालत को भी कोई सबूत नहीं मिला कि जूनियर कमीशंड अधिकारी ने दस्तावेज छोड़े थे।

आनंद ने कहा कि यह एक ऐसा मामला था जहां जूनियर कमीशंड अधिकारी पर सेवानिवृत्ति के बाद आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम की धारा 5 के साथ-साथ सेना अधिनियम की धारा 63 के तहत आरोप लगाया गया था। जूनियर कमीशंड अधिकारी के खिलाफ आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं था। जनरल कोर्ट मार्शल ने जूनियर कमीशंड अधिकारी को बरी कर दिया है और न्याय की जीत हुई है।

आगामी आम चुनाव में अपनी सीट भी नहीं बचा पाएंगे ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक! हालिया सर्वे में बड़ा दावा

लंदन, 31 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन में साल के अंतिम छह महीनों में आम चुनाव हो सकते हैं। इसके संकेत खुद प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने दे दिए हैं। हाल के महीनों में ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक ने मई में चुनाव की संभावना से इनकार कर दिया था और संकेत दिया था कि इस साल के आखिरी में चुनाव कराए जा सकते हैं। इस बीच, एक सर्वे में चौंकाने वाला दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि आगामी आम चुनाव में ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक की सीट भी खतरे में है। एक प्रचार अभियान संगठन बेस्ट फॉर ब्रिटेन ने सर्वे के बाद यह भी कहा है कि पता चला है कि देश में सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी को इस साल के अंत में होने वाले आम चुनाव में बड़ी हार का सामना करना पड़ सकता है। इतना ही नहीं ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक अपनी उत्तरी यॉर्कशायर सीट भी शायद ही बचा पाएं। बेस्ट फॉर ब्रिटेन ने इस सर्वे से पहले 15,029 लोगों की राय ली थी। जिसके आधार पर तैयार रिपोर्ट में विपक्षी लेबर पार्टी को 45 प्रतिशत वोट शेयर के साथ कंजर्वेटिव की तुलना में 19 अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष पर रखा गया है।

'स्वदेशीकरण और तकनीकी समावेश होगा सेना का फोकस' : बोले लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय सेना लगातार अपने खेमे को मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह ने सेना की मजबूती पर बात की। उन्होंने कहा कि स्वदेशीकरण, तकनीकी समावेश और परिचालन क्षमता में वृद्धि सेना की दक्षिणी कमान के फोकस क्षेत्र होंगे।

बता दें, दक्षिणी कमान भारतीय सेना की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी कमान है। यह 11 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों में फैले भारत के 41 प्रतिशत भूभाग को कवर करती है। दक्षिणी कमान एक अप्रैल को 130वां स्थापना दिवस मनाएगी। लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह ने साल 2024 के दौरान बदलाव लाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की कमान की प्रतिबद्धता के बारे में भी बात की, जिसे सेना द्वारा प्रौद्योगिकी अवशोषण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

प्रौद्योगिकी अवशोषण वर्ष मना रही भारतीय सेना :

गौरतलब है, भारतीय सेना साल 2024 को 'प्रौद्योगिकी अवशोषण वर्ष' के रूप में मना रही है क्योंकि यह धीरे-धीरे एक आधुनिक बल में परिपक्व होने की कोशिश कर रही है। इनमें पैदल सेना, तोपखाने और सभी क्षेत्रों में ड्रोन और काउंटर-ड्रोन प्रणालियों को शामिल करने के लिए एक नया परिचालन दर्शन होगा। बख्तरबंद बटालियनें और अन्य पारंपरिक विषमताओं को पाटने के अलावा, कमांड साइबर ऑपरेशंस सपोर्ट विंग की स्थापना की गई है।

सिंह ने कहा, यह विषय परिवर्तनकारी बदलाव के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के साथ-साथ हमारी परिचालन और लॉजिस्टिक आवश्यकताओं के समाधान के लिए आंतरिक विशेषज्ञता का उपयोग करने और घरेलू रक्षा उद्योग के सहयोग से इन परियोजनाओं को आकार देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

आत्मनिर्भर होने के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान :

उन्होंने कहा कि दक्षिणी कमान ने रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भर होने के भारत के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भौगोलिक रूप से देश के उद्योग केंद्रों के साथ स्थित होने और बड़ी संख्या में फील्ड फायरिंग रेंज (एफएफआर) होने के कारण, दक्षिणी कमान विभिन्न हथियार, महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों और परिष्कृत गोला-बारूद के परीक्षणों के लिए परीक्षण केंद्र के रूप में कार्य करती है। उन्होंने आगे कहा कि दक्षिणी कमान द्वारा किए गए सात नवाचारों को उत्पादन के लिए औद्योगिक भागीदारों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ-साथ पैन-सेना कार्यान्वयन के लिए चुना गया है।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक संस्था के चेयरमैन दुर्गा प्रसाद बंसल की अध्यक्षता में संपन्न हुई.।

बैठक में 25-30 अभिभावक अपने बालक और बालिकाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की और दिए गये पुराने बायोडाटा पर चर्चा की गई। इस अवसर पर दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज संघी, पुरुषोत्तम गुप्ता, सुनील अग्रवाल, अरविंद गोयल, शिवराज अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, रविंदर, नरेश, सत्यनारायण अग्रवाल, संगीता गोयल ने भाग लिया।

चल्कानगर स्थित सागर ग्रूप द्वारा आयोजित एक शाम वीर तेजाजी महाराज के जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए सोनुजी महाराज। भजनों, भोजन-प्रसादी व कार्यक्रम का लाभ लेते हुए आयोजक पुरखाराम, नारायणराम, संग्रामराम चोटिया, स्वरुपराम खोजा, अवसर पर समाज सेवी सोहनसिंह बिरावास, धर्माराम ढाका, सरस्वती ग्रूप प्रबंधक किशनलाल राठौड़, पन्नालाल बाबल, धर्माराम कड़वा, सतपाल ढाढिया, ओमप्रकाश थारोल, गोविन्द जाट व समाज बन्धु।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टी20 विश्व कप 2024 के लिए 1 मई को होगा भारतीय टीम का ऐलान, विराट को मिलेगा मौका!

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के बाद टी20 विश्व कप 2024 का आगाज होगा। इस बार टूर्नामेंट अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा और इसमें 20 टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट के लिए अप्रैल के आखिरी हफ्ते में 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान हो सकता है। ICC ने सबमिशन की कट ऑफ डेट 1 मई रखी है।

25 मई तक किया जा सकता बदलाव

टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली सभी टीमें 25 मई तक अपनी प्रारंभिक टीम में बदलाव कर सकती हैं। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, "भारतीय टीम का चयन अप्रैल के आखिरी सप्ताह के दौरान किया जाएगा, जिस समय तक IPL का पहला भाग समाप्त हो जाएगा और राष्ट्रीय चयन समिति दावेदारों के फॉर्म और फिटनेस का आकलन करने

की स्थिति में होगी।"

19 मई को रवाना होंगे कुछ खिलाड़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, 'क्रिकेटर्स का पहला बैच IPL में लीग स्टेज के मैच खत्म होने के बाद 19 मई को न्यूयॉर्क के लिए रवाना होगा। जिन खिलाड़ियों की टीमें अंतिम 4 के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाएंगी, वे जल्दी जाएंगे। पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान भी ऐसा ही हुआ था। संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टूर्नामेंट के लिए कुछ खिलाड़ी स्टैंड-बाय पर रहेंगे।' बता दें कि विश्व कप सिलेक्शन से पहले खिलाड़ियों पर नजर रखने के लिए सभी 4 राष्ट्रीय चयनकर्ता अधिकांश आईपीएल खेल देखने के लिए यात्रा कर रहे हैं।

विराट कोहली को मिल सकता मौका

टी20 विश्व कप 2024 के लिए विराट कोहली को भारतीय स्क्वॉड में जगह मिल सकती है। IPL 2024 में विराट बल्ले से काफी अच्छे नजर आ रहे हैं। उन्होंने 3 में से 2 मुकाबलों में अर्धशतक लगाए हैं। विराट टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। उन्होंने 117 मैच की 109 पारियों में 4037 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 37 अर्धशतक और 1 शतक लगाया है। कोहली टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन (1141) बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं।

बुमराह और शमी को नहीं, मयंक यादव ने साउथ अफ्रीकी गेंदबाज को बताया आइडल

नई दिल्ली, , 31 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव काफी सुर्खियों में हैं। खिलाड़ी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ काफी किफायती गेंदबाजी की है। उन्होंने इस दौरान 11वें ओवर में 156 की रफ्तार से गेंदबाजी की थी। इस कारण से खिलाड़ी सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। इन सुर्खियों के बीच मयंक यादव से जब उनके आइडियल खिलाड़ी का नाम पूछा गया, तो उन्होंने जसप्रीत बुमराह या फिर मोहम्मद शमी का नाम नहीं लिया है। बल्कि उन्होंने साउथ अफ्रीकी तेज गेंदबाज को अपना आइडियल खिलाड़ी बताया है।

कौन हैं मयंक यादव के फेवरेट खिलाड़ी

मयंक यादव ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने दम पर टीम को 2 महत्वपूर्ण अंक दिलाए हैं। शुरुआती 10 ओवरों तक पंजाब

किंग्स बिना एक भी विकेट खोए 100 रन के करीब पहुंच चुकी थी। लेकिन यहां से मयंक यादव ने गेम का रुख अपनी टीम की ओर मोड़ दिया और अंततः मुकाबला अपने नाम कर लिया था। इस मैच में उन्होंने 4 ओवर में महज 27 रन दिए और 3 विकेट झटक लिए।

खिलाड़ी जब 12वें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए थे, इसी दौरान उन्होंने ओवर की पहली ही गेंद 155.8 की रफ्तार से डाली थी। शिखर धवन इस गेंद को छू भी नहीं सके।

इस ओवर में खिलाड़ी ने 3 गेंदें 150 प्लस की रफ्तार से डाली थी। बता दें कि इस मैच के बाद जब खिलाड़ी से पूछा गया कि उनके आइडियल खिलाड़ी कौन हैं, तो उन्होंने भारतीय नहीं बल्कि साउथ अफ्रीकी तेज गेंदबाज डेल स्टेन को अपना फेवरेट बताया है।

संजय मांजरेकर ने की जमकर तारीफ

पंजाब बनाम लखनऊ के बीच इस मुकाबले के बाद मयंक यादव को लेकर देशभर में चर्चा हो रही है। भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भी खिलाड़ी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जो पहले के समय में किया करता था, मयंक अब वही कर रहा है। मैं खिलाड़ी का पेस देखकर काफी उत्साहित हूं।

इसके साथ ही पूर्व दिग्गज ने मयंक को भारत का शोएब अख्तर भी बता दिया है। अगर आईपीएल 2024 में आगे भी खिलाड़ी का प्रदर्शन ऐसा रहता है, तो उन्हें जल्द ही भारतीय टीम में भी डेब्यू करने का मौका मिल जाएगा।

बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने फिर रचा इतिहास

रैंकिंग में भी शीर्ष पर लौटे

मेलबर्न, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष डबल्स वर्ग का खिताब जीत लिया। इस जोड़ी ने इस साल दूसरी बार इतिहास रचा और बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी एटीपी मास्टर्स 1000 ट्रॉफी जीतने वाली सबसे उम्रदराज जोड़ी बन गई। इससे पहले वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी इन दोनों की जोड़ी विजेता बनी थी। वह ऐसा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी थे।

एक सेट से पिछड़कर की वापसी

इस साल शानदार प्रदर्शन कर रहे 44 वर्षीय बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी फाइनल में क्रोएशिया के इवान डोडिग और अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिकेक की जोड़ी से एक सेट से पिछड़ गई थी, लेकिन इस जोड़ी ने शानदार वापसी की

और हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए खिताबी मुकाबले में 6-7(3), 6-3, 10-6 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही बोपन्ना ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा और वह सबसे अधिक उम्र में एटीपी खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बने। इससे पहले उन्होंने पिछले साल इंडियन वेल्स में 43 वर्ष की उम्र में खिताब जीता था।

रैंकिंग में शीर्ष पर की वापसी

ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद बोपन्ना एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए थे। हालांकि दुबई चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल और इंडियन वेल्स के राउंड-32 में हारने के बाद यह जोड़ी दूसरे नंबर पर खिसक गई थी, लेकिन मियामी ओपन में खिताब जीतने के बाद यह जोड़ी सोमवार को जारी होने वाली एटीपी की नवीनतम रैंकिंग में शीर्ष पर वापसी कर लेगी।

बोपन्ना के नाम है कई उपलब्धियां

भारत के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में शामिल बोपन्ना के नाम कई उपलब्धियां दर्ज हैं। बोपन्ना के करियर का यह 14वां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल था, जबकि वह पहली बार मियामी ओपन के खिताबी मुकाबले में पहुंचे थे। ओवरऑल यह उनका 63वां टूर स्तर का फाइनल था। बोपन्ना के करियर का यह 26वां डबल्स खिताब है। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी का यह पांचवां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल था। बोपन्ना के नाम एक खास उपलब्धि भी जुड़ गई थी वह लिएंडर पेस के बाद सभी नौ एटीपी मास्टर्स इवेंट के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने थे।

प्रीति जिंटा के खिलाड़ी ने कराया लाखों रुपये का नुकसान, लाइव मैच में हुआ ये हादसा

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। एक तो प्रीति जिंटा की टीम पंजाब किंग्स को हार मिली. ऊपर से उसके खिलाड़ी ने लाखों रुपये का नुकसान भी करा दिया. जी नहीं, टीम का नुकसान तो सिर्फ मैच के नतीजे के फेवर में ना आने का ही हुआ. लाखों रुपये वाला नुकसान तो आईपीएल के आयोजकों का लाइव मैच में तब हो गया, जब वो हादसा हुआ, जिसके पीछे पंजाब किंग्स के उस खिलाड़ी का हाथ रहा. हालांकि, जो भी हुआ वो कोई जान-बूझकर किया काम नहीं रहा. ये तो मैदान पर खेल-खेल में हो गया.

अब आप सोच रहे होंगे कि ऐसा भी कौन सा हादसा हो गया, जिसके बाद नुकसान सीधे लाखों रुपये में पहुंच गया. तो ये नुकसान उस कैमरे के टूटने से हुआ, जो मैदान पर मैच के दौरान लगा था. अब सवाल है कि कैमरा टूटा कैसे? तो बता पहले तो ये जान लीजिए कि जिस कैमरे की हम बात कर रहे हैं, वो स्पाइडर कैमरा था. इस कैमरे की कीमत लाखों में होती है. ये टूट गया क्योंकि पंजाब किंग्स के बल्लेबाज लायम लिविंग्सन का एक शॉट सीधा उस पर जा लगा.

महिला खिलाड़ियों से मारपीट मामले में हुई बड़ी कार्रवाई

गोवा पुलिस ने आरोपी दीपक को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। महिला खिलाड़ियों से मारपीट मामले में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति के सदस्य दीपक शर्मा को गोवा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। खेल मंत्रालय ने सख्ती दिखाते हुए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। इस बात की जानकारी खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने दी। दरअसल, दो महिला खिलाड़ियों ने गोवा में जारी भारतीय महिला लीग के दौरान एआईएफएफ के एक सदस्य पर नशे की हालत में शारीरिक उत्पीड़न और हिंसा का आरोप लगाया।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस मामले में सख्ती दिखाते हुए एआईएफएफ को कार्रवाई के

निर्देश दिए। उन्होंने कहा, ₹गोवा में चल रही भारतीय महिला लीग के दौरान महिला फुटबॉलरों पर उनके कोच द्वारा कथित शारीरिक हमले को गंभीरता से लिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को इस पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

क्या है मामला

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश स्थित क्लब खाद एफसी से संबंधित दो खिलाड़ियों ने गोवा में जारी भारतीय महिला लीग के दौरान एक होटल के कमरे में एआईएफएफ कार्यकारी समिति के सदस्य दीपक शर्मा के खिलाफ शारीरिक उत्पीड़न की शिकायत की है। दोनों ने आरोप लगाया कि शर्मा ने नशे की हालत में उनके साथ मारपीट की और उन्हें थप्पड़ मारा। गोवा फुटबॉल एसोसिएशन (जीएफए) और एआईएफएफ ने इसकी शिकायत दर्ज होने की बात स्वीकार की है।

नशे की हालत में की मारपीट

पलक वर्मा और रितिका ठाकुर ने तीन गवाहों के साथ शिकायत दर्ज कराई। इसमें कहा गया, "गुरुवार को जैसे ही रात का खाना खत्म हुआ, हम अंडे उबालने के लिए अपने कमरे में चले गए। इसी बात से दीपक शर्मा नाराज हो गए और हमारे कमरे में घुस आए। उन्होंने हमें थप्पड़ मारा और हम पर शारीरिक हमला किया। वह हमारे सामने शराब पी रहे थे।

बाबर आजम फिर से बने कप्तान

पाकिस्तान क्रिकेट टीम में मचा बवाल थमा

इस्लामाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट में कप्तान को लेकर मचा बवाल थम गया है. मान-मनौव्वल के खेल का अंत करते हुए बाबर आजम फिर से कप्तान बन गए हैं. बाबर आजम को इस बार सिर्फ व्हाइट बॉल की कप्तानी मिली है. मतलब वो वनडे और टी20 में ही पाकिस्तान की कप्तानी करेंगे. इससे साफ होता है कि शान मसूद पहले की ही तरह पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान फिलहाल के लिए बने रहेंगे. बाबर आजम को व्हाइट बॉल कप्तानी सौंपने का मतलब ये भी है कि शाहीन शाह अफरीदी अब इस कार्यभार से मुक्त कर दिए गए हैं.

पाकिस्तान की टीम अबोटाबाद के नजदीक काकुल में इन दिनों ट्रेनिंग कर रही है. खिलाड़ियों की ये ट्रेनिंग उनके फिटनेस को दुरुस्त करने के मकसद चल रही है. पीसीबी ने इस

काम के लिए पाकिस्तानी सेना की भी मदद ली है. काकुल में लगे इसी ट्रेनिंग कैंप के दौरान पीसीबी की ओर से शाहीन शाह अफरीदी को साफ कर दिया गया कि वो अब पाकिस्तान के टी20 कप्तान नहीं होंगे. खबर है कि उन्होंने जानना भी चाहा कि इसके पीछे की वजह क्या है, जिस पर पीसीबी की ओर से चुप्पी साध ली गई. बहरहाल, अब बाबर आजम व्हाइट बॉल क्रिकेट में पाकिस्तान के नए कप्तान होंगे. वो न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली टी20 सीरीज से टीम की कमान संभालेंगे. इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट में चल रहा ड्रामा तब थमने का नाम नहीं लेता दिखा जब पीसीबी की ओर कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद भी बाबर आजम उसे स्वीकार करने की हामी नहीं भर रहे थे. दरअसल, बाबर की शर्त थी कि वो कप्तान बनेंगे तो तीनों इसके बाद पीसीबी ने तय किया कि वो बाबर आजम से बात करेगी, उन्हें मनाने की कोशिश करेगी. अगर वो नहीं मानते हैं तो पाकिस्तान क्रिकेट टीम की कप्तानी की बागडोर विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को सौंपी जाएगी. मतलब किसी भी सूरत में शाहीन अफरीदी कप्तानी के कंटेंडर नहीं रह गए थे. PCB के अध्यक्ष मोहसिन नकवी हालांकि बाबर आजम को मनाने में कामयाब रहे और वो फिर से पाकिस्तान के कप्तान बना दिए गए.

बाबर आजम ने पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप से पाकिस्तान के जल्दी बाहर हो जाने के बाद कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था. हालांकि, तब भी उनके कप्तानी छोड़ने की वजह ज्यादा यही थी कि पीसीबी की ओर से हर फॉर्मेट के लिए अलग कप्तान की बात हो रही थी. जबकि बाबर तीनों फॉर्मेट की कप्तानी चाहते थे.

न्यूजीलैंड की टीम 5 टी20 की सीरीज के लिए अप्रैल में पाकिस्तान दौरे पर आ रही है. इस सीरीज के पहले 3 मुकाबले रावलपिंडी में होंगे जबकि आखिर के 2 मैच लाहौर में होंगे. बाबर आजम के फिर से कप्तान बनने और काकुल में चल रही ट्रेनिंग के बाद होने जा रही इस सीरीज में पाकिस्तानी टीम की परफॉर्मेंस अब गौर करने वाली होगी.

गुजरात ने जीता मैच, बल्लेबाजी में सुदर्शन-मिलर तो गेंदबाजी में मोहित शर्मा चमके

अहमदाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 का 12वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। इस मैच को गुजरात टाइटंस ने जीत लिया है। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 162 रन बनाए थे, जिसके बाद गुजरात के सामने जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य था। गुजरात ने इस लक्ष्य को 19.1 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टूर्नामेंट में गुजरात की ये दूसरी हार है तो वहीं हैदराबाद की दूसरी हार है।

साई सुदर्शन और डेविड मिलर ने खेली शानदार पारी

गुजरात टाइटंस की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए साई सुदर्शन ने सबसे ज्यादा 45 रनों की पारी खेली। अपनी पारी के दौरान साई ने 4 चौके और एक शानदार छक्का लगाया। इसके

अलावा डेविड मिलर ने नाबाद 44 रनों की पारी खेली। मिलर ने अपनी पारी के दौरान 4 चौके और 2 शानदार छक्के लगाए। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने 28 गेंदों पर 36 रन बनाए। इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से गेंदबाजी करते हुए शाहबाज, पैट कमिंस और मयंक ने 1-1-1 विकेट हासिल किए।

हैदराबाद बनाए थे 162 रन

मैच में टॉस जीतकर हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 168 रन बनाए थे। हैदराबाद की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा और अब्दुल समद ने 29-29 रनों की पारी खेली। इसके अलावा हेनरिक क्लासेन ने 24 और शाहबाज ने 22 रनों की पारी खेली। वहीं गुजरात टाइटंस की तरफ से गेंदबाजी करते हुए मोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा विकेट चटकाए थे। मोहित ने 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट हासिल किए थे। इसके अलावा राशिद खान, उमरजई, उमेश और नूर अहमद ने 1-1-1-1 विकेट झटका था।

महिला विरोधी टिप्पणी करने पर भड़कीं साइना नेहवाल

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारत की पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल दावणगेरे सीट से भाजपा की उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वरी पर की गई महिला विरोधी टिप्पणी पर भड़क उठीं। साइना ने कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस नेता शमनूर शिवशंकरप्पा की आलोचना की जिन्होंने गायत्री पर हाल ही में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। दावणगेरे दक्षिण से मौजूदा कांग्रेस विधायक 92 वर्षीय शिवशंकरप्पा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और मौजूदा सांसद सिद्धेश्वरा जीएम की पत्नी गायत्री पर महिला विरोधी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि गायत्री केवल रसोई में खाना बनाना जानती हैं।

'लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा देने वालों से ऐसी उम्मीद नहीं थी'

पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और भाजपा नेता साइना शिवशंकरप्पा के बयान से भड़क उठीं और उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट डाल उनकी कड़ी आलोचना की। साइना ने लिखा, 'कर्नाटक के एक वरिष्ठ नेता

शिवशंकरप्पा का कहना है कि महिलाओं को सिर्फ रसोई में काम करने तक सीमित रहना चाहिए। दावणगेरे से भाजपा उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वरा पर की गई लैंगिक टिप्पणी की कम से कम ऐसी पार्टी से उम्मीद नहीं की जा सकती जिनका नारा है लड़की हूं, लड़ सकती हूं।' उन्होंने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ने की आशा रखती हैं, ऐसे में महिलाओं के खिलाफ इस तरह की टिप्पणी हैरान करने वाली है। 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली नेहवाल ने कहा, 'जब मैंने देश के लिए पदक जीते तो कांग्रेस पार्टी मुझसे क्या चाहती थी। मुझे क्या करना चाहिए था? जब सभी लड़कियां और महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने का सपना देखती हैं तो इस तरह का बयान क्यों दिया जा रहा है। एक तरफ हम नारी शक्ति को वंदन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला आरक्षण विधेयक पास किया गया, जबकि दूसरी ओर नारी शक्ति का अपमान करने वाले लोग हैं। यह बहुत ही परेशान करने वाला है।'

क्या कहा था शिवशंकरप्पा ने?

कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवशंकरप्पा ने हाल ही में कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा की महिला नेत्री गायत्री पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिस पर काफी विवाद बढ़ गया है। शिवशंकरप्पा ने कहा था, 'गायत्री ठीक से बोल भी नहीं पाती हैं और वह घर में खाना बनाने के लिए फिट बैठती हैं।'

बीआरएस विधायक कडियम श्रीहरि, उनकी बेटी काव्या कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक कडियम श्रीहरि और उनकी बेटी काव्या रविवार को यहां मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में उनके आवास पर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। एआईसीसी के तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी ने उन्हें कांग्रेस का दुपट्टा पहनाया और पार्टी में आमंत्रित किया। सीएम रेवंत रेड्डी व मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी और अन्य कांग्रेस नेता उपस्थित थे। इस बीच, पूर्व एमएलसी बी मोहन रेड्डी ने भी एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी की मौजूदगी में कांग्रेस से मुलाकात की।

पूर्व एमएलसी बी. मोहन रेड्डी एआईसीसी प्रभारी दीपादास मुंशी की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हो गए।

कांग्रेस की राजनीति पर केसीआर ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख और पूर्व सीएम केसीआर ने कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। अपने जिले के दौरे के क्रम में आज सूर्यापेट में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के पास राजनीति करने का समय है, लेकिन किसानों की देखभाल करने का समय नहीं है।

उन्होंने कहा कि नवगठित सरकार को उन्होंने कुछ समय दिया है, चार महीने हो गए हैं इसलिए हम इस पर अब सवाल उठा रहे हैं। राजनीति का वक्त है, लेकिन लोगों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि राज्य में पानी और बिजली की समस्या के लिए कौन जिम्मेदार है? कांग्रेस के सत्ता में आने के इतने कम समय में ही देश में नंबर एक तेलंगाना राज्य की यह हालत क्यों हो गई है। उन्होंने सरकार पर विकसित राज्य को आगे ले जाने में अक्षम होने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि राज्य में शानदार ढंग से चल रही बिजली व्यवस्था क्यों फेल हो रही है? तेलंगाना में बिजली गुल होने के लिए कौन जिम्मेदार है। मिशन भगीरथ योजना में दिक्कत क्यों आ रही है। राज्य में पानी की समस्या के लिए कौन जिम्मेदार है। तेलंगाना में फिर से पानी के टैंकर मंगाने की नौबत आ गई है। 100 दिन में इतनी अव्यवस्था कैसे फैल गई है। इतना कुछ किए जाने के बावजूद यह बताया गया है कि इसे आगे बढ़ाने का कोई कारण नहीं है।

हशीश तेल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, तीन ड्रग तस्कर गिरफ़्तार

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना पर, स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) बालानगर जोन टीम ने मेडचल पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान हशीश आयल बेचने के आरोप में विशाखापट्टनम के रहने वाले गोलू कुमार स्वामी, कोडी अजय कुमार और स्वामी गणेश में गिरफ्तार किया है। आरोपी एपी के थूनी से प्रतिबंधित दवा यानी हशीश ऑयल की खरीद और इसे हैदराबाद और उसके आसपास जरूरतमंद ग्राहकों को बेचने में शामिल रहे हैं। इनके कब्जे से 2.2 लीटर हशीश ऑयल जब्त किया गया। बरामद आयल का मूल्य करीब 12 बताया जा रहा है। इस मामले में नागेश्वर राव उर्फ नागू निवासी तुनी, एपी है। पुलिस के अनुसार आरोपी गोलू कुमार स्वामी मूल रूप से आंध्र प्रदेश के गोलुगुंटा का रहने वाला है। वह आजीविका के लिए हैदराबाद आया और गांधीमैसम्मा इलाके में कोल्टास फार्मा कंपनी में मैकेनिक के रूप में काम करने लगा। चूंकि उसकी कमाई पर्याप्त नहीं थी, इसलिए उसने हैदराबाद और उसके आसपास के इलाकों में हशीश तेल बेचने की योजना बनाई। इसके लिए उन्होंने गांजा/हशीश तेल आपूर्तिकर्ता नागेश्वर राव उर्फ नागू निवासी थूनी, एपी से संपर्क किया। बाद में कुमार स्वामी ने अपने मित्र कोडी अजय कुमार निवासी गोलुगुंटा, आंध्र प्रदेश से संपर्क किया और उसे नागू से हशीश तेल की डिलीवरी लेने और उसे हैदराबाद में उसे पहुचाने के लिए कहा। कुमार स्वामी ने उन्हें पैसे का लालच दिया और अजय कुमार ने उनका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।कुमार स्वामी के निर्देश अजय कुमार अपने दोस्त लोकवरपु स्वामी गणेश के साथ अपनी पल्सर बाइक पर थूनी क्षेत्र में गए और नागू से तस्करी की डिलीवरी ली। बाद में 30 मार्च को रात के समय वे अपनी बाइक पर हैदराबाद आए और गंडिमाइसम्मा क्षेत्र में कुमार स्वामी से मिले और उसके बाद वे तीनों मेडचल क्षेत्र के लिए रवाना हो गए। जब वे अपनी बाइक पर मेडचल क्षेत्र की ओर बढ़ रहे थे और जब वे डिलीशियस फूड कोर्ट के पास पहुंचे तो वाहन चेकिंग कर रही पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

झूठ फैलाने के लिए वाईएसआरसीपी कर रही डीप फेक तकनीक का इस्तेमाल : टीडीपी

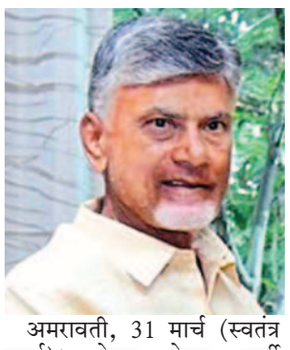

अमरावती, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने रविवार को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) पर डीप फेक तकनीक के ज़रिए झूठ का प्रचार करने का आरोप लगाया। टीडीपी ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने झूठे बयान फैलाने के लिए डीप फेक तकनीक और वीडियो का इस्तेमाल किया। टीडीपी प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायुडू ने कहा कि इस तकनीक के जरिए यह प्रचार किया जा रहा है कि भाजपा के साथ टीडीपी का गठबंधन अस्थायी है।

मुख्य विपक्षी दल ने अपने आरोप के समर्थन में असली और फर्जी बताते हुए दो वीडियो जारी किये। पार्टी ने इसे एक हताश और असफल प्रयास करार दिया।

टीडीपी प्रमुख ने मूल वीडियो में टीडीपी के बारे में झूठी खबरें फैलाने के लिए वाईएसआरसीपी द्वारा तकनीक के दुरूपयोग का उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि वाईएसआरसीपी ने उनके नाम पर एक फर्जी प्रेस नोट जारी किया, इसमें कहा गया कि उनका गठबंधन अस्थायी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने लोगों से इस तरह के झूठे प्रचार के प्रति सतर्क रहने और वाईएसआरसीपी के जाल में नहीं फंसने का आग्रह किया।

चंद्रबाबू नायुडू ने कहा कि आगामी चुनावों में हार के डर से, सत्तारूढ़ दल टीडीपी-भाजपा-जनसेना गठबंधन के खिलाफ झूठे प्रचार कर रहा है।

तेलंगाना में भयंकर सूर्यप्रकोप से कुछ जिलों के लिए येलो अलर्ट-टीएस मौसम विभाग

हैदराबाद, 31 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। टीएस मौसम विभाग ने कहा कि, तेलंगाना में भयंकर सूर्यप्रकोप से कुछ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

इस संदर्भ में, तेलंगाना मौसम विभाग के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, तेलंगाना में भयंकर सूर्यप्रकोप शुरू होने से पूरे राज्य में तापमान दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। गौरतलब है कि गर्मियों की शुरुआत में तापमान सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा दर्ज किया जाता है।पर अभी यह हाल है तो अगले दो महीने तक सूरज या सूर्य की तपिश तय है। इस मामले में मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि भयंकर ओलावृष्टि की आशंका है।

इससे यह भी पता चला कि राज्य में 40 डिग्री से भी ज्यादा तापमान रिकॉर्ड होने की संभावना है।

इसके चलते मौसम विभाग ने कहा है कि, करीमनगर, नलगोंडा, मंचेरियाल, खम्मम, आदिलाबाद, भद्राद्री और पेद्दापल्ली जिलों के लिए पीला अलर्ट जारी किया गया है तथा मौसम विज्ञान विभाग चेताया है कि लोगों को सतर्क रहना चाहिए और जब तक जरूरी न हो अपने घरों से बाहर नहीं निकलना चाहिए। साथ ही अपने स्वास्थ्य देखभाल करना चाहिए क्योंकि सनस्ट्रोक से बचा जा सके।

कांग्रेस सिर्फ जुबानी जमा खर्च कर रही है : हरीश राव

हैदरराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एवं विधायक हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस के 100 दिन के शासनकाल में सिर्फ जुबानी जमा खर्च के अलावा कोई काम नहीं किया है। आज कामारेड्डी में उन्होंने टिप्पणी की कि सीएम रेवंत रेड्डी कार्यकर्ताओं तब तक नहीं खरीद सकते जब तक वह बड़े विधायकों को नहीं खरीद लेते। उन्होंने कहा कि राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि बीआरएस ही सवाल उठाने की आवाज है और अगर कांग्रेस बीजेपी जीतेगी तो दिल्ली में गुलाम गिरी करेंगे, काम नहीं करा पाएंगे।

टीडीपी प्रमुख ने सीईओ से लाभार्थियों को पेंशन वितरण की व्यवस्था करने का आग्रह किया

अमरावती, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी प्रमुख नारा चंद्रबाबू नायुडू ने भारत के चुनाव आयोग, आंध्र प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक पत्र लिखा और उनसे वृद्धावस्था पेंशनभोगियों को पेंशन और अन्य नकद लाभों के वितरण के लिए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करने का अनुरोध किया। विधवा पेंशनभोगी, विकलांग पेंशनभोगी इत्यादि और पहले की तरह वितरण के लिए अपने पास पर्याप्त धनराशि रखें। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि स्वयंसेवकों को वितरण कार्य संभालने से रोक दिया गया है, ईसीआई ने कार्यक्रम को पूरा करने के लिए अन्य सरकारी कर्मचारियों को शामिल करने की अनुमति दी है। चूंकि ग्राम/वार्ड सचिवालय में अन्य फील्ड स्टाफ के अलावा बड़ी संख्या में ग्राम स्तर/वार्ड स्तर के कर्मचारी उपलब्ध हैं, इसलिए पेंशनभोगियों को समय पर नकद लाभ का वितरण सुनिश्चित करने के लिए उन्हें तुरंत काम पर लगाया जा सकता है, जैसा कि पहले किया जा रहा था। प्रत्येक माह की 1 से 5 तारीख के बीच पेंशन वितरण की आवश्यकता को देखते हुए, जैसा कि पहले किया जा रहा था, तत्काल वैकल्पिक प्रशासनिक व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से राज्य सरकार को सचिवालयम कर्मचारियों और अन्य सरकारी कर्मचारियों को तैनात करके पेंशनभोगियों के घर पर पेंशन वितरित करने के लिए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

दो अप्रैल को वीआईपी ब्रेक दर्शन रद्द

तिरुमाला, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 9 अप्रैल को तेलुगु उगादि के संबंध में मंगलवार को श्रीवारी मंदिर में कोइल अलवर तिरुमंजनम के मद्देनजर, टीटीडी ने 2 अप्रैल को वीआईपी ब्रेक रद्द कर दिया है। टीटीडी ने भक्तों से इसे नोट करने और टीटीडी के साथ सहयोग करने की अपील की।

पत्नी मायके से वापस नहीं आई तो पति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

आसिफाबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पत्नी मायके से वापस नहीं आ रही थी शराब की लत से परेशान होकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। वांकिडी एसआई सागर के मुताबिक, वांकिडी मंडल के सोनापुर गांव का कोडपा रामू (25) अपनी मां मेंगुबाई के साथ एक ही घर में रहता था और अपनी मां के मनोरंजन का ख्याल रखता था। कोडपा रामू की शादी दो साल पहले सोनापुर की रामबाबाई से हुई थी। होली के दिन वह अपनी मां के घर गयी थी क्योंकि दोनों के बीच कुछ दिनों से झगड़ा चल रहा था।

रामू को शराब की लत लग गयी और वह नशे में धुत होकर अपनी मां से झगड़ने लगा और कहने लगा कि तुम मेरी पत्नी को बुरा भला कहा इसी कारण मेरी पत्नी मायके चली गयी है और वह अपनी मां को पीटता था। और मां से कहता था कि मेरी पत्नी को लाओ। शनिवार की दोपहर रामू गांव वालों के साथ मछली पकड़ने गया था, शाम को घर आया और पत्नी के घर चला गया। रात में उसने खाना खाया और वहीं सो गया।

रविवार सुबह 4 बजे रामू अपने घर आया और सो गया। सुबह 7 बजे जब उसकी मां मेंगुबाई उठी तो रामा घर की बीम पर लटका हुआ था। एसएसआई सागर ने जांच की और रविवार सुबह मृतक की मां मेंगुबाई ने दी। एसएसआई सागर ने बताया कि शिकायत के अनुसार मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

नौसेना स्टाफ उप प्रमुख ने उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम का समापन किया

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय सशस्त्र बलों और 12 मित्र विदेशी देशों के 165 कर्नल/समकक्ष अधिकारियों ने 30 मार्च को कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट, सिकंदराबाद में 44 सप्ताह के उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। वाइस एडमिरल डीके त्रिपाठी, पीवीएसएम, एवीएसएम, एनएम, वाइस चीफ नौसेना स्टाफ (वीसीएनएस) ने एचडीएमसी-19 के अधिकारियों को समापन भाषण दिया। वीसीएनएस ने अधिकारियों से अपनी संबंधित सेवाओं और राष्ट्रों के भावी नेताओं और निर्णय निर्माताओं के रूप में सीडीएम में अपनी शिक्षा का लाभ उठाने का आह्वान किया। अपने संबोधन के दौरान, वीसीएनएस ने लगातार बदलते 'भविष्य' में 'परिवर्तन का प्रबंधन' करने और आगे जो बेहतर होगा उसके लिए तैयारी करने के लिए 'नेतृत्व' के महत्व पर जोर दिया। वीसीएनएस ने उच्च रक्षा संगठन में चल रहे सुधारों, त्रि-सेवा तालमेल के लिए संयुक्तता और एकीकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में जोर पर प्रकाश डाला। नौसेना उप प्रमुख ने पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी भी प्रदान की। अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में, वीसीएनएस ने सीडीएम का भी दौरा किया और विभिन्न सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कॉलेज परिसर में स्वामी विवेकानन्द और सरदार पटेल की प्रतिमाओं का भी अनावरण किया।

मंदिर एवं शैक्षणिक संस्थानों में चुनाव प्रचार न करें : डीएसपी

आसिफाबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद डीएसपी सदैया ने कहा कि, तेलंगाना में 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव बिना किसी दंगे के शांतिपूर्ण माहौल में होने चाहिए। सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। शराब, पैसे या उपहार का प्रलोभन नहीं देना चाहिए। पूजा या शैक्षणिक संस्थान की जगह प्रचार नहीं करना चाहिए।

जैनूर सीआई अंजैया और सीआरपीएफ इंस्पेक्टर बद्रीप्रसाद, जैनूर एसएसआई संदीप कुमार और सीआरपीएफ ने आज जैनूर मंडल के बुसीमेट्टा कैंप, बुसीमेट्टा और दबोली गांवों का दौरा किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में मनाया जाए और कोई अप्रिय घटना नहीं हो। मंदिरों, मज्जीदों, चर्चों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी कार्यालयों में कोई चुनाव अभियान नहीं चलाया जाना चाहिए। इसी तरह अगर आपको कोई चुनावी शिकायत है तो आप टोल फ्री नंबर 1950 पर कॉल कर सकते हैं, साथही सी व्हिसल ऐप में भी शिकायत की जा सकती है। बाद में डीएसपी सदैया, जैनूर सीआई अंजैया, सीआरपीएफ इंस्पेक्टर बद्रीप्रसाद, सिरीपुर (यू) एसएसआई माधव, लिंगपुर एसएसआई प्रवीण कुमार और 40 सीआरपीएफ केंद्रीय बलों और स्थानीय पुलिस ने जैनूर मंडल केंद्र में मार्च किया और लोगों को साहस और आश्वासन दिया।

आदिलाबाद मंचेरियाल में 7.67 लाख रुपये जब्त

आदिलाबाद/मंचेरियल, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तीन अलग-अलग घटनाओं में आदिलाबाद और मंचेरियल जिलों में वाहन जांच के दौरान 7.67 लाख की बेहिसाब नकदी जब्त की गई।

आदिलाबाद के डीएसपी एल जीवन रेड्डी ने कहा कि जांच के दौरान संबंधित दस्तावेज दिखाने में विफल रहने पर एक मोटर चालक से 2.08 लाख रुपये की धनराशि जब्त कर ली गई है। इसी तरह की एक घटना में, जयनाथ मंडल केंद्र में एक चेक पोस्ट पर शेख पाशा से 3.77 लाख रुपये की बेहिसाबी नकदी जब्त की गई थी। पाशा, जो भेला से आ रहा था और आदिलाबाद जा रहा था, धन की रसीदें प्रस्तुत नहीं कर सका। आगे की कार्रवाई के लिए धनराशि एसएसटी को भेज दी गई है। इस बीच, मंचेरियल जिले के कोटापल्ली मंडल के अर्जुनगुट्टा गांव में एक अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट पर महाराष्ट्र के अंकिशा के के दरमैया से 1,82,500 रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की गई।

तेलंगाना में शहादत हज़रत अली की याद में आज छुट्टी

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार ने शहादत हज़रत अली की स्मृति में वैकल्पिक अवकाश की तारीख में बदलाव की घोषणा की है। मूल रूप से 31 मार्च के लिए निर्धारित छुट्टी अब 1 अप्रैल को मनाई जाएगी।

एसपीएल.ई विभाग की एक विज्ञप्ति में कहा गया, विभाग द्वारा 12 दिसंबर 2023 में जारी आदेशों के आंशिक संशोधन में, सामान्य छुट्टियों को अधिसूचित किया गया और वैकल्पिक छुट्टियाँ, सरकार इसके द्वारा पहले घोषित 31 मार्च 2024 के बजाय 1 अप्रैल को शहादत हज़रत अली (आरए) के अवसर पर वैकल्पिक अवकाश घोषित किया गया है।

संगारेड्डी में लावारिस हालत में मिली नवजात बच्ची

संगारेड्डी, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अमीनपुर मंडल के लालाबाई कॉलोनी में एक नवजात बच्ची लावारिस हालत में मिली। दोपहर के समय उसे धूप में छोड़ दिया गया।

स्थानीय लोगों ने जब बच्ची को देखा तो उन्होंने उस को पास के एक घर में ले जाकर पुलिस को बुलाया। इसके बाद उसे पटानचेरु के एरिया अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है क्योंकि वह निर्जलित थी। पुलिस जांच कर रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.